THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 75 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.2 2082 मंगलवार, 16 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ◦ पृष्ठ : 14, मूल्य : 8 रुपये

### भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता 23-24 जून को

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत तेज करने जा रहे हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 23-24 जून को नई दिल्ली पहुंचेगा, जहां समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए उच्चस्तरीय चर्चा की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। मासिक व्यापार आंकड़ों की ब्रीफिंग के दौरान वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि यूएसटीआर का प्रतिनिधिमंडल अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और भारत के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा।

### अनिल अंबानी ग्रुप के दो ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। ईडी ने 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002' के तहत अपराधों के लिए रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप (आरएएजी) के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश सेठ और गौतम भाईलाल दोषी को गिरफ़्तार किया है। जांच एजेंसी ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की चल रही जांच के सिलसिले में सतीश सेठ को मेसर्ज रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और अन्य के ख़िलाफ़ दर्ज ईसीआईआर में गिरफ़्तार किया है। गौतम दोषी को मेसर्ज रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और अन्य के ख़िलाफ़ दर्ज ईसीआईआर में गिरफ़्तार किया गया है। ईडी के मुताबिक, सतीश सेठ लंबे समय से आरएएजी से जुड़े रहे हैं।

# टेक्नोलॉजी हमारे संबंधों का आधार : पीएम मोदी

## भारत-स्लोवाकिया के बीच कई अहम समझौते

ब्रातिस्लावा, 15 जून (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्लोवाकियाई समकक्ष रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई। दोनों के अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया। साझा वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री और मैंने हमारे सहयोग को नई दिशा और नई गति देने के बारे में विस्तार से चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी में हुई प्रगति हमारे लिए संतोष की बात है। हालाँकि, हमारी क्षमताएं बहुत अधिक हैं और हमारी आकांक्षाएं उससे भी कहीं अधिक हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे आत्मीयता भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं। भारत स्लोवाकिया के संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है। मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का शुभ अवसर मिला। मेरी ये यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है।

**टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ- पीएम मोदी**

पीएम मोदी ने कहा कि, इंडिया-ईयू, एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। हम इसके जल्द से जल्द इम्प्लीमेंटेशन के लिए काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है। डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आज किए गए समझौते इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनाएंगे। मुझे खुशी है कि स्लोवाकिया की एक यूनिवर्सिटी में एआई के विषय पर इंडिया चेयर स्थापित की जा रही है। एआई मानवता की सेवा और प्रगति का सशक्त माध्यम बने, यही हमारी साचा सोच है। हमारा मानना है कि एआई का भविष्य केवल इनोवेशन से नहीं बल्कि ट्रस्ट, रिस्पॉन्सिबिलिटी और ह्यूमन डिग्निटी पर आधारित होना चाहिए।

### रॉबर्ट फिको ने पीएम मोदी को लंबे कार्यकाल के लिए दी बधाई

इस मौके पर स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा, मैं बहुत सम्मान के साथ भारत के स्वतंत्र नज़रिए और रुख का पालन करता हूं और स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री के तौर पर मैं स्लोवाकिया की एक ऐसी स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता हूं जो चारों दिशाओं पर केंद्रित है। मैं बहुत सम्मान के साथ देखता हूं कि अंतरराष्ट्रीय कानून आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। रॉबर्ट फिको ने कहा, आज हमने प्रधानमंत्री के साथ भारत और स्लोवाकिया के बीच सहयोग को 'व्यापक और रणनीतिक सहयोग' का दर्जा देने पर सहमति जताई है। रॉबर्ट फिको ने कहा, स्लोवाकिया इस बात का स्वागत करता है कि मुक्त व्यापार को लेकर ईयू और भारत के बीच समझौता हुआ है। यह अब तक हुए सबसे बड़े और अहम मुक्त व्यापार समझौतों में से एक है और स्लोवाकिया न केवल इस समझौते का स्वागत करता है, बल्कि इसे जल्द से जल्द लागू करने के लिए सभी ज़रूरी और व्यावहारिक कदम भी उठाएगा।

## 'ईरान-अमेरिका समझौते का स्वागत'

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के एलान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसका स्वागत किया और कहा कि उम्मीद है कि इससे दुनिया में स्थिरता आएगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा 'मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी।

हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।' पीएम मोदी की यह प्रतिक्रिया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौते पर सहमति बनने का एलान किया। ट्रंप ने बताया कि समझौते के तहत अमेरिका होर्मुज से अपनी नाकेबंदी को खत्म करेगा और ईरान भी जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा। ईरान की तरफ से समझौते पर सहमति बनने की पुष्टि की गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हस्ताक्षर होंगे। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के एलान के बाद दुनियाभर के बाजारों में उत्साह देखा गया। एशियाई बाजारों में आज वृद्धि दर्ज की गई और कच्चे तेल के दाम भी वैश्विक स्तर पर कम हुए हैं। जिससे हालात सामान्य होने की उम्मीद की जा रही है।

## आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर मोहन भागवत का ग्लोबल अभियान

### > अमेरिका और ब्रिटेन का करेंगे दौरा

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चीफ मोहन भागवत अगले दो महीनों के भीतर अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न और वैश्विक स्तर पर संगठन के विस्तार का हिस्सा है। मोहन भागवत दोनों देशों में कई कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे। यात्रा की तैयारियां अभी अंतिम चरण में हैं। कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) द्वारा भी किया जाएगा, जो आरएसएस इंटरनेशनल विस्तार है। आरएसएस इस समय अपने 100वें वर्ष के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संगठन देश और विदेश में भारतीय समुदाय के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इस कड़ी में मोहन भागवत का अमेरिका और ब्रिटेन दौरा अहम माना जा रहा है।

**न्यूयॉर्क में कार्यक्रम की चर्चा**

शुरुआती स्तर पर न्यूयॉर्क में एक बड़े कार्यक्रम की भी योजना बनाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भागवत वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। मोहन भागवत इससे पहले वर्ष 2016 में ब्रिटेन गए थे। उस दौरान उन्होंने हिंदू स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

## केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को दिए 8500 करोड़ रुपये

### सीएम शुभेंदु ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

कोलकाता, 15 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को 'वीबी-जी राम जी' योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बंगाल को 8,508 करोड़ रुपये मिले हैं।

उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 9,721.48 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा, ग्राम सड़क योजना के तहत भी 2,400 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं, जिनमें से 1,000 करोड़ रुपये केंद्र ने जारी कर दिए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी 'जन कल्याण शिविर' कार्यक्रम की शुरुआत की।

## ट्रांसजेंडर संशोधन कानून पर अलग-अलग हाई कोर्ट में नहीं होगी सुनवाई

### > सुप्रीम कोर्ट का आया फैसला

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई के बाद अलग-अलग हाई कोर्ट में याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किए, जिसमें 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) (संशोधन) अधिनियम, 2026' को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने संबंधित हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए हाई कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

**अलग-अलग हाई कोर्ट में अब सुनवाई नहीं**

सोमवार सुनवाई के दौरान बेंच ने संकेत दिया कि वह या तो अलग-अलग हाई कोर्ट में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर सकती है या उन्हें एक साथ जोड़कर सुनवाई के लिए किसी हाई कोर्ट को सौंप सकती है। इन याचिकाओं में राजस्थान, कर्नाटक, केरल और दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे मामलों को ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि अगर याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया जाता है, तो उन्हें तीन जजों की बेंच के सामने रखा जाना चाहिए।

तुषार मेहता ने बताया कि 2014 का (एनएएलएसए) फैसला, जो इस संशोधन को चुनौती देने का मुख्य आधार है, दो जजों की बेंच ने सुनाया था। मेहता ने कहा कि एनएएलएसए का एक फैसला पहले से मौजूद है, इसलिए कृपया नोटिस जारी करें। दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर करने वालों में से एक, वकील चंद्रेश जैन ने दलील दी कि 2026 का संशोधन असंवैधानिक है क्योंकि यह 2014 के एनएएलएसए फैसले को कमजोर करता है, जिसमें जेंडर की खुद पहचान करने को मौलिक अधिकार माना गया था। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नोटिस जारी कर दिया।

### अमेरिका-ईरान समझौते के बाद इजरायल की दो टूक

## 'दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगी आईडीएफ'

तेल अवीव, 15 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान ने लंबी बातचीत के बाद शांति समझौता करने का ऐलान किया। हालांकि, इजरायल अमेरिका के ईरान डील से काफी नाराज नजर आ रहा है। इजरायल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि इजरायल दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगा।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल कॉट्ज ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद इजरायल दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगा, जिसमें हिज्बुल्लाह के खिलाफ लड़ाई खत्म करना भी शामिल है। कॉट्ज ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मैं एक स्पष्ट नीति पर चल रहे हैं, जिसके तहत आईडीएफ बिना किसी टाइम लिमिट के लेबनान, सीरिया और गाजा के सुरक्षा जोन में रहेगा, ताकि सीमा और इजरायली समुदाय को जिहादी तत्वों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा जोन से स्थानीय लोगों को हटा दिया जाएगा और जमीन के ऊपर और नीचे सभी आतंकवादी ढांचों को खत्म कर दिया जाएगा, जिसमें कॉन्टैक्ट-लाइन गांवों के घर भी शामिल हैं।

यह आतंकवादियों के गुप्त ठिकानों के तौर पर काम करते थे। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखना युद्ध में आईडीएफ की सबसे बड़ी कामयाबियों में से एक है। इसलिए, हम लेबनान से आईडीएफ की वापसी का विरोध करते हैं, भले ही मौजूदा दबाव हों और जो भी आएंगे।

## पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा-देश में पेट्रोल, डीजल-एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, घबराएं नहीं

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और स्थिर बनी हुई है। सरकार ने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीदने से बचने की अपील की है।

मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई में किसी तरह की कमी नहीं है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सुजाता शर्मा ने बताया कि हाल के दिनों में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की बिक्री सामान्य से ज्यादा देखी गई है। हालांकि इसका कारण किसी तरह की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कई औद्योगिक, संस्थागत, वाणिज्यिक और प्रत्यक्ष उपभोक्ता अब अपनी ईंधन जरूरतों के लिए सीधे सप्लाई चैनल की बजाय खुदरा पेट्रोल पंपों से खरीदारी कर रहे हैं। इसी वजह से कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री के आंकड़े बढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त है और आम लोगों को पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार और तेल कंपनियां आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रही हैं। वहीं, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी वाहक पोत दिशा 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार कर चुका है।

## ईडी के दफ्तर पहुंचे अभिषेक बनर्जी स्कूल भर्ती घोटाले में पूछताछ

### धनशोधन के एंगल पर भी जांच

कोलकाता, 15 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता स्थित कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे कथित स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ की गई।

यह पूछताछ ऐसे समय हो रही है जब एक दिन पहले ही पश्चिम बंगाल सीआईडी ने उन्हें विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों पर कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में भी सवाल-जवाब के लिए बुलाया था। ऐसे में लगातार दो दिनों तक जांच एजेंसियों के सामने पेशी ने राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। ईडी अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक शिक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत अभिषेक बनर्जी का बयान दर्ज किया जा रहा है। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस कथित मनी ट्रेल यानी धन के स्रोत, उसके लेनदेन और विभिन्न खातों तक पहुंचने की प्रक्रिया पर है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान वित्तीय दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य आरोपियों के बयानों के आधार पर सवाल पूछे जाएंगे। एजेंसी यह जानने की कोशिश कर रही है कि कथित तौर पर जुटाई गई रकम किन माध्यमों से स्थानांतरित हुई और क्या इन लेनदेन को छिपाने के लिए कई स्तरों पर वित्तीय गतिविधियां की गई थीं। ईडी का दावा है कि उसके पास बैंक रिकॉर्ड, डिजिटल संचार और अन्य दस्तावेज मौजूद हैं, जिनके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कथित धनराशि किन खातों और संस्थाओं तक पहुंची। अधिकारियों के अनुसार, जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उन मध्यस्थों और लाभार्थी संस्थाओं की भूमिका को समझना है, जिनका नाम फॉरेंसिक विश्लेषण के दौरान सामने आया है।

# स्वदेशी लॉन्ग रेंज क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

भुवनेश्वर, 15 जून (एजेंसियां)। भारत ने रक्षा क्षेत्र में आज एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर एक बड़ा परीक्षण किया है।

यह टेस्ट डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया है। यहां भारत में ही बनी 'लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल' (एलआरएलएसीएम) का सफल परीक्षण हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस टेस्ट के दौरान मिसाइल ने अपने सभी लक्ष्यों को पूरा किया।

**सभी मिशन उद्देश्यों में सफल और सटीक मारक क्षमता**

इस सफल परीक्षण से भारत की ताकत का पता चलता है। अब भारत लंबी दूरी तक बिल्कुल सटीक निशाना लगा सकता है। उड़ान के दौरान मिसाइल की नई तकनीकों को परखा गया। यह मिसाइल सभी पैमानों पर पूरी तरह खरी उतरी है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल के सभी कलपुर्जों ने बेहतरीन काम किया। यह कामयाबी देश की सैन्य ताकत को बहुत मजबूत करेगी।

**भारतीय उद्योग की भागीदारी**

यह मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी है। इसे भारत में ही तैयार किया गया है। डीआरडीओ ने इसे भारतीय उद्योगों के सहयोग से बनाया है। रक्षा मंत्रालय ने इस सफलता को 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए एक बहुत बड़ा कदम बताया है। इससे हमारे देश के रक्षा उद्योग को बहुत बढ़ावा मिलेगा। अब रक्षा तकनीकों के लिए दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम होगी।

**क्रूज मिसाइल का विकास और इसकी ताकत**

यह लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल भारत के पुराने 'निर्भय' मिसाइल कार्यक्रम का ही एक बेहद आधुनिक और स्वदेशी रूप है। भारत ने साल 2013 में 'निर्भय' मिसाइल का परीक्षण शुरू किया था, जिसके बाद डीआरडीओ ने इसमें से विदेशी कलपुर्जे हटाकर पूरी तरह भारत में बना 'माणिक' इंजन और स्वदेशी नेविगेशन तकनीक लगाई। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं के लिए इस मिसाइल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी, जिसका पहला सफल फ्लाइट-टेस्ट अब ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से पूरा कर लिया गया है।

**उपयोग और भारत के मिसाइल बेड़े में इसका महत्व**

यह एक मल्टी-प्लेटफॉर्म मिसाइल है, जिसे भारतीय नौसेना अपने युद्धपोतों और पनडुब्बियों पर तैनात करेगी, जबकि थल सेना और वायुसेना भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगी। भारत के पास पहले से मौजूद 'ब्रह्मोस' मिसाइल अपनी तेज रफ्तार के कारण 290 से 500 किमी तक मार करती है, वहीं यह मिसाइल जमीन से बिल्कुल सटकर उड़ती है, जिससे दुश्मन का रडार इसे पकड़ नहीं पाता और यह कम खर्च में लंबी दूरी के लक्ष्यों को तबाह करने की भारत को बड़ी क्षमता देती है।

## भारत के 'द ड्रोन जनरल' की 30 जून को विदाई

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। 30 जून 2026 को जब भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अपना कार्यकाल पूरा करेंगे तब उन्हें सिर्फ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्थायी सेना के प्रमुख के रूप में याद नहीं किया जाएगा। बल्कि रक्षा विशेषज्ञों और सैन्य इतिहासकारों की नजर में उनका कार्यकाल भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के सबसे महत्वपूर्ण दौरों में से एक माना जाएगा और शायद इसीलिए उन्हें भारत का 'द ड्रोन जनरल' कहा जा रहा है।

जनरल द्विवेदी का कार्यकाल ऐसे समय में आया जब ग्लोबल वॉरफेयर तेजी से बदलता चला गया। आधुनिक युद्ध ने हर सीमा को पार कर दिया। पारंपरिक हथियार पीछे छूटने लगे और कुछ लाख के ड्रोन महंगे से महंगे एयर डिफेंस सिस्टम का काल बन गये। रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष और दूसरे आधुनिक युद्धों ने साफ कर दिया कि आने वाले समय के युद्ध काफी ज्यादा तेज और पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर आधारित होंगे। ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर ऑपरेशंस, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और प्रिसिजन स्ट्राइक जैसी क्षमताएं भविष्य के युद्धक्षेत्र की पहचान बन चुकी हैं। जनरल द्विवेदी ने इस बदलाव को समय रहते समझा और भारतीय सेना को उसी दिशा में आगे बढ़ाने का फैसला लिया और ऑपरेशन सिंदूर के समय यही देखने को मिला। जनरल द्विवेदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय सेना में ड्रोन क्रांति मानी जा रही है।

# टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

> 3 साल पहले पति-पत्नी ने यह पार्टी बनाई थी > नारा था-दलबदलू नेताओं को नकारो

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी।

पार्टी के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। एनसीपीआई अध्यक्ष उत्तिया ने 13 मई को फेसबुक पर बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी। हावड़ा में एनसीपीआई का ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। वहीं उनकी पत्नी शेउली को कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील बताया गया है।

**एनसीपीआई बंगाल में रजिस्टर्ड, त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत की**

एनसीपीआई का रजिस्टर्ड पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बानीपुर इलाके में है। पार्टी ने 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन उसके उम्मीदवार या तो नोटा से पीछे रहे या फिर उससे थोड़ा ज्यादा वोट हासिल कर पाए। पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 1,198 वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी को कुल 1.13 लाख रुपये का चंदा मिला था। एनसीपीआई के चुनावी पोस्टरों में नारा था- अपने अधिकारों को बचाने के लिए दलबदलुओं को नकारें।

**त्रिपुरा चुनाव के बाद गायब हो गई थी पार्टी**

न्यूज एजेंसी के अनुसार, एनसीपीआई ने 2023 में त्रिपुरा के चावामानु से बरजेडा त्रिपुरा को उम्मीदवार बनाया था। बरजेडा को 536 वोट मिले थे। टीएमसी के बागी सांसदों के साथ विलय की बात सुनकर वे हैरान रह गए। बरजेडा ने बताया कि वे दिहाड़ी मजदूर हैं। चुनाव के बाद उनका पार्टी से संपर्क खत्म हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, त्रिपुरा के कैलाशहर से एनसीपीआई उम्मीदवार रहे जहांगीर अली ने बताया कि 2023 चुनाव के दौरान शेउली कुंडू कोलकाता से आई थीं और उम्मीदवारों से संपर्क किया था। चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी ने गतिविधियां बंद कर दीं और संपर्क भी टूट गया।

**बागी टीएमसी सांसद बोले- एनडीए के साथ काम करेंगे**

टीएमसी के 28 में से 20 लोकसभा सांसदों ने रविवार को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय की घोषणा की। बागी सांसदों ने रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि टीएमसी के दो-तिहाई लोकसभा सांसदों ने अलग गुट के रूप में मान्यता देने के लिए पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा- हम पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ काम करेंगे। बिरला से टीएमसी के बागी सांसदों की मुलाकात की जो फोटो सामने आई है, उसमें 17 टीएमसी सांसद दिख रहे हैं। स्पीकर से मुलाकात से पहले सांसदों ने बंगाल भाजपा प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक की थी।

असम में ड्रग्स नेटवर्क पर एक्शन

# रेलवे स्टेशन के पास चलता था नशे का रैकेट 10 गिरफ्तार- 79 ग्राम हेरोइन बरामद

डिब्रूगढ़, 15 जून (एजेंसियां)। असम के डिब्रूगढ़ जिले में एक बड़े अभियान में मादक पदार्थों की तस्करी के 10 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही कई प्रतिबंधित वस्तुओं सहित कई आपत्तिजनक वस्तुएं जब्त की गई हैं। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी।

**पुलिस ने क्या बताया?**

डिब्रूगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव अभिजीत दिलीप के अनुसार, रविवार को डिब्रूगढ़ टाउन रेलवे स्टेशन के पास कालीबाड़ी क्षेत्र की हरिजन कॉलोनी में चलाए गए अभियान में हेरोइन, नकदी, वाहन, मोबाइल फोन और सोना जब्त किया गया है। उन्होंने आगे कहा, 'एक गुप्त सूचना के आधार पर, कई पुलिस टीमों ने शहर के मध्य में संचालित एक संगठित मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए कई परित्यक्त रेलवे कॉलोनी क्वार्टरों और अन्य स्थानों पर समन्वित छापे मारे।'

**पूछताछ में कई नाम सामने आए**

अधिकारी ने बताया कि कुल 10 लोगों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, पूछताछ के दौरान कई और नाम सामने आए हैं और नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े अन्य लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने आगे बताया, 'ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने आठ कंटेनरों में छिपाई गई 79.55 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की। पुलिस ने एक मोबाइल हैंडसेट और एक सिम कार्ड भी जब्त किया।'

एसपी ने बताया कि बड़ी संख्या में ऐसी सिरिंजें भी जब्त की गईं जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर नशीली दवाओं के सेवन और वितरण के लिए किया जाता था। उन्होंने आगे कहा, 'इनमें छह इंसुलिन सिरिंज वाले 40 पैकेट शामिल थे, जिससे कुल संख्या 240 सिरिंज हो गई, इसके अलावा 10 हाई-टेक इंसुलिन सिरिंज वाले छह पैकेट भी शामिल थे, जिनकी कुल संख्या 60 सिरिंज थी।'

**लाखों रुपये और वाहन किया जब्त**

दिलीप ने बताया कि पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से प्राप्त होने के संदेह में 4,92,710 रुपये की नकदी भी जब्त की है। उन्होंने आगे कहा 'इस अभियान के दौरान चार वाहन भी जब्त किए गए।

इसके अलावा, पुलिस ने कई ऐसे गहने भी जब्त किए हैं जिन पर नशीले पदार्थों की तस्करी से मिले धन से खरीदे जाने का संदेह है। जब्त की गई वस्तुओं में सोने की दो जोड़ी बालियां, एक सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी और 5 ग्राम चांदी का सिक्का शामिल हैं।' एसपी ने बताया कि जांचकर्ता जब्त किए गए नशीले पदार्थों के स्रोत, इसमें शामिल वित्तीय लेनदेन और क्षेत्र में सक्रिय व्यापक वितरण नेटवर्क की जांच कर रहे हैं।

नगर निकाय अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव

# सीजेआई ने हिमाचल हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक, विधायकों के वोटिंग अधिकार बहाल

शिमला, 15 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार को नगर निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव से पहले बड़ी राहत मिली है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हिमाचल हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें विधायकों को नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनाव में मतदान करने से रोका गया था।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के 4 जून के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। सरकार का तर्क था कि संबंधित कानून के तहत स्थानीय निकायों में पदेन सदस्य के रूप में विधायकों को मतदान का अधिकार प्राप्त है और उन्हें इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

हिमाचल हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 4 जून को दिए अंतरिम आदेश में कहा था कि पदेन सदस्य यानी विधायक स्थानीय निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जैसे शीर्ष पदों के चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। अदालत ने स्पष्ट किया था कि इन पदों का चुनाव केवल निर्वाचित पार्षद ही करेंगे। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि सामान्य बैठकों और समितियों की बैठकों में विधायकों के अधिकार यथावत रहेंगे।

हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। अब सर्वोच्च अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगाते हुए फिलहाल विधायकों के मतदान अधिकार बहाल कर दिए हैं। इससे नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ेगा। उधर, इस मामले में पार्षदों की ओर से भी शीर्ष अदालत में केविएट याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब नगर निकाय चुनावों में विधायकों की भूमिका को लेकर बनी अनिश्चितता फिलहाल समाप्त हो गई है। मामले की अगली सुनवाई में अदालत विस्तृत कानूनी पहलुओं पर विचार करेगी।

मनीषा मित्तल हत्याकांड

## सिर में लगीं तीन गोलियां, हमलावरों का सुराग नहीं

**जांच के लिए एसआईटी गठित**

शिमला, 15 जून (एजेंसियां)। शिमला के संजौली स्थित सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल स्कूल की संचालिका मनीषा मित्तल पर नकाबपोश हमलावरों ने चार गोलियां चलाई थीं। तीन गोलियां उनके सिर पर लगीं। दो गोलियां सिर के आरपार हो गईं, जबकि एक गोली पोस्टमार्टम के दौरान सिर के भीतर से बरामद की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोल भी बरामद किए हैं। हत्याकांड के 24 घंटे बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। हालांकि, अभी हत्या के कारणों और उसके पीछे की वजह को लेकर कोई भी स्थिति साफ नहीं है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने इस सनसनीखेज वारदात की गुत्थी को सुलझाने के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है।

# चार राज्यों में फैलाई जा रही थी स्लीपर सेल की जड़ें

> सेकंड हेड कमांडर सहित तीन गिरफ्त में

भोपाल, 15 जून (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल की शांत फिजा में एक बार फिर आतंकी गतिविधियों में लिप्त कट्टरपंथी के गिरफ्तार किए जाने के बाद आतंकी गतिविधियो के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हो रहा है। मध्यप्रदेश आतंक निरोधी दस्ता (एटीएस) ने भोपाल के पुराने शहर के काजी कैंप से मोहम्मद फराज को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से नईम नाम के कट्टरपंथी को गिरफ्तार कर 16 जून तक की रिमांड पर लिया है।

रिमांड पर चल रहे मोहम्मद फराज उर्फ खादिल से हुई पूछताछ के बाद चार राज्यों में स्लीपर सेल के जिहाद की जड़ें जमाने के प्रयास सामने आए हैं। फराज और नईम की गिरफ्तारी के बाद एमपी एटीएस ने राजस्थान एटीएस व एसटीएफ की मदद से राजस्थान के अलवर जिले के टप्पुकरा थाना क्षेत्र से शाकिर मेव नाम के संदिग्ध आतंकी को पकड़ा है। शाकिर मेव सेकंड हेड कमांडर की भूमिका में था और फराज के बाद साजिश में अहम भूमिका निभाता था। शाकिर मेव को 20 जून तक की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

**खाड़ी देश में बैठे हैंडलर दे रहे थे डायरेक्शन**

फराज की पूछताछ में कई चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। वह मध्यप्रदेश के बाहर भी अपना स्लीपर सेल खड़ा कर रहा था। इसके लिए उसे नईम और पाकिस्तान के साथ एक खाड़ी देश में बैठे हैंडलर डायरेक्शन दे रहे थे। फराज की पूछताछ के बाद एटीएस ने धार निवासी हाजी अहजर को गिरफ्तार किया है। एमपी एटीएस ने हरियाणा के नूंह से भी एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह भी फराज के संपर्क में कई महीनों से था और जिहादी नेटवर्क को स्थानीय स्तर पर खड़ा करने का प्रयास कर रहा था। हालांकि नूंह में हिरासत में लिए गए युवक की अधिकृत गिरफ्तारी अभी नहीं की है।

**विदेशी फंडिंग और डिजिटल उपकरणों की जांच**

एटीएस ने फराज और उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों को हो रही विदेशी फंडिंग की भी बहुत गहनता से जांच कर रही है। इसी जांच में गिरोह का खुलासा हुआ है। वहीं उसके पास से बरामद मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स की जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश में नेटवर्क खड़ा करने, गरीब और बैचलर युवकों का ब्रेनवॉश करने और सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी सोच फैलाने का टास्क फराज को मिला था। फराज के संपर्क में अब तक करीब आधा दर्जन युवकों के होने का पता चला है। पुलिस उन सभी युवकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल खंगालने के साथ उनकी हर गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखे हुए है।

# सलीम डोला ने ड्रग्स के पैसे से दुबई और तुर्किये में 100 करोड़ की संपत्ति बनाई

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच को संदेह है कि फरार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी माने जाने वाले कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम डोला ने तुर्किये और दुबई में व्यापक संपत्तियां खड़ी की हैं। साथ ही, क्राइम ब्रांच की पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा पूछताछ पूरी किए जाने के बाद तुर्किये में गिरफ्तारी कर भारत लाए गए सलीम डोला से अब मुंबई क्राइम ब्रांच की विभिन्न इकाइयां कई मामलों में पूछताछ कर रही हैं। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, कोविड-19 महामारी के बाद डोला ने मुंबई में अपने कथित ड्रग तस्करी कारोबार और नेटवर्क का काफी विस्तार किया था। जांच में यह भी सामने आया है कि वह 'अयहान शेख' नाम की फर्जी पहचान के तहत तुर्किये में रह रहा था और वहीं से एक बड़े ड्रग नेटवर्क का संचालन कर रहा था। जांचकर्ताओं को पता चला है कि डोला ने ड्रग तस्करी से अर्जित धन के जरिए दुबई और तुर्किये में लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्तियां बनाई थीं। एजेंसियां अब उसके विदेशी निवेश, संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की व्यापकता की जांच कर रही हैं।

पूछताछ के दौरान डोला ने कथित तौर पर सांगली में संचालित एक बड़े सिंथेटिक ड्रग निर्माण केंद्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, उसने जांचकर्ताओं को बताया कि इस फैक्ट्री में एमडी (मेफेड्रोन) की लगभग 20 खेप तैयार की गई थीं और उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा गया था। क्राइम ब्रांच फिलहाल डोला द्वारा दी गई जानकारी का सत्यापन कर रही है और कथित ड्रग नेटवर्क की पूरी सप्लाई चेन, वितरण प्रणाली और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि डोला ने यह भी दावा किया है कि ड्रग तस्करी से कमाए गए पैसे को भारत और विदेशों में संपत्तियों तथा व्यवसायों में निवेश किया गया था। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि किन संपत्तियों और व्यावसायिक उपक्रमों को कथित तौर पर इस अवैध कारोबार से प्राप्त धन से वित्तपोषित किया गया था।

पूछताछ के दौरान डोला ने यह भी दावा किया कि इस ड्रग नेटवर्क के संबंध दाऊद इब्राहिम और उसके सिंडिकेट से थे। हालांकि, जांचकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि इन दावों को जांच के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है और उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जा रही है। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों की कथित संलिप्तता कितनी थी और नेटवर्क के संचालन में किन व्यक्तियों ने सहायता की थी। क्राइम ब्रांच की कई टीमों ने डोला से विभिन्न मामलों में पूछताछ की है, जिनमें सातारा और मैसूरु की ड्रग फैक्ट्री से जुड़े मामले भी शामिल हैं।

## संजय राउत का दावा शिवसेना यूबीटी के सभी एमपी एकजुट

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेतृत्व की ओर से बुलाई गई बैठक में नौ सांसदों में से पांच के शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हुए। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने सोमवार को जोर देकर कहा कि वे सभी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उद्धव ठाकरे ने मुंबई में पार्टी सांसदों की बैठक बुलाई थी। नौ लोकसभा सदस्यों में से अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजभाऊ वाजे और संजय पाटिल व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल हुए।

# अमरनाथ यात्रा नफरत खत्म करने का अवसर

**बोलीं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती**

श्रीनगर, 15 जून (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि देश में बढ़ती नफरत और ध्रुवीकरण को खत्म करने का एक बड़ा अवसर है। सोमवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि 3880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर की यह 57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है। इस दौरान उन्होंने पहलगाम में स्थानीय पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी मुलाकात की।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा केवल सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कश्मीर के लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर श्रद्धालु कश्मीर का मेहमान होता है और उनके अनुभव पूरे देश में यहां की संस्कृति, प्यार और मेहमाननवाजी का संदेश लेकर जाते हैं। मौजूदा समय में जब देश में तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, तब यह यात्रा आपसी भाईचारे को मजबूत करने और दिलों को जोड़ने का माध्यम बन सकती है। महबूबा मुफ्ती ने यह भी कहा कि यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों का सीधा जुड़ाव गलत धारणाओं और अफवाहों को दूर करने में मदद करता है। उनके अनुसार अमरनाथ यात्रा केवल एक तीर्थयात्रा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व और सौहार्द का प्रतीक है।

# केएसआरटीसी में महिलाओं-ट्रांसजेंडरों के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना शुरू

## सीएम वीडी सतीशन ने किया उद्घाटन

तिरुवनंतपुरम, 15 जून (एजेंसियां)। केरल में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की योजना शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने आज यानी सोमवार को तिरुवनंतपुरम के थंपानूर सेंट्रल बस टर्मिनल से इस ऐतिहासिक योजना का उद्घाटन किया। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ (यूडीएफ) के चुनावी घोषणापत्र का एक मुख्य वादा था। उद्घाटन समारोह में भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर परिवहन मंत्री सीपी जॉन, पिछड़ा वर्ग मंत्री केए तुलसी, मुख्य सचिव एजे जयतिलक और कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। पहली बस थंपानूर से राज्य सचिवालय तक चली, जो लगभग तीन किलोमीटर की दूरी है। मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों ने भी इस पहली बस में सफर किया।

**इन बसों में मिलेगी सुविधा**

यह योजना केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की साधारण श्रेणी की बसों पर लागू होगी। राज्य में निगम की कुल 5,700 से ज्यादा बसें हैं, जिनमें से लगभग 3,125 साधारण बसें इस योजना के दायरे में आएंगी। सुबह नो बजे से इन बसों में सफर करने वाली महिलाओं को कंडक्टर जीरो-फेयर यानी मुफ्त टिकट देंगे। मुख्य सचिव जयतिलक ने कहा कि बसें भले ही साधारण हों, लेकिन यह यात्रा अनुभव असाधारण है। उन्होंने महिलाओं से बिना किसी झिझक के मुफ्त टिकट लेकर यात्रा करने की अपील की।

**महिला ड्राइवर ने क्या कहा?**

इस उद्घाटन की एक खास बात यह रही कि बस की कमान वीपी शीला के हाथों में थी। शीला 13 साल पहले निगम की पहली महिला ड्राइवर बनी थीं। उन्हें इस खास मौके के लिए पेरुंबावूर से बुलाया गया था। बस में महिला कंडक्टर भी मौजूद थी। शीला ने इस ऐतिहासिक सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जताई।

यात्रा करने वाली महिलाओं ने इस कदम का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे हर महीने उनके 2,500 से 3,500 रुपये तक बचेंगे, जिससे घर चलाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने साफ किया कि इस योजना का लाभ ट्रांसजेंडर समुदाय को भी मिलेगा।

# मूंछ मुंडवाकर 2300 किमी दूर छिपने गए टीएमसी नेता

> करोड़ों के सोलर घोटाले के मामले में केरल से गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 15 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के सोलर ऊर्जा परियोजना घोटाले की जांच के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आरामबाग नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता स्वपन नंदी को केरल से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए नंदी ने अपनी पहचान बदल ली थी और मूंछ तक मुंडवा दी थी। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें लगभग 2300 किलोमीटर दूर केरल में खोज निकाला। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से कथित ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट में हुए वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं।

**स्वपन नंदी पर क्या आरोप हैं और पुलिस ने कैसे पकड़ा?**

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्वपन नंदी उस समय से फरार चल रहे थे जब ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट घोटाले की जांच तेज हुई थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अपना हुलिया बदल लिया था और मूंछ भी साफ कर दी थी। हालांकि जांच एजेंसियों ने लगातार निगरानी और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर उन्हें केरल में ट्रैक कर लिया। पुलिस का कहना है कि अब उन्हें ट्रांजिट प्रक्रिया पूरी कर पश्चिम बंगाल लाया जाएगा और अदालत से पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी। जांचकर्ताओं का मानना है कि पूछताछ के दौरान घोटाले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

**ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट क्या था और विवाद कैसे शुरू हुआ?**

यह मामला ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट से जुड़ा है, जिसके तहत आरामबाग नगर पालिका ने क्षेत्र के स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए ई-टेंडर जारी किया था। योजना के तहत तीन प्राथमिक विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के अलावा 11 उच्च प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की जानी थी। परियोजना का लक्ष्य 764.46 किलोवाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करना था। इस बिजली का उपयोग स्कूलों की जरूरतों और सड़क प्रकाश व्यवस्था के लिए किया जाना था। बाद में इस परियोजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और प्रक्रियागत गड़बड़ियों के आरोप सामने आए।

**अब तक जांच में क्या-क्या सामने आया है?**

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में स्वपन नंदी से पहले तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें एक अस्थायी नगर अभियंता, एक अस्थायी विद्युत पर्यवेक्षक और एक ठेकेदार शामिल हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि परियोजना से जुड़े फैसले कैसे लिए गए और धन का उपयोग किस तरह किया गया। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जिसके बाद स्वपन नंदी की तलाश तेज की गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता



विचार: हर कठिनाई में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नज़र चाहिए।

# 19 जून से राज्यभर में भारी बारिश की संभावना, प्रशासन सतर्क रहे : पोंगुलेटी

## मौसम विभाग की चेतावनियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश

### आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह तैयार रखने पर जोर

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मानसून के दौरान राज्य के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम पहले से ही उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के घटित होने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय उनके संभावित प्रभावों का पूर्वानुमान लगाकर रोकथाम संबंधी उपाय करना अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार राज्य स्तर से लेकर गांव स्तर तक राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सतर्क रखने के लिए मंत्री ने सोमवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश जारी किए। मंत्री ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले तीन से चार दिनों में पूरे तेलंगाना में इसके फैलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार 19 जून से राज्यभर में वर्षा गतिविधियां तेज हो सकती हैं और लगभग एक सप्ताह तक जारी रह सकती हैं। इसे देखते हुए सभी संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 8 जून को दक्षिण तेलंगाना में प्रवेश कर जोगुलाम्बा गदवाल जिले को कवर कर चुका है। वर्तमान में इसकी उत्तरी सीमा

हैदराबाद और भद्राद्रि कोठागुडेम जिलों से होकर गुजर रही है। 14 जून तक दक्षिण तेलंगाना के सभी जिलों तथा मध्य तेलंगाना के अधिकांश जिलों में मानसून पहुंच चुका है। मंत्री के अनुसार, 1 जून से अब तक राज्य में 49.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य वर्षा 54.9 मिलीमीटर होनी चाहिए थी। इस प्रकार अब तक लगभग 10 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जिला कलेक्टरों, राजस्व अधिकारियों और आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों को मौसम विभाग की चेतावनियों पर लगातार नजर रखने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां भारी वर्षा की संभावना है, उन क्षेत्रों की पहले से पहचान कर आवश्यक सुरक्षा एवं राहत उपाय किए जाएं। मंत्री ने कहा कि लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार जनता की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी जिलों के अधिकारियों को मानसून समाप्त होने तक लगातार सतर्क रहकर कार्य करने और लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

# तकनीकी खराबी से वाहन पंजीकरण सेवाएं प्रभावित

## लोगों को करना पड़ा इंतजार

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वाहन पंजीकरण संबंधी सॉफ्टवेयर में बार-बार आ रही तकनीकी समस्याओं के कारण सोमवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में सेवाएं प्रभावित रहीं। इसके चलते नए वाहन पंजीकरण सहित कई महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हुई और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। बताया गया कि हाल ही में अद्यतन किए गए सॉफ्टवेयर में रुक-रुक कर तकनीकी बाधाएं आ रही हैं और उसकी कार्य गति भी धीमी है। इससे वाहन पंजीकरण और परिवहन विभाग से जुड़े अन्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, नई प्रणाली लागू होने के बाद कर्मचारी और उपयोगकर्ता अभी इसके संचालन के तरीके से पूरी तरह परिचित नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण भी दिक्कतें सामने आ रही हैं। दूसरे शनिवार और रविवार की छुट्टियों के बाद सोमवार को कार्यालय खुलने पर आवेदकों की संख्या अधिक रही, जिससे समस्या और बढ़ गई।

कई क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहां लोग अपने लंबित पंजीकरण और दस्तावेजी कार्यों को पूरा कराने के लिए पहुंचे थे। कई आवेदकों ने सेवाओं में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और विभाग से तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

# केवीबी रेड्डी भारत के शीर्ष 50 मानव संसाधन प्रबंधकों में शामिल

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एल एंड टी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केवीबी रेड्डी को वर्ष 2026 के लिए भारत के शीर्ष 50 महान मानव संसाधन प्रबंधकों (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक) की सूची में शामिल किया गया है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। यह सम्मान उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो अपने संस्थानों में विश्वास, सहयोग और उद्देश्य आधारित कार्य संस्कृति विकसित करते हैं। संस्था के अनुसार, यह उपलब्धि केवीबी रेड्डी के उस नेतृत्व दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें कर्मचारियों, कार्य संस्कृति और टीम भावना को संगठन की सफलता का आधार माना जाता है।

उनके नेतृत्व में हैदराबाद मेट्रो रेल आधुनिक और यात्री-केंद्रित शहरी परिवहन व्यवस्था के रूप में विकसित हुई है। संस्था ने सेवा गुणवत्ता, सुरक्षा और नवाचार के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर केवीबी रेड्डी ने कहा कि भारत के 50 सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रबंधकों में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय हैदराबाद मेट्रो रेल परिवार के सभी कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण को दिया।

# निर्यात योग्य धान की खेती पर किसानों को व्यापक जागरूक किया जाए : कृषि विशेषज्ञ

## कैबिनेट उपसमिति को कृषि वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण सुझाव

### आठ धान किस्मों से किसानों को होगा अधिक लाभ, विदेशों में तेलंगाना चावल की भारी मांग

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देश और विदेश के बाजारों में उच्च मांग वाली धान की आठ उत्कृष्ट किस्मों की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने तथा किसानों में इनके प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने यह सुझाव सोमवार को उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में प्रजा भवन में आयोजित कैबिनेट उपसमिति की बैठक में दिया। बैठक में मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव और डी. श्रीधर बाबू भी उपस्थित रहे।

उपसमिति ने राज्य में कृषि उत्पादन, धान खरीद, भंडारण सुविधाओं और खरीफ सीजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कृषि विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों ने बताया कि बीपीटी-5204, तेलंगाना सोना (आरएनआर-15048), केएनएम-1638, जय श्रीराम, एचएमटी, डब्ल्यूजीएल-962, डब्ल्यूजीएल-44 और जेजीएल-1798 जैसी आठ धान किस्में किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हो सकती हैं। इन किस्मों के चावल की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी मांग है, जिसके कारण किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से भी अधिक कीमत मिलने की संभावना है। विशेषज्ञों ने कहा कि ये किस्में विशेष रूप से निर्यात के लिए उपयुक्त हैं और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय देशों में तेलंगाना के चावल को अच्छी मांग प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इन

किस्मों के बीज बाजार में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, इसलिए इनके उत्पादन का विस्तार करना आसान होगा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों की आय बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से उन्हें सुरक्षित रखने के लिए इन आठ किस्मों की खेती को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इसके लिए गांव-गांव में विशेष जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने चाहिए।

बैठक में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में उत्पादित सभी प्रकार के महीन चावल को बाजार में समान मांग नहीं मिल रही है।

कुछ किस्मों में मिलिंग के दौरान टूटे हुए चावल (ब्रोकन राइस) की मात्रा अधिक निकलती है और वे उपभोक्ताओं की पसंद के अनुरूप भी नहीं हैं। इसी कारण मिलर और व्यापारी ऐसी किस्मों की खरीद में रुचि नहीं दिखाते। अधिकारियों ने सुझाव दिया कि भविष्य में केवल उन्हीं धान किस्मों को प्रोत्साहित किया जाए, जिन्हें उपभोक्ता, मिलर और व्यापारी पसंद करते हैं तथा जो निर्यात के लिए भी उपयुक्त हैं। मांग न रखने वाली किस्मों की खेती को धीरे-धीरे कम किया जाना चाहिए।

**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमें x@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

**निविदा सं.14_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.14_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026, बंद करने की तिथिः06-07-2026 के 15.00 बजे तक तत्संबंधित के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता (बिड्डर्स) अपने मूल /संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक, ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं. 1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एन-161बीबी- राष्ट्रीय राजमार्ग -एनएच (ओ) के तहत इपीसी पध्दति पर वार्षिक योजना 2021-22 के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में एनएच-161बीबी के 38/900 किमी से 95/300 किमी तक "बोधन—बासर—भैंसा सेक्शन" पर पक्की सडक या पेव्ड शोल्डर्स सहित 2 लेन का चौडीकरण कार्य। एनएच 161बीबी के किमी 61+569 पर फकीराबाद बायपास पर हैदराबाद डिवीजन के एससी-एमयुई सेक्शन पर बासर—नवीपेट स्टेशनों के बीच किमी 437/4-5 पर प्रस्तावित 4 लेन आरओबी का निर्माण कार्य। आरओबी किमी 61+569 के लिए, ड्राइन्ग नं. आरडीएसओ/बी-10415/आर सीरीज नुसार, 2X60.0एम हेतु बोसट्रिन्ग गिर्डर लान्चिंग के लिए इलेक्ट्रिक मास्ट का स्थानान्तरण या शिफ्टिंग करना—विद्युतीय टीआरडी व्यवस्थाएं।

निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.73,16,203.50 अग्रधन रु.1,46,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 06-07-2026

**वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in**

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद—500025

**वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हैदराबाद**

**निविदा सं.15_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.15_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026, बंद करने की तिथिः06-07-2026 के 15.00 बजे तक तत्संबंधित के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता (बिड्डर्स) अपने मूल /संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक, ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन- एसडबल्यू (।) एससी-एमयुइ सेक्शनः एचवायबी डिवीजन के एमयुइ-एससी सेक्शन पर डीएबी—बीएसएक्स स्टेशनों के बीच स्पैन 1X36.00 एम कम्पोजिट गिर्डर के रेलवे किमी 422/1-2 पर एलसी नं.180 के स्थान पर प्रस्तावित 2 लेन आरओबी का निर्माण कार्य। एसडबल्यू (।।) एचवायबी डिवीजनः धरमाबाद के पास आटकूर साइड रोड बायपास पर किमी 1+002.9 के एसएच/एमडीआर पर एमयुइ-एससी सेक्शन में केइके—डीएबी स्टेशनों के बीच स्पैन 1X36.00 एम कम्पोजिट गिर्डर के रेलवे किमी 418/0-1 पर प्रस्तावित 2 लेन आरओबी का निर्माण कार्य—डिपाजिट वर्क—विद्युतीय टीआरडी व्यवस्थाएं।

निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.49,94,524.40 अग्रधन रु.99,900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 06-07-2026

**वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in**

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु **नोटिस बोर्ड स्थानः** एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद—500025

**वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हैदराबाद**

**निविदा सं.17_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026 के प्रति निविदा सूचना**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.17_2026-27 _ एसआर.डीईई_ टीआरडी_एचवायबी, दि.13-06-2026, बंद करने की तिथिः06-07-2026 के 15.00 बजे तक तत्संबंधित के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता (बिड्डर्स) अपने मूल /संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक, ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-लालागुडा हाल्ट स्टेशन पर स्टैबलिन्ग लाइन्स का प्रावधान—विद्युतीय टीआरडी व्यवस्थाएं।

निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.3,44,72,980.50 अग्रधन रु.6,89,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 06-07-2026

**वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in**

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद—500025

ए443 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हैदराबाद**

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailway.gov.in पर जाएं।

**CLASSIFIEDS**

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, JAYA LAKSHMI DEVI is Mother of Army No 154884272K, Rank- DFR, AMAR PRUDHVI RAJ DASARI, residing at Vill & Po – Amaravathi, Tehsil- Amaravathi, Dist- Guntur, A. I have to change my name & Date of Birth from JAYA LAKSHMI DEVI (DOB: 40 Years) to DASARI JAYALAKSHMI (DOB: 01-01-1966) For all purpose vide affidavit dated : 15-06-2026.

I, LAKSHMI NARAYANA DASRI is Father of Army No 154884272K, Rank- DFR, AMAR PRUDHVI RAJ DASARI, residing at Vill & Po – Amaravathi, Tehsil- Amaravathi, Dist- Guntur, A. P. I have to change my name & Date of Birth from LAKSHMI NARAYANA DASRI (DOB: 45 Years) to DASARI LAKSHMINARAYANA (DOB: 01-01-1955)

**CHANGE OF NAME**

I, P. NARAYANAMMA is spouse of No-JC-335184F, Rank- SUB, Name- KUMARA NARASIMHA RAJU P, R/o. H.No-55-1-662, Vill- Desapatrunipalem, Po- Paravada, Teh- Paravada, Dist- Anakapalli, A.P, I have to change my Name from – P. NARAYANAMMA to PILLA NARAYANAMMA For all purpose vide affidavit dated : 15-06-2026.

I, Someswari Sowjanya, W/o, No. 14656836X, Hav, Marella Narasimhulu, R/o, Dist: Cuddapah, Andhra Pradesh, changed my name from Someswari Sowjanya to Marella Someswari Sowjanya, vide Affidavit No. BU 316151 dt. 12.06.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, Jyotirmayee Choudhury, W/o, JC 776988Y, Sub, Rajendra Panigrahi, R/o, Dist : Ganjam, Odisha, changed my name from Jyotirmayee Choudhury to Jyotirmayee Panigrahi, vide Affidavit No. BU 316144 dt. 12.06.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, JC 164290Y, Nb Sub, Vuppala Venkata Subba Rao, R/o, Dist: Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my Wife's name from Vuppala Lakshmi to V Laxmi vide Affidavit No 361805 dt. 28.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14656836X, Hav, Marella Narasimhulu, R/o, Dist: Cuddapah, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from M Jashweetha to Marella Jashweetha, vide Affidavit No. 467188 dt. 11.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , N Rajayyan, Father of JC 783099K, Nb Sub, RL Jalastin Raj, R/o, Dist: Kanyakumari, Tamil Nadu, Changed my name from N Rajayyan to Rajaiyan N , vide Affidavit No. 467189 dt. 11.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , J Leela Bai, Mother of JC 783099K, Nb Sub, RL Jalastin Raj, R/o, Dist: Kanyakumari, Tamil Nadu, changed my name from J Leela Bai to Leelabai G , vide Affidavit No. 467193 dt. 11.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# सचिवालय बीसी कर्मचारी कल्याण संघ का नवीन कार्यकारिणी गठन सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय बीसी कर्मचारी कल्याण संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध रूप से सम्पन्न हुआ। सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में चुनाव अधिकारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से निर्वाचन प्रमाणपत्र प्रदान किए। संगठन की एकता का परिचय देते हुए सभी प्रमुख पदों पर सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न होना विशेष उल्लेखनीय रहा। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर मंगदोड्डी श्रीनिवासुलु (एसओ, बीसी वेलफेयर), महासचिव पद पर टी. वेंकटरमण (एसओ, आईटी एवं कैड), तथा अतिरिक्त सचिव पद पर जी. श्रवण कुमार (एसओ, जीएडी) निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर उडुथा अशोक (जीएडी) तथा जी. लावण्यलता का चयन हुआ। संयुक्त सचिव के रूप में अंबटी वीरांजनयुलु , कुरपाटी आशाज्योति , कमतम तिरुपति तथा बी. रामगोपाल (विधानसभा) ने जिम्मेदारी संभाली। इसी प्रकार संगठन सचिव के रूप में बी. सैदुलु (वित्त), प्रचार सचिव के रूप में एस. रामलिंगय्या (जनजातीय कल्याण) तथा कोषाध्यक्ष के रूप में कादरी नवीन कुमार निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों के अनुरूप कार्य करने की शपथ ली।

उन्होंने कहा कि सचिवालय में बीसी कर्मचारियों के आत्मसम्मान की रक्षा, पदोन्नति एवं सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास किए जाएंगे तथा 2025 बैच के युवा कर्मचारियों को साथ लेकर संगठन को और मजबूत किया जाएगा। यह संयुक्त बयान अध्यक्ष मंगडोड्डी श्रीनिवासुलु एवं महासचिव वेंकटरमण द्वारा जारी किया गया।

# आदिवासी कांग्रेस निकालेगी विशेष बस यात्रा : महेश गौड़

## इंदिरा गांधी के योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा

## गांधी भवन में टीपीसीसी आदिवासी कांग्रेस की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण दिए जाने के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के योगदान को लोगों तक पहुंचाने के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की आदिवासी कांग्रेस राज्यव्यापी विशेष बस यात्रा आयोजित करेगी। इस संबंध में सोमवार को गांधी भवन स्थित इंदिरा भवन में आयोजित आदिवासी कांग्रेस की बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं एमएलसी शंकर नायक ने की, जबकि टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी बी. महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐतिहासिक रूप से आदिवासियों और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में उनका बचपन बीता, वहां 85 प्रतिशत आबादी लांबाड़ी समुदाय की थी, जिसके कारण उन्हें उनके जीवन और संघर्षों को करीब से समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि वर्ष 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने स्वयं लंबाड़ी समुदाय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अध्ययन किया था और उनके उत्थान के लिए आवश्यक कदम उठाए थे। ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक परिस्थितियों को समझने में इंदिरा गांधी हमेशा अग्रणी रहीं और आदिवासियों के पिछड़ेपन को पहचानते हुए उन्हें एसटी आरक्षण प्रदान कर उनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि आज आदिवासी समाज जिस तरह सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, उसमें इंदिरा गांधी के दूरदर्शी निर्णयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मूल विचारधारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के कल्याण पर आधारित है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी इसी विचारधारा के अनुरूप राज्य में जाति जनगणना कराने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। सामाजिक न्याय और समान अवसर कांग्रेस पार्टी की प्राथमिकता हैं और पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाना ही आलोचकों को सबसे प्रभावी जवाब है। गिरिजनों को आरक्षण दिए जाने के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित की जाने वाली बस यात्रा को सफल बनाने का आह्वान करते हुए महेश कुमार गौड़ ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक में बताया गया कि यह यात्रा राज्य के विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में निकाली जाएगी और कांग्रेस पार्टी द्वारा आदिवासी कल्याण के लिए किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

# रेजिमेंटल गौरव के सौ वर्ष पूरे करने वाले कर्नल के.एस. बख्शी को सेना का सलाम

## अधिकारियों और जवानों की नई पीढ़ियों को प्रशिक्षित किया

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना और महार रेजिमेंट ने पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल कंवर सैंन बख्शी, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) के 100वें जन्मदिवस पर उन्हें सम्मान अर्पित किया। 12 जून 1926 को लाहौर में जन्मे कर्नल बख्शी ने अपने जीवन का एक शताब्दी काल राष्ट्रसेवा, सैनिक नेतृत्व और रेजिमेंटल परंपराओं को समर्पित किया है।

वर्ष 1944 में सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले कर्नल बख्शी ने द्वितीय विश्व युद्ध, भारत की स्वतंत्रता तथा स्वतंत्रता के बाद के विभिन्न सैन्य अभियानों और युद्धों को निकट से देखा। स्वतंत्रता के बाद वे 3 महार बटालियन में शामिल हुए और वर्ष 1963 से 1966 तक 2 महार बटालियन राजाजीज़ ओन की कमान संभाली। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उन्होंने असल उत्तर की ऐतिहासिक लड़ाई में 2 महार का नेतृत्व किया। इस युद्ध में बटालियन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उसे असल उत्तर बैटल ऑनर तथा पंजाब थिएटर ऑनर प्राप्त हुआ। र्नल बख्शी का योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। महार रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट के रूप में उन्होंने रिकॉर्ड साढ़े सात वर्षों तक सेवा दी।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और जवानों की नई पीढ़ियों को प्रशिक्षित किया, रेजिमेंटल आधारभूत संरचना को मजबूत किया तथा वर्ष 1970 में तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि द्वारा महार रेजिमेंटल सेंटर और 14 बटालियनों को कलर्स प्रदान किए जाने जैसे ऐतिहासिक आयोजन का सफल नेतृत्व किया।

नके कार्यकाल में अनुसूया प्रसाद परेड ग्राउंड और युद्ध स्मारक जैसे महत्वपूर्ण रेजिमेंटल स्थलों का निर्माण भी हुआ। 1971 के युद्ध से पूर्व हजारों युवा सैनिकों के प्रशिक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। युद्ध के बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के धाना में देश के सबसे बड़े युद्धबंदी शिविरों में से एक की स्थापना और संचालन की जिम्मेदारी निभाई, जहां 15 हजार से अधिक युद्धबंदियों को रखा गया था। महार रेजिमेंट के इतिहास, परंपराओं और गौरवशाली विरासत के जीवंत प्रतीक माने जाने वाले कर्नल बख्शी आज भी अपनी असाधारण स्मरण शक्ति, अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी के सैनिकों को प्रेरित कर रहे हैं। इस अवसर पर महार रेजिमेंट के कर्नल ने कर्नल बख्शी को कर्तव्यनिष्ठा, रेजिमेंट के प्रति अटूट निष्ठा और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए भारतीय सेना और महार रेजिमेंट की ओर से उनका अभिनंदन किया। अपने जीवन के दूसरे शतक में प्रवेश कर रहे कर्नल कंवर सैंन बख्शी को भारतीय सेना ने एक महान सैनिक, कुशल नेता, प्रेरणादायी मार्गदर्शक और जीवित किंवदंती के रूप में सलाम किया।

# विवाहिता को परेशान कर शादी का दबाव बनाने का आरोप

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर पुलिस ने एक विवाहिता को कथित रूप से परेशान करने और उस पर पति को छोड़कर शादी करने का दबाव बनाने के आरोप में नागरकुर्नूल जिले के एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान डेगाराजू (25) के रूप में हुई है। उस पर आरोप है कि वह फिल्म नगर क्षेत्र में रहने वाली 24 वर्षीय विवाहिता को अशोभनीय संदेश भेजता था और बार-बार फोन कर परेशान करता था। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और अपनी शादी तोड़कर उससे विवाह करने का दबाव बना रहा था। उसने यह भी आरोप लगाया कि युवक कई बार उसका पीछा करता था और मना करने के बावजूद लगातार परेशान करता रहा। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित महिला ने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हत्याकांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शेख महबूब उर्फ मसूद चांदी की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या प्रेम विवाह को लेकर चल रहे विवाद के कारण की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेख जाहिद उर्फ सोहेल, जीशान नवाब उर्फ जाबेर, आमेर नवाब उर्फ लड्डु और नफीज सुल्ताना के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 12 जून को कुमारवाड़ी स्थित मसूद चांदी के

# राम मंदिर में चंदा चोरी विवाद

## सुप्रीम कोर्ट के वकील ने सीजेआई को चिट्ठी लिखकर स्वत: संज्ञान लेने की मांग उठाई

अयोध्या, 15 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला बढ़ता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के वकील अनूप अवस्थी ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखकर राम मंदिर चंदा चोरी मामले का स्वसंज्ञान लेने की मांग की है। अवस्थी ने मांग करते हुए कहा है कि इस मामले में पहले एफआईआर दर्ज हो, फिर कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच हो। पत्र में कहा गया है कि लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए एफआईआर दर्ज कर और कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए निर्देश जारी किया जाए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सबसे पहले राम मंदिर चंदा चोरी का मुद्दा उठाया था। उसके बाद कई राजनेताओं ने इस पर सवाल पूछे। विवाद के बाद पूरे मामले की जांच के विशेष जांच समिति का गठन किया गया है। इस पूरे मामले में अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद का कहना है कि यह घोटाला नहीं डकैती है। प्रभु श्री राम मंदिर में लोगों की आस्था और चढ़ावे की लूटपाट की गई है। यह देश की सबसे बड़ी डकैती है। हमारे नेता अखिलेश यादव की ओर से इस बात का खुलासा किया गया है।

**सुप्रीम कोर्ट बनाए एसआईटी: अवधेश प्रसाद**

अवधेश प्रसाद ने कहा कि पहले लीपापोती की गई, सरकार की ओर से भी चुप्पी रही। अब घोटाले की बात सामने आई है। इस परिस्थिति में ट्रस्ट को सस्पेंड कर देना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में एक कमेटी गठित कर जांच की जाए। सुप्रीम कोर्ट की ओर से बड़े-बड़े मामले हल किए गए हैं। इस मामले के लिए भी सुप्रीम के दिशा-निर्देश में एक कमेटी गठित की जाए, तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो पाएगा। यूपी सरकार की ओर से एसआईटी बनाए जाने को लेकर अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह बड़ा मामला है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश में एक कमेटी बनाई जाएगी, तभी परत दर परत मामले का खुलासा होगा।

जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी कांग्रेस वही, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि इस मामले में दो-तीन दिनों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। अयोध्या में लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसको पूरा देश देख रहा है। मुझे लगता है कि देश माफ नहीं करने वाला है।

**24 घंटे के भीतर एसआईटी का गठन किया: नृपेंद्र मिश्रा**

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने 24 घंटे से भी कम समय में जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। एसआईटी में बहुत वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए गए हैं। इसमें एक डिविजनल कमिश्नर और आईजी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं, जिनके बारे में मुझे बताया गया है कि उन्हें सीबीआई में काम करने का लंबा अनुभव है।

# रौशन आनंद का दावा– भाई को खान सर ने मरवाया

## खान सर बोले– बीमारी से नेपाल में मौत हुई, अंतिम संस्कार हुआ

पटना, 15 जून (एजेंसियां)। पटना के ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद ने फैजल खान उर्फ खान सर पर भाई की हत्या करवाने का आरोप लगाया है। रौशन आनंद ने सोमवार को कहा- खान सर और किसान कोल्ड स्टोर के मालिक आर एस प्रसाद ने मिलकर मेरे भाई प्रिंस की हत्या की है।

रौशन आनंद को खान सर की कोचिंग पर पथराव मामले मे सोमवार को पटना सिविल कोर्ट से जमानत मिली है। इसके बाद वह बेऊर जेल से बाहर निकले और प्रिंस के अंतिम संस्कार में शामिल होने सहरसा के लिए रवाना हो गए। रौशन आनंद ने कहा, मैं बाहर था तो क्यों उसकी हत्या नहीं हुई। मेरे जेल में जाते ही उसकी साजिश के तहत उसे मरवाया गया। फैजन खान बहुत झूठ बोलता है। पहले कह रहा था गोली हमने चलाई। वीडियो सामने आया कि उसने ही गोली चलवाई।

रविवार को नेपाल के विराटनगर के एक होटल में रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव लाश मिली थी। प्रिंस की आंख पर चोट के निशान थे। आज सहरसा में प्रिंस का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इधर, खान सर का कहना है कि प्रिंस की हत्या नहीं हुई है, वह पहले से बीमार था।

रौशन आनंद को 3 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 12 दिन बाद उन्हें जमानत मिली है। 2 जून को खान सर कोचिंग में हुए हमले के बाद दर्ज एफआईआर में प्रिंस भी नामजद आरोपी था।

रौशन आनंद के वकील रमाकांत शर्मा के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, "दोनों टीचर हैं, हेल्दी कम्पीटिशन करें, क्रिमिनल एक्टिविटी में इन्वॉल्व न हों। गुरु हैं, गुरु की तरह व्यवहार करें।"

रौशन आनंद के वकील रमाकांत शर्मा ने बताया, "हमने कोर्ट में कहा अगर इस एफआईआर को एक्सेप्ट भी किया जाए तो रौशन आनंद इस घटना में शामिल नहीं हैं। हमपर षडयंत्र का आरोप है तो खान के बॉडीगार्ड के फायरिंग की बात क्यों छिपाई गई।

खान सर बोले- प्रिंस पहले से बीमार था, उसे किसी ने नहीं मारा वहीं, रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर खान सर ने अपना एक भावुक वीडियो मैसेज जारी कर दुख जताया है। उन्होंने सफाई दी- "उसको किसी ने नहीं मारा। वो हम लोगों का करीबी दोस्त था, हम लोग क्यों करेंगे ऐसा। किसी अन्य ने भी उसको नहीं मारा। वो पहले से बीमार था।"

खान सर वीडियो में एक न्यूज क्लिप दिखाया, जिसमें प्रिंस यादव के दोस्त यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि प्रिंस का पहले से दवाई चलता था। उसको दो बार अटैक आ चुका है।

प्रिंस के दोस्त इस वीडियो क्लिप में कहते हैं, "उसे किसी ने कुछ नहीं किया है। 2-3 दिन से वो ठीक से सो नहीं रहा था। कल भी हम लोग देखे कि सो रहा है तो हम लोगों को लगा कि चलो अब वो सो रहा है। धीरे-धीरे वो लंबा सांस लेने लगा। उसके बाद हम लोग एंबुलेंस मंगवाए और उसको अस्पताल लेकर आए।

## तमिलनाडु में 3 साल की बच्ची से रेप, मौत

### बिहार का आरोपी गिरफ्तार बिस्किट देने के बहाने ले गया था आरोपी, परिजन का हंगामा

पटना, 15 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्ची रविवार से लापता थी। सोमवार को वह झाड़ियों में गंभीर हालत में मिली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 19 साल के विबिन मंच के तौर पर हुई है, जो तिरुवल्लूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है।

स्थायीन लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# पल्लवी पटेल बोलीं– गेट खोलो, मुझे पैनिक अटैक पड़ता है

## काशी में पुलिस से नोकझोंक, पेपर लीक के विरोध में 100 समर्थकों के साथ गिरफ्तार

वाराणसी, 15 जून (एजेंसियां)। अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष पल्लवी पटेल और उनके करीब 100 समर्थकों को वाराणसी में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पल्लवी पटेल सोमवार को नीट पेपर लीक समेत अन्य मुद्दों को लेकर बीएचयू गेट पर प्रदर्शन कर रही थीं।

इसके बाद पीएम मोदी के संसदीय कार्यालय तक मार्च करने वाली थीं। लेकिन पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति न लेने का हवाला देते हुए सभी को वैन में भर दिया। इस दौरान पल्लवी पटेल की सांस फूलने लगी। तब चीखते हुए उन्होंने कहा, 'वैन का गेट खोलो, मुझे पैनिक अटैक पड़ता है।' इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। पल्लवी पटेल ने नीट पेपर लीक की जांच न्यायिक अधिकारियों की देखरेख में सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा, पेपर लीक व धांधली में लिप्त लोगों का नाम सार्वजनिक करना चाहिए। एनटीए और अन्य परीक्षा नियंत्रक अधिकारियों पर रासुका की कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा जाए। पल्लवी पटेल ने उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा में धांधली के आरोपों के मद्देनजर फिर से परीक्षा कराने, यूपीएसआई पारदर्शी परीक्षा की गारंटी के लिए स्कोरकार्ड तत्काल जारी करने की मांग की। हिरासत में लिए जाने से पहले पल्लवी पटेल ने कहा- मोदी, योगी की डबल इंजन की सरकार पाकिस्तान, कब्रिस्तान और मुसलमान की राजनीति से बाहर निकले। शिक्षा, रोजगार व लोकतंत्र को मजबूत करने वाली राजनीति की ओर बढ़े। युवाओं की बेरोजगारी, रोजगार के नाम पर अवसरों की लूट और शिक्षा व परीक्षा की धांधली अब उन्हें क्रांति की ओर उद्वेलित कर रही है। युवा वर्ग इस सरकार से नाराज है।

प्रदर्शनकारियों ने बीएचयू के लंका गेट से 2 किलोमीटर दूर प्रधानमंत्री जनसंपर्क कार्यालय तक मार्च निकालने की तैयारी की थी। प्रशासन ने प्रस्तावित मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया। प्रदर्शन से पहले कई संगठनों के पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया गया था। प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा, प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के लिए प्रशासन से अनुमति नहीं ली गई थी। प्रदर्शन में पल्लवी पटेल के वाराणसी आने की सूचना पर जिले के बॉर्डर और टोल प्लाजा पर संबंधित जिलों की पुलिस तैनात रही।

# सीजेआई ने पूछा-दीपक प्रकाश अभी भी मंत्री हैं क्या?

## सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश, बिहार सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस भेजा

पटना, 15 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की नियुक्ति को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा कि क्या दीपक प्रकाश अभी भी मंत्री पद पर बने हुए हैं। याचिकाकर्ता ने बताया कि दीपक प्रकाश अब भी मंत्री पद पर बने हैं।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश, बिहार सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस भेजा गया है। सभी से मामले को लेकर जवाब मांगा गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि दीपक प्रकाश विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं हैं, फिर भी उन्हें लगातार दूसरी बार मंत्री बनाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह संविधान की भावना और लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है।

बिहार के राकेश कुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर दीपक प्रकाश की मंत्री पद पर नियुक्ति को चुनौती दी है। उन्होंने अदालत से 'क्वो वारंटो' (अधिकार-पृच्छा) रिट जारी करने की मांग की है। इसका मतलब है कि अदालत यह जांच करे कि दीपक प्रकाश किस संवैधानिक अधिकार के आधार पर मंत्री पद पर बने हुए हैं।

याचिका के अनुसार दीपक प्रकाश को पहली बार नवंबर 2025 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में पंचायती राज मंत्री बनाया गया था। उस समय वे विधानसभा या विधान परिषद, किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे।

संविधान के मुताबिक, किसी गैर-विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है, लेकिन उसे छह महीने के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी होता है।

याचिका में कहा गया है कि यह अवधि पूरी होने से पहले बिहार में मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हुआ और 7 मई 2026 को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी नई सरकार में दीपक प्रकाश को फिर से मंत्री पद की शपथ दिला दी गई।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि सरकार ने इसी प्रक्रिया के जरिए छह महीने की संवैधानिक सीमा को दरकिनार करने की कोशिश की है।

**संविधान क्या कहता है?**

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 164(4) कहता है कि यदि कोई व्यक्ति विधायक या विधान पार्षद नहीं है, तब भी उसे मंत्री बनाया जा सकता है। लेकिन इसके लिए एक महत्वपूर्ण शर्त है।

ऐसे व्यक्ति को मंत्री बनने के बाद छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना अनिवार्य होता है। यदि वह ऐसा नहीं कर पाता है तो उसे मंत्री पद छोड़ना पड़ता है।

याचिका में कहा गया है कि दीपक प्रकाश छह महीने के भीतर किसी भी सदन के सदस्य नहीं बन सके। हाल ही में हुए विधान परिषद चुनावों में भी उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया गया था।

# चाइनीज मांझे से मंत्री के भतीजे की गर्दन कटी

## हालत नाजुक देख मंत्री भड़के, बोले– बैन के बाद कैसे बिक रहा

बरेली, 15 जून (एजेंसियां)। बरेली में चाइनीज मांझे से गन्ना राज्यमंत्री के 15 साल के भतीजे की गर्दन कट गई। वह स्कूटी से घर जा रहा था। फ्लाईओवर पर अचानक चाइनीज मांझा उसकी गर्दन से लिपट गया। जब तक वह कुछ समझ पाता, तब तक गर्दन का काफी हिस्सा कट गया।

आदित्य वीर सिंह गंगवार स्कूटी के साथ सड़क पर गिर गया। पूरा शरीर खून से लथपथ हो गया। आसपास के लोग उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए। परिवार को सूचना दी गई। घटना सोमवार सुबह 6 बजे हुई। सूचना मिलते ही मंत्री अस्पताल पहुंचे और भतीजे की हालत देखकर भड़क गए। कहा- प्रतिबंध के बावजूद मांझा कैसे बिक रहा? डीएम-एसएसपी दोनों को बुलाकर बात करूंगा।

आदित्य वीर सिंह के पिता अजय सिंह गंगवार पीलीभीत के ललौरी खेड़ा ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख हैं। मां सीमा गंगवार बरेली में रेलवे में अफसर हैं। जबकि गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार चाचा हैं। आदित्य परिवार में इकलौता बेटा है। एक छोटी बहन है। हादसा बरेली शहर में बीचों-बीच श्यामगंज फ्लाईओवर पर हुआ।

स्टेडियम जाते वक्त हुआ हादसा आदित्यवीर का परिवार मूलरूप से पीलीभीत का रहने वाला है। हालांकि, बरेली के प्रेमनगर में भी उनका घर है। आदित्यवीर कक्षा 9 में पढ़ता है। आदित्य का ईशान अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, उसकी हालत अभी चिंताजनक है।

अस्पताल पहुंचे मंत्री संजय गंगवार ने कहा- मेरा भतीजा आदित्य वीर सुबह घर से स्टेडियम जा रहा था। रास्ते में चाइनीज मांझे से उसका गला आगे से पीछे तक कट गया। उसकी एक उंगली भी पूरी तरह कट गई है। अभी वह ओटी में था। मैं देखकर आया हूं, उसकी हालत अभी नाजुक है। मंत्री ने कहा- चाइनीज मांझे पर सरकार प्रतिबंध लगा चुकी है। इसके बावजूद बाजार में इसकी बिक्री होना गंभीर है। डीएम-एसएसपी दोनों को बुलाकर बात करूंगा।

# साधु का हत्यारोपी इसराइल एनकाउंटर में ढेर

## लाउडस्पीकर से भजन बजाने पर की थी हत्या, 1 लाख का इनामी था

उन्नाव, 15 जून (एजेंसियां)। उन्नाव में साधु राममिलन दास उर्फ बाबा मिलन दास सिंह (45) हत्याकांड का मुख्य आरोपी इसराइल एनकाउंटर में ढेर हो गया। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि इसराइल ने 9 जून को 4 साथियों के साथ मिलकर बाबा मिलन की हत्या की थी।

साधु के भाई ने दावा किया था कि राममिलन शिव मंदिर में लाउडस्पीकर लगाकर भजन बजाते थे, जिससे आरोपी नाराज थे। इसी कारण विवाद हुआ और आरोपियों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद से इसराइल फरार था।

सोमवार तड़के 3:40 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी की घेराबंदी की। खुद को घिरता देखकर उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में 36 साल का इसराइल मारा गया। मुठभेड़ ताजपुर इलाके में हुई।

2 दिन पहले इसराइल पर एसपी ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। कल यानी रविवार को उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने घटना पर कहा था कि अगर आरोपी सरेंडर नहीं करेगा तो एनकाउंटर होगा ही।

एसपी जयप्रकाश ने बताया कि तड़के 3:40 बजे सूचना मिली कि एक लाख का इनामी इसराइल उर्फ इजराइल ताजपुर अंडरपास के पास है। वह किसी साथी का इंतजार कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस और एसओजी टीम ने घेराबंदी की। पुलिस ने आरोपी को सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन उसने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से एसओजी सिपाही विकास भदौरिया घायल हो गया। दरोगा न्यूटन कुमार सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। वह बाल-बाल बच गए। इसके बाद टीम ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी को गोली लग गई। पुलिस उसे बांगरमऊ सीएचसी(सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, दो खोखा कारतूस और एक चाकू बरामद किया गया।

# मेरठ में 2 घंटे तक झमाझम बारिश

## यूपी के 32 जिलों में आंधी–बारिश का अलर्ट पारा 41सी

वाराणसी, लखनऊ, 15 जून (एजेंसियां)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने सोमवार को 32 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। 50-60 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। सुबह ज्यादातर जिलों में हल्की धूप है। जबकि पश्चिमी यूपी में गाजियाबाद-मेरठ में बादल छाए हुए हैं। वहीं मेरठ के मवाना में सुबह अचानक मौसम बदल गया और 2 घंटे तक बारिश शुरू हुई।

रविवार की बात करें तो जालौन 41 डिग्री के साथ सबसे गर्म शहर रहा। गर्मी का असर जानवरों पर भी देखने को मिल रहा है। गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथियों को आइसक्रीम खिलाई गई।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- हरियाणा के आसपास पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव है। इसके चलते प्री-मानसून की बारिश हो रही है। 17 से 20 जून के बीच मानसून यूपी में सोनभद्र और ललितपुर के रास्ते एंट्री कर सकता है। अभी मानसून बिहार तक पहुंच चुका है।

**16 जून:** पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। हवा में नमी की वजह से गर्मी से कुछ राहत मिलेगी।

**17 जून:** यूपी में मौसम साफ रहेगा। तेज हवाएं चलेंगी। बादलों की आवाजाही के कारण कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

**18 जून:** पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

**19 जून:** पूरे प्रदेश में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं तूफान भी आ सकता है।

# तेज प्रताप ने भी अपनी सुरक्षा वापस कर दी

पटना, 15 जून (एजेंसियां)। तेज प्रताप यादव अब पूरी तरह 'परिवार' के साथ दिखने लगे हैं। उन्होंने भी अपनी सुरक्षा वापस कर दी। वैसे, तेज प्रताप की सिक्योरिटी में सिर्फ एक सिपाही की तैनाती थी। राष्ट्रीय जनता दल के चीफ और लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी अलग पार्टी जनशक्ति जनता दल चलाते हैं। उन्होंने अपनी सरकारी सुरक्षा व्यवस्था बिहार सरकार को वापस कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तेज प्रताप ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। तेज प्रताप ने कहा कि बिहार से बाहर रहने के दौरान उन्हें यह सुरक्षा मिली हुई थी, लेकिन अब राज्य में लौटने के बाद उन्होंने इसे स्वेच्छा से छोड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को टैग किया और कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष के नेताओं की सुरक्षा करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है।

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री तेज प्रताप यादव जी ने अपनी सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं वापस कर दी हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला पहले से ही बिहार सरकार के संज्ञान में था।

# ओवैसी बोले-बीजेपी को रोकने के लिए गठबंधन को तैयार हूं

## गेंद अखिलेश के पाले में डाली, मुस्लिम सपा के साथ सवाल पर भड़के, बोले– ये बकवास है

बहराइच, 15 जून (एजेंसियां)। यूपी में चुनावी हलचल शुरू हो चुकी है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बहराइच से चुनावी अभियान की न सिर्फ शुरुआत की, बल्कि पहले प्रत्याशी का भी ऐलान कर दिया।

ओवैसी ने भाजपा को हराने के लिए गठबंधन की बात करके भाजपा विरोधी खेमे में खलबली मचा दी। गठबंधन सपा से करेंगे या बसपा से? इसे लेकर फिलहाल उन्होंने कुछ नहीं कहा है। सोमवार को लखनऊ में ओवैसी ने कहा- हमारी पार्टी यूपी में भाजपा को रोकने के लिए गठबंधन को तैयार है, बशर्ते गठबंधन में हमें इज्जत की निगाह से देखा जाए। बराबरी का रुतबा दिया जाए। हम पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। हमारे प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुस्लिम वोटों के सपा के साथ होने के सवाल पर ओवैसी नाराज हो गए, कहा-कोई किसी के साथ नहीं है। एआईएमआईएम पार्टी मजबूती के साथ उभरी है। जो लोग इस तरह की बकवास कर रहे हैं, उन्हें अंदाजा हो जाएगा।

एक्सपर्ट बोले- ओवैसी ब्लैकमेलिंग की राजनीति कर रहे सीनियर जर्नलिस्ट राजेंद्र कुमार कहते हैं- यूपी में 2022 में भी 95 सीटों पर एआईएमआईएम चुनाव लड़ी थी। इस चुनाव में उसे 4 लाख 50 हजार 900 वोट मिले थे। सभी सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी। ओवैसी भले ही एक भी सीट नहीं जीत सके हों, लेकिन कई सीटों पर सपा प्रत्याशी की हार का अंतर एआईएमआईएम को मिले वोटों से कम था। यानी मुस्लिम वोटों का बंटवारा नहीं हुआ होता तो कई सीटें ऐसी थीं, जहां सपा को जीत हासिल हो सकती थी। ओवैसी गठबंधन में बराबरी के रुतबे की बात कर रहे हैं, यानी सीधे तौर पर वे 200 सीटों की दावेदारी ठोंक रहे हैं, जो किसी हाल में नहीं मिलने वाली।

# बिहार से अपराधी बनारस भाग रहे, वहां बाबा ढूंढ रहे

## सीएम बोले– राज्य का पूरा कचरा साफ कर के गंगाजी में विसर्जित कर दूंगा

गयाजी, 15 जून (एजेंसियां)। भोजपुर में सीएम ने अपराधियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, बिहार के अपराधी अब डर के बनारस भाग रहे हैं। वहां बाबा उन्हें ढूंढ रहे हैं। मैं बिहार का पूरा कचरा साफ कर के गंगाजी में विसर्जित कर दूंगा।

इससे पहले गयाजी में सीएम सम्राट चौधरी ने कोचिंग सेंटर्स को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने मॉडल स्कूलों में व्यवस्थाओं का जिक्र करते हुए कहा, इन स्कूलों में ऐसी व्यवस्था करने जा रहे हैं जिससे बिहार के सारे कोचिंग सेंटर्स बंद हो जाएं।

सीएम ने अफसरों से कहा, अपराधियों का गयाजी में पिंडदान कर दो। मुख्यमंत्री ने तेजस्वी का बिना नाम लिए पलटवार भी किया।

मुख्यमंत्री ने बाहर रह रहे बिहार के लोगों से लौटने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आइए यहां उद्योग, धंधे शुरू कीजिए। हम आपका इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार को अतरी विधानसभा के देवगांव में एमएसएमई की ओर से 170 करोड़ की लागत से बनने वाले 'टेक्नोलॉजी सेंटर' का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। जहां उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

# 24 दिन से जंगलों में आतंकियों की तलाश

## > जंगल में झाड़ियां इतनी घनी कि जमीन न दिखे, फिर भी मोर्चे पर डटे जांबाज

राजोरी, 15 जून (एजेंसियां)। राजोरी के दुर्गम पहाड़ों और घने जंगलों में आतंकवाद के खिलाफ सेना का महाअभियान जारी है। खड़ी चढ़ाई, गहरी खाइयों और रास्ता रोकने वाली झाड़ियों की बाधाओं को चीरते हुए सुरक्षाबल दिन-रात आतंकियों की तलाश में जुटे हैं। सोमवार यानी आज 24वें दिन में प्रवेश कर चुका ऑपरेशन शेरूवाली अब राजोरी के गंभीर मुगला और डोरिमल क्षेत्र में सबसे लंबा और चुनौतीपूर्ण आतंकवाद-रोधी अभियान बन गया है। रविवार को भी सुरक्षाबल आतंकियों की तलाश करते रहे।

ऑपरेशन शेरूवाली 23 मई 2026 को शुरू हुआ था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, आतंकियों की मौजूदगी संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू किए गए इस अभियान में जंगलों के विशाल क्षेत्र को घेरे में लेकर लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। घने जंगलों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी, अतिरिक्त निगरानी और पूरे इलाके में दबदबा (एरिया डोमिनेशन) बनाने के हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। इस ऑपरेशन की तुलना वर्ष 2021 में के जंगल में चले लंबे आतंकरोधी अभियान से की जा रही है जो अक्तूबर 2021 में तीन सप्ताह तक चला था। सुरक्षाबलों ने आठ किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र में अभियान चलाया था। ऑपरेशन शेरूवाली में जवान लगातार कठिन

भौगोलिक परिस्थितियों, मौसम की चुनौतियों और संभावित सुरक्षा खतरों का सामना कर रहे हैं। ऑपरेशन के दौरान लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी बलिदान हो चुके हैं। इसके बावजूद सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में अपना दबाव बनाए रखा है और अभियान को निर्णायक परिणाम तक पहुंपुंछ जिले के भाटादूड़ियां चाने के लिए तलाशी जारी रखी है। आतंकियों की तलाश में अतिरिक्त सुरक्षाबल लगाए गए हैं। खोजी कुत्तों और ड्रोन से भी तलाशी ली जा ही है।

**आतंकी किधर से भाग निकलें... अंदाजा नहीं लगाया जा सकता**

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि डोरिमल और गंभीर मुगला का क्षेत्र राजोरी, मंजाकोट, थन्नामंडी, दरहाल और इसके आगे पुंछ की ओर जाने वाले कई वन मार्गों से जुड़ा है। यदि सुरक्षा घेरा पूरी तरह प्रभावी न हो तो आतंकी घने जंगलों की आड़ में दूसरे इलाकों की ओर बच निकलने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में सुरक्षाबलों ने बहुस्तरीय घेराबंदी, निगरानी उपकरणों और अतिरिक्त जवानों की तैनाती के जरिए ऐसे संभावित रास्तों पर विशेष नजर रखी है। इसके बावजूद आतंकियों के कहीं और भाग जाने से पूरी तरह से इन्कार नहीं किया जा सकता।

**स्थानीय समर्थन के बिना लंबे समय तक छिपना मुश्किल**

सुरक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि किसी भी आतंकी समूह के लिए इतने लंबे समय तक घने जंगलों में लगातार छिपे रहना आसान नहीं होता। भोजन, दवाइयों व अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण होती है। इन आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। ये जांच भी की जा रही है कि आतंकियों को कहीं से रसद और पानी तो नहीं मिल रहा है। अतीत में कई अभियानों में सुरक्षा एजेंसियां ओजीडब्ल्यू नेटवर्क का खुलासा कर चुकी हैं जो आतंकियों तक भोजन, सूचनाएं या अन्य मदद पहुंचाते रहे हैं। हालांकि, ऑपरेशन शेरूवाली में किसी स्थानीय सहायता नेटवर्क की भूमिका अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

**इसलिए कठिन है ये ऑपरेशन**

डोरिमल और गंभीर मुगला के जंगल राजोरी जिले के सबसे दुर्गम और घने वन क्षेत्रों में गिने जाते हैं। यहां घने चीड़ और मिश्रित वन के बीच संकरे पहाड़ी रास्ते हैं। अनेक प्राकृतिक गुफाएं हैं। कई स्थानों पर दृश्यता बेहद सीमित रहती है। इससे सुरक्षाबलों को तलाशी अभियान चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वन क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते हैं। घने पेड़ों और झाड़ियों के कारण दिन में भी निगरानी चुनौतीपूर्ण रहती है। रात में कठिनाई अधिक बढ़ जाती है।

# री-नीट प्रश्नपत्र के नाम पर 1000 छात्रों से ठगी

## > गुजरात पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

अहमदाबाद, 15 जून (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस की अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है और राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने टेलीग्राम और सोशल मीडिया के जरिए री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर 1,000 से अधिक छात्रों और उनके अभिभावकों से करोड़ों रुपये की ठगी की।

साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2), 54 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह दावा कर रहे थे कि उनके पास 21 जून को होने वाली री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र और गोपनीय जानकारी मौजूद है। जांच के दौरान पुलिस ने राजस्थान के सुमेर सिंह मीणा और आकाश मीणा को गिरफ्तार किया। सुमेर सिंह इलेक्ट्रॉनिक्स में आईटीआई पास है और जयपुर में रहता है, जबकि आकाश मीणा

अंग्रेजी और हिंदी में बीए स्नातक है तथा उसे कोटा से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कई टेलीग्राम चैनल और ग्रुप बनाकर छात्रों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का लालच दिया। इसके बदले ऑनलाइन पेमेंट, क्यूआर कोड और बैंक खातों के जरिए अग्रिम रकम वसूली जाती थी।

अहमदाबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल ने स्पष्ट किया कि री-नीट परीक्षा का कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि आरोपी केवल फर्जी दावे कर छात्रों और अभिभावकों से पैसे वसूल रहे थे और भुगतान मिलने के बाद गायब हो जाते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह टेलीग्राम चैनलों पर फर्जी सदस्य और प्रीमियम सदस्य जोड़कर उन्हें विश्वसनीय दिखाता था। गिरोह के सदस्य खुद ही चैनलों में संदेश पोस्ट कर दावा करते थे कि पिछले वर्ष उनका पेपर 80 प्रतिशत तक सही निकला था, जिससे लोग उनके झांसे में आ जाते थे।

जांच के दौरान आरोपियों के पास से कोई भी नीट या अन्य परीक्षा से जुड़ा गोपनीय अध्ययन सामग्री या प्रश्नपत्र बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि दोनों निवेश के नाम पर भी टेलीग्राम ग्रुपों के जरिए साइबर ठगी में शामिल थे और लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर पैसे निवेश कराने के लिए उकसाते थे।

# भांजा दामाद संग रह रही महिला का खून से लथपथ शव मिला

**पति ने लगीया हत्या का आरोप; सुसाइड नोट में ये लिखा**

सागर, 15 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। मकरोनिया थाना क्षेत्र के दीनदयाल नगर में 35 वर्षीय महिला का खून से लथपथ शव उसके किराए के मकान के किचन में मिला है। मृतका करीब डेढ़ साल पहले अपने पति को छोड़कर अपने ही रिश्ते के भांजा दामाद के साथ लिव-इन में रह रही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान सोनाली पटेल (35) के रूप में हुई है। शनिवार रात उसके भांजा दामाद सुंदर पटेल ने पुलिस को घटना की सूचना दी थी। जब पुलिस दीनदयाल नगर स्थित मकान में दाखिल हुई, तो किचन का नजारा खौफनाक था। सोनाली का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था और पास ही एक रस्सी पड़ी थी। मृतका के हाथ-पैर में कांच से कटे होने के गहरे निशान थे, जिससे काफी खून बहा था। इसके अलावा सिर पर भी चोट के निशान पाए गए हैं। पूछताछ में सुंदर पटेल ने बताया कि सोनाली उसके साथ इस मकान में किराए से रह रही थी, जबकि इससे पहले वे किसी अन्य इलाके में रह रहे थे। रविवार को मृतका के पति खरगराम पटेल और परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

# मोहन भागवत के कार्यक्रम में पहुंचे कुलपति

## केरल में छिड़ा सियासी संग्राम; भाजपा और यूडीएफ आमने-सामने

तिरुवनंतपुरम, 15 जून (एजेंसियां)। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम में तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की मौजूदगी को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। तिरुवनंतपुरम में आयोजित आरएसएस के शताब्दी कार्यक्रम में केरल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपतियों के शामिल होने के बाद भाजपा और कांग्रेस नीत यूडीएफ के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है।

सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक मंचों तक इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। विपक्षी नेताओं और सरकार के मंत्रियों ने कुलपतियों की मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं, जबकि भाजपा नेताओं ने इसका खुलकर बचाव किया है। इससे राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपति

तिरुवनंतपुरम में आयोजित आरएसएस के शताब्दी समारोह में पहुंचे, जहां मोहन भागवत ने संबोधन दिया। कांग्रेस नीत यूडीएफ नेताओं ने इसे विश्वविद्यालयों की निष्पक्षता और धर्मनिरपेक्ष चरित्र के खिलाफ बताया। उनका कहना है कि कुलपति जैसे संवैधानिक और शैक्षणिक पदों पर बैठे लोगों को किसी वैचारिक संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने से बचना चाहिए। यूडीएफ नेताओं ने इसे गंभीर चूक बताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी की है। इस मुद्दे ने देखते ही देखते राजनीतिक रंग ले लिया और सोशल मीडिया पर भी तीखी बहस शुरू हो गई।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कुलपतियों की मौजूदगी का बचाव करते हुए कहा कि आरएसएस देश की एक महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक शक्ति है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल तीन कुलपति ही नहीं, भविष्य में अन्य कुलपति भी ऐसे कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी कहा कि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुलपतियों को निशाना बनाना उचित नहीं है। भाजपा नेताओं का तर्क है कि किसी कार्यक्रम में भाग लेना व्यक्तिगत और सार्वजनिक दायरे का विषय है, इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।

# डॉग फूड पैकेट में रेंग रहे थे कीड़े, महिला को मिला 10 हजार का मुआवजा

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। डॉग फूड पैक में कीड़े पाए जाने पर अदालत ने एक महिला को मुआवजा देने का आदेश दिया। कुत्ते के लिए खरीदे गए एक फूड पैकेट के अंदर जीवित कीड़े मिलने पर विवाद खड़ा हो गया। चंडीगढ़ के उपभोक्ता आयोग ने निर्माता को खराब पेट फूड बेचने के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए, ड्रूल्स पेट फूड को मुआवजे के तौर पर 10 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। उपभोक्ता निकाय एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसने अपने पालतू जानवर के लिए पैकेटबंद भोजन खरीदा था लेकिन दावा किया कि फूड में कीड़े थे और इसके लिए मुआवजे की मांग की थी। अध्यक्ष अमरिंदर सिंह सिद्धू और सदस्य बृज मोहन शर्मा की पीठ ने कंपनी के इस तर्क को खारिज कर दिया कि शिकायतकर्ता अपने पालतू जानवर से संबंधित कोई मेडिकल स्लिप पेश करने में फेल हुई।

अदालत ने पाया कि मामला बेचे गए प्रोडक्ट की क्वालिटी से संबंधित है न कि जानवर को हुए किसी नुकसान से। आदेश में कहा गया, "उपरोक्त चर्चा को देखते हुए, यह मानना है कि ओपी (ड्रूल्स पेट फूड) पालतू जानवरों के लिए बने खराब खाद्य उत्पाद को बेचकर लापरवाही बरत रहा था और सेवा में कमी और अनुचित व्यापार का दोषी था।" शिकायतकर्ता ने अपने सात साल पालतू लैब्राडोर कुत्ते के लिए 4 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ के एक स्टोर से ड्रूल्स एब्सोल्यूट कैल्शियम (सॉसेज) और कुछ अन्य पालतू जानवरों के सामान खरीदे थे।

## बठिंडा में जासूसी कैमरा नेटवर्क का पर्दाफाश

# सेना की गतिविधियों पर रखी जा रही थी नजर, दो आरोपी गिरफ्तार

बठिंडा, 15 जून (एजेंसियां)। बठिंडा पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े संदिग्ध जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि आरोपियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील इलाके में बिना अनुमति सोलर पावर आधारित खुफिया कैमरा लगाकर सेना, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रखी और उसकी फुटेज पाकिस्तान तथा कनाडा में बैठे देश विरोधी तत्वों और एजेंटों तक पहुंचाई। मामले में दो अन्य आरोपियों की पहचान भी हो चुकी है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

**नौ जून को दर्ज हुआ था केस**

पुलिस के अनुसार यह मामला थाना थर्मल बठिंडा में नौ जून को दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता कानून और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य हाईवे बठिंडा-मलोट रोड पर अंबुजा फैक्टरी के सामने सरकारी बिजली के खंभों पर मार्च के दौरान एक सोलर पावर कैमरा लगाया गया था। इस कैमरे में सक्रिय सिम कार्ड लगा हुआ था, जिसके जरिए लाइव निगरानी की जा रही थी।

**सेना की मूवमेंट पर थी नजर**

जांच एजेंसियों को आशंका है कि कैमरे का मुख्य उद्देश्य राजस्थान, फाजिल्का और फिरोजपुर बॉर्डर की ओर जाने वाली सेना की मूवमेंट, सुरक्षा बलों की तैनाती और संवेदनशील गतिविधियों पर नजर रखना था। एकत्र की गई सीसीटीवी फुटेज पाकिस्तान और कनाडा में बैठे देश विरोधी नेटवर्क और उनके एजेंटों तक पहुंचाई जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी बठिंडा डॉ. ज्योति यादव बैंस के निर्देश पर विशेष टीमें गठित की गईं। बठिंडा पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मानव खुफिया तंत्र (ह्यूमन इंटेलिजेंस) की मदद से पूरे नेटवर्क को ट्रेस किया।

जांच के दौरान 10 जून को अमृतसर के अजनाला थाना क्षेत्र के गांव सराए निवासी 40 वर्षीय अशोक सिंह पुत्र प्रकाश सिंह को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के आधार पर एक अन्य आरोपी का नाम सामने आया। आगे की जांच और पुलिस रिमांड के दौरान 14 जून को गांव सराए निवासी 22 वर्षीय अकासदीप सिंह पुत्र बलदेव सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ में दो अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आई है। चार लोगों को मामले में नामजद किया जा चुका है, जिनमें से दो गिरफ्तार हैं जबकि दो की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों ने बेहद सुनियोजित तरीके से ऐसा स्थान चुना था जहां से राष्ट्रीय राजमार्ग के जरिए गुजरने वाली सुरक्षा एजेंसियों और सैन्य वाहनों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा सके। पुलिस का मानना है कि यह केवल स्थानीय स्तर का मामला नहीं है, बल्कि इसके तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद कई बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

# अमेरिका के ईसाई संगठन और छह अन्य के खिलाफ केस दर्ज

## छह महीने में 92.55 करोड़ रुपये का अवैध इस्तेमाल

बंगलूरू, 15 जून (एजेंसियां)। ईडी की शिकायत पर बंगलूरू में अमेरिका के एक ईसाई संगठन और छह अन्य लोगों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानून के तहत केस दर्ज किया गया है।

इन सभी पर विदेशी डेबिट कार्ड के नेटवर्क के जरिये विदेशी फंड का गैर-कानूनी इस्तेमाल करने का आरोप है, जिसे छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में भी इस्तेमाल किया गया। ईडी के सहायक निदेशक सुनील कुमार सिंहमर की शिकायत पर कोथानूर पुलिस थाने ने 11 जून को बीएनएस और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत ये प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में जोनाथन एस राजन, मीका मार्क, अजीत वर्गीस मथाई, वर्गीस चाको, बबलू कुर्मी, सुप्रीम जॉय, अमेरिका स्थित संगठन द टिमोथी इनिशिएटिव (टीटीआई) और अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने आरोप लगाया कि आयकर अधिनियम और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत 18 और 19 अप्रैल को ली गई तलाशी के दौरान पता चला कि आरोपियों ने टीटीआई के साथ मिलकर अमेरिकी बैंक की ओर से जारी विदेशी डेबिट कार्ड्स से भारत भर में विदेशी धन निकाला और उसका इस्तेमाल किया।

# सेट्टेबेलो में जान गंवाने वाले 4 भारतीय नाविकों के लिए एफएसयूआई ने की ट्रंप से अपील, मृतकों के लिए मांगा 50 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान के बीच हाल में हुए शांति समझौते और होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने का स्वागत करते हुए फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने अमेरिकी प्रशासन से चार भारतीय नाविकों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि क्षेत्र में हुए सैन्य हमलों और नाकेबंदी के कारण भारतीय नाविकों की जान गई, इसलिए न्याय सुनिश्चित करना स्थायी शांति के लिए जरूरी है।

एफएसयूआई ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस को संबोधित संदेश में कहा कि अमेरिका को मृतक नाविकों के परिवारों को कम से कम 50 लाख डॉलर (5 मिलियन डॉलर) का उचित मुआवजा देना चाहिए। यूनियन ने इसे मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी बताया है।

एफएसयूआई के अनुसार, चीफ इंजीनियर पतनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और फिटर शिवानंद चौरेसिया की मौत मिसाइल हमले में हुई थी। यूनियन ने दूसरे अधिकारी निशांत उर्थनाथन की मौत के लिए मेडिकल मदद में हुई देरी और क्षेत्रीय नाकेबंदी को जिम्मेदार बताया है। जून में ओमान तट के पास होर्मुज के निकट एमटी सेटेबेलो नामक तेल टैंकर पर अमेरिकी कार्रवाई हुई थी। जहाज पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य मौजूद थे। इस घटना में चार भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी जबकि अन्य को बचा लिया गया था। घटना के बाद भारत सरकार ने अमेरिका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया और क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी।

# कल फिर मिलेंगे मोदी और ट्रंप

## > पिछली मुलाकात के बाद से कितने बदल चुके हैं भारत-अमेरिका के रिश्ते?

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 17 जून (बुधवार) को फ्रांस में मुलाकात होनी है। ग्रुप ऑफ सेवेन (जी-7) सम्मेलन के इतर होने वाली इस बैठक पर भारत-अमेरिका के साथ-साथ दुनियाभर की नजरें रहेंगी। दरअसल, दोनों ही नेता फरवरी 2025 में मुलाकात के करीब 16 महीने बाद अब बैठक करने वाले हैं। पहली बैठक के बाद से अब तक दोनों ही देशों के रिश्तों से लेकर वैश्विक स्तर पर भी कई चीजों में बड़ा बदलाव आया है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि 12 फरवरी 2025 को ट्रंप और मोदी की पहली बैठक के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में कितना बदलाव आया है? इस दौरान अमेरिका-भारत के मुद्दे क्या रहे हैं? किन-किन बातों पर दोनों देशों में विवाद की स्थिति पैदा हुई है? इस दौरान पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आपसी रिश्ते कैसे रहे हैं? अब जब दोनों नेताओं की जी7 के इतर बैठक होगी तो किन मुद्दों को लेकर चर्चा तय है?

**कॉम्पैक्ट पहल का शुभारंभ**

इस बैठक की सबसे अहम घोषणा अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट नाम की एक नई पहल की शुरुआत थी। इस समझौते का मकसद रक्षा सहयोग और विनिर्माण को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था।

**व्यापार और आर्थिक साझेदारी पर चर्चा**

दोनों नेताओं के बीच ट्रंप के पारस्परिक व्यापार एजेंडे पर गहन चर्चा हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ अमेरिका के लगभग 46 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को कम करने और अमेरिकी वस्तुओं पर भारतीय आयात कर को घटाने के विषय पर जोर दिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच एक नए व्यापार समझौते की रूपरेखा की घोषणा भी की गई थी, हालांकि, इस पर शुरुआती विवाद और फिर ट्रंप की तरफ से टैरिफ लगाए जाने के बाद समझौते पर अभी तक अंतिम रूप से हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं।

**ऊर्जा और परमाणु सहयोग**

बैठक में दोनों देशों ने तेल, गैस और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। सबसे खास बात यह रही कि इसमें भारत में अमेरिका की ओर से डिजाइन किए गए परमाणु मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने की योजना को भी शामिल किया गया था।

**कूटनीतिक और रक्षा समन्वय**

राष्ट्रपति ट्रंप ने रक्षा, व्यापार, निवेश, बहुपक्षीय समन्वय और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंधों को भविष्य के सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया। ट्रंप-मोदी की बैठक के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कितना बदलाव आया है?

12 फरवरी 2025 की बैठक के दौरान एक मजबूत साझेदारी की उम्मीद साफ तौर पर दिखाई दी थी, जहां पीएम मोदी ने विश्वास जताते हुए कहा था कि दोनों देश मिलकर दोगुनी गति से काम करेंगे। हालांकि, इस बेहतर शुरुआत के बावजूद बाद के महीनों में आयात शुल्क, भारतीयों के वीजा के मुद्दे, ऑपरेशन सिंदूर, ईरान युद्ध के प्रभाव और भू-राजनीतिक बदलावों की वजहों से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव और चुनौतियां सामने आई हैं।

**व्यापारिक तनाव और आयात शुल्क**

ट्रंप प्रशासन ने अल्पकालिक और लेन-देन वाला रवैया अपनाते हुए भारत समेत 70 से ज्यादा देशों पर 25% का टैरिफ लगा दिया। इसके अलावा, भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखने के कारण, अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25% (जिसे बाद में बढ़ाकर 50% कर दिया गया) का दंडात्मक शुल्क लगा दिया। हालाँकि अमेरिकी अदालतों ने इन शुल्कों को रद्द कर दिया, फिर भी एक व्यापक व्यापार समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच गतिरोध बना हुआ है।

**पाकिस्तान के साथ अमेरिका की बढ़ती नजदीकियां**

भारत के लिए सबसे बड़ी निराशा वॉशिंगटन की ओर से पाकिस्तान के साथ फिर से कूटनीतिक बातचीत शुरू करना रहा है। अमेरिका ने अप्रैल में भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों का समर्थन नहीं किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की अपील पर भारत से युद्ध रोकने की अपील करता रहा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की तरफ से ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस देश के साथ निजी स्तर पर रिश्तों को बढ़ाया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 16 जून - 2026

# नवाचार की नई उड़ान

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' भारत के नवाचार, स्टार्टअप और तकनीकी भविष्य को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण मंच है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा और उन्नत अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा यह संकेत दे रही है कि भविष्य में वही देश वैश्विक नेतृत्व करेंगे, जो नवाचार को अपनी विकास-नीति का केंद्र बनाएंगे। ऐसे में यह कार्यक्रम भारतीय इनोवेटर्स को वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह भारत और फ्रांस के संबंधों को भी नई ऊंचाई देने की क्षमता रखता है। यह आयोजन दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और चीन के बीच एआई तथा अत्याधुनिक तकनीकों पर वर्चस्व की होड़ तेज हो चुकी है। आज नवाचार आर्थिक शक्ति, रणनीतिक प्रभाव और वैश्विक नेतृत्व का आधार बन चुका है। ऐसे में भारत की प्रतिभा और फ्रांस के संसाधनों का समन्वय अनेक वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है। जलवायु परिवर्तन, डिजिटल सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल और तेजी से विकसित होता स्टार्टअप इकोसिस्टम है। वर्तमान में देश में 2.3 लाख से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसी पारिस्थितिकी तंत्र से सौ से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां उभर चुकी हैं, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर से अधिक है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत में प्रतिभा, उद्यमिता और नवाचार की कोई कमी नहीं है। अब आवश्यकता ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देने की है, जो भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं से जुड़े हों और दुनिया के लिए उपयोगी समाधान प्रस्तुत करें। हालांकि, नवाचार के क्षेत्र में भारत के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां भी हैं। भारतीय प्रतिभा का लोहा पूरी दुनिया मानती है। सिलिकॉन वैली के तकनीकी कार्यबल का बड़ा हिस्सा भारतीय मूल के लोगों से जुड़ा है। फॉर्च्यून 500 की लगभग 10 प्रतिशत कंपनियों का नेतृत्व भारतीय मूल के सीईओ कर रहे हैं और इनमें अल्फाबेट (गूगल), माइक्रोसॉफ्ट तथा एडोबी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हैं। नवाचार के क्षेत्र में भारत अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है, तो इसका प्रमुख कारण अनुसंधान एवं विकास पर अपेक्षाकृत कम निवेश है। वर्ष 2024 में चीन ने इस पर 785.9 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि भारत का खर्च केवल 75.7 अरब डॉलर रहा, जो जीडीपी का लगभग 0.7 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि भारत को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और अनुसंधान में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। पीएम मोदी ने 'भारत इनोवेट्स 2026' को भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच एक महत्वपूर्ण पुल बताया है। वास्तव में, यह पुल विचारों, अवसरों और भविष्य की संभावनाओं का भी है। नवाचार अब आर्थिक विकास, राष्ट्रीय शक्ति और वैश्विक प्रभाव का आधार बन चुका है। भारत के पास प्रतिभा, विशाल बाजार और उद्यमशील ऊर्जा मौजूद हैं। यदि इन्हें पर्याप्त शोध, निवेश और दूरदर्शी नीतियों का समर्थन मिले, तो भारत न केवल नवाचार की वैश्विक दौड़ में अग्रणी बन सकता है, बल्कि दुनिया को नई दिशा देने वाला राष्ट्र भी बन सकता है।

# भारत अब विश्व को विकसित कर रहा है

आरके जैन

तकनीक की वैश्विक बिसात पर भारत अब मोहरा नहीं, चाल चलने वाला खिलाड़ी बनता दिख रहा है। फ्रांस के नीस में 14-16 जून 2026 को आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि भारत अब "समाधान का उपभोक्ता नहीं, समाधान प्रदाता" है, केवल एक वक्तव्य नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन की घोषणा थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति, 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 अग्रणी शिक्षण संस्थानों और सैकड़ों निवेशकों की भागीदारी ने इस दावे को मजबूती दी। यह वह क्षण था जब भारत ने दुनिया को जता दिया कि वह तकनीकी परिवर्तन का दर्शक नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली शक्ति बनने की ओर बढ़ चुका है।

भारत की तकनीकी उड़ान किसी एक घटना नहीं, वर्षों की तैयारी का परिणाम है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने इसकी मजबूत नींव रखी। जो देश कभी तकनीक खरीदता था, वह आज समाधान विकसित कर दुनिया को दे रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित 120 डीप-टेक कंपनियों के पास सामूहिक रूप से 1,500 से अधिक पेटेंट हैं और उन्होंने 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा पूंजी जुटाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी स्वच्छ ऊर्जा के अलावा स्वास्थ्य, जलवायु प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, एग्रीटेक आदि 13 अग्रणी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियाँ नई राह बना रही हैं। बढ़ते पेटेंट, निवेश और स्टार्टअप्स बताते हैं कि भारत अब केवल सेवा प्रदाता नहीं रहा। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भारत ऐसे तकनीकी मॉडल प्रस्तुत कर रहा है जो किफायती भी हैं और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकते हैं। यही बदलाव भारत को वैश्विक विकास की नई धुरी बना रहा है। भारत-फ्रांस संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अब कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की साझेदारी में बदल रहे हैं। 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' और विस्तारित रणनीतिक साझेदारी भविष्य की उसी रूपरेखा को रेखांकित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप्स और वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की निरंतर पहल ने दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बना दिया है। फ्रांस अब भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीकी सह-निर्माता के रूप में देख रहा है। यही सोच इस रिश्ते को पारंपरिक द्विपक्षीय सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और दूरगामी बनाती है।

भारत का उभरता तकनीकी सामर्थ्य कई पुराने शक्ति-केंद्रों के लिए चुनौती बन रहा है। कारण यह है कि वह तकनीक पर स्थापित एकाधिकार की दीवारों में दरार डाल रहा है। दशकों तक नवाचार कुछ देशों और कंपनियों के इर्द-गिर्द सिमटा रहा, लेकिन भारत अब अपनी अलग तकनीकी राह बना रहा है। एआई और उन्नत प्रौद्योगिकियों पर बढ़ते नियंत्रण के बीच भारत-फ्रांस सहयोग बदलते वैश्विक समीकरणों का संकेत है। सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों में बढ़ती साझेदारी बता रही है कि भविष्य की तकनीकी आपूर्ति पर अब कुछ हाथों का वर्चस्व नहीं रहेगा। भारत का "सॉल्व्ड इन इंडिया" मॉडल धीरे-धीरे "सॉल्यूशन फॉर द वर्ल्ड" की अवधारणा में बदल रहा है। भारत-फ्रांस सहयोग का सबसे मजबूत चेहरा अब रक्षा और रणनीतिक तकनीक में दिखता है। राफेल कार्यक्रम ने तकनीक हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को नई दिशा दी है। दोनों देश अब रक्षा खरीद से आगे बढ़कर साझा निर्माण और उन्नत अनुसंधान की राह पर हैं। स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से लेकर समुद्री सुरक्षा तक और साइबर सुरक्षा से लेकर क्वांटम अनुसंधान तक, सहयोग के नए द्वार खुल रहे हैं।

# जीवनदायिनी बूंदों पर मुनाफाखोरों का कब्जा

सुरेश गांधी

एक समय था जब यात्रा के दौरान प्यास लगने पर लोग रेलवे स्टेशन, बस अड्डे या ढाबे पर मटके का पानी पी लेते थे। धीरे-धीरे समय बदला, जीवनशैली बदली और लोगों का भरोसा बोतलबंद पानी पर टिक गया। ₹सीलबंद₹ शब्द सुरक्षा और शुद्धता का पर्याय बन गया। लेकिन अब यही भरोसा दरकता दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में पैकेज्ड पेयजल के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिलने और दूसरी ओर खाली बोतलों में दोबारा पानी भरकर बाजार में बेचने के बढ़ते अवैध कारोबार ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर आम आदमी किस पर भरोसा करे? यह मामला केवल मिलावटी पानी का नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य, सरकारी निगरानी व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा कानूनों और उपभोक्ता अधिकारों से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा है। यदि समय रहते इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या जलजनित रोगों के सबसे बड़े कारणों में बदल सकती है।

वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, चंदौली, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, गोंडा, अंबेडकरनगर, उन्नाव, चित्रकूट, रामपुर, मैनपुरी और लखीमपुर खीरी सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लिए गए पैकेज्ड पानी के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि समस्या किसी एक जिले तक सीमित नहीं है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संबंधित कंपनियों की बिक्री रोकना और बाजार से स्टॉक वापस मंगाने के निर्देश देना इस बात का प्रमाण है कि मामला सामान्य नहीं है। प्रश्न यह है कि यदि नियमित जांच नहीं होती तो क्या यह

दूषित पानी लाखों लोगों तक पहुंचता रहता? देश के लगभग हर बड़े शहर में रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, धार्मिक स्थल और पर्यटन केंद्र नकली पैकेज्ड पानी के कारोबार के आसान ठिकाने बनते जा रहे हैं। वाराणसी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। स्टेशन, घाट, ऑटो स्टैंड और सड़क किनारे बिकने वाली पानी की बोतलों पर शायद ही कोई संदेह करता हो। लेकिन जांच एजेंसियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में खाली बोतलें कबाड़ियों के माध्यम से इकट्ठा की जाती हैं। इन्हें छोटे आरओ प्लांटों या अवैध फिल्टर केंद्रों पर पहुंचाकर सामान्य पानी भर दिया जाता है। नकली ढक्कन, प्लास्टिक सील और लेबल लगाकर इन्हें दोबारा बाजार में उतार दिया जाता है। यानी ग्राहक कीमत असली ब्रांड की चुकाता है, लेकिन उसके हाथ में पहुंचती है एक संदिग्ध बोतल।

**कोलीफॉर्म बैक्टीरिया आखिर है क्या?**

कोलीफॉर्म बैक्टीरिया स्वयं हमेशा घातक नहीं होता, लेकिन इसकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि पानी किसी स्तर पर मलजनित प्रदूषण के संपर्क में आया है। यदि इसमें ई. कोलाई जैसे रोगजनक जीवाणु मौजूद हों तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। ऐसा पानी पीने से — दस्त, उल्टी, पेट दर्द, बुखार, पेचिश, टाइफाइड, हैजा, किडनी फेल होने जैसी जटिलताएं तक हो सकती हैं। बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं।

**क्या केवल पैकेज्ड पानी ही दोषी है?**

इस पूरे प्रकरण का एक दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन ने यह साबित किया कि कई बार आरओ मशीन से निकलने वाला पानी पूरी तरह सुरक्षित होता है, लेकिन बाद में घरों में गलत भंडारण के कारण दूषित हो जाता है। 262 नमूनों में से 81 में ई. कोलाई का मिलना इस बात का संकेत है कि पानी की सुरक्षा केवल फिल्टर लगाने से सुनिश्चित नहीं होती। यदि पानी गंदे पात्र में रखा जाए, खुला छोड़ दिया जाए या आरओ की नियमित सर्विसिंग न हो तो वही पानी संक्रमण का स्रोत बन सकता है।

**बढ़ती मांग, बढ़ता कारोबार, बढ़ता खतरा**

भारत में पैकेज्ड पानी का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। धार्मिक पर्यटन, शहरीकरण, भूजल प्रदूषण और जीवनशैली में बदलाव ने इसकी मांग कई गुना बढ़ा दी है। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, उज्जैन, तिरुपति जैसे धार्मिक नगरों में प्रतिदिन लाखों बोतलें बिकती हैं। जहां मांग बढ़ती है, वहां नकली कारोबार भी तेजी से पनपता है। यही कारण है कि बिना लाइसेंस वाले छोटे प्लांट और अवैध पैकिंग केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं।

**कानून हैं, लेकिन पालन कितना?**

भारत में पैकेज्ड पेयजल के लिए स्पष्ट मानक निर्धारित हैं। उत्पादन इकाई को लाइसेंस, गुणवत्ता परीक्षण, स्वच्छ पैकिंग और नियमित निरीक्षण जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक छोटे प्लांट बिना पर्याप्त गुणवत्ता नियंत्रण के संचालित होते हैं। प्रश्न यह भी है कि यदि निरीक्षण नियमित और प्रभावी हैं, तो इतनी बड़ी संख्या में

**दूषित नमूने सामने कैसे आए?**

रेलवे और बस अड्डे सबसे संवेदनशील देश में हर दिन करोड़ों लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं। यात्रा के दौरान अधिकांश लोग पानी की बोतल खरीदते हैं। यहीं नकली कारोबारियों की सबसे बड़ी कमाई होती है। स्टेशन परिसर के बाहर, प्लेटफॉर्म के आसपास, बस अड्डों और टैक्सी स्टैंडों पर बिना पहचान वाले विक्रेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

यह केवल खाद्य सुरक्षा विभाग का नहीं, बल्कि रेलवे, परिवहन विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का भी साझा दायित्व है।सिर्फ सरकार के भरोसे समस्या समाप्त नहीं होगी।

# बिना चुनाव लडे ही नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी चर्चा में

अशोक भाटिया

जी हाँ, 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' बिना कोई बड़ा चुनाव लड़े रातों-रात चर्चा में आ गई है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने हाल ही में इसमें विलय करके राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। बागी सांसदों ने रविवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें विलय का आधिकारिक पत्र सौंपा। बागी गुट की नेतृत्व करने वाली काकोली घोष ने संसद में अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग भी की है। काकोली घोष के अनुसार हम पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ मिलकर काम करेंगे। बागी गुट के पास दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है। बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और शताब्दी रॉय ने कहा कि उनका गुट पहले ही एनसीपीआई में विलय कर चुका हैं।सवाल उठता है कि टीएमसी के बागी लोकसभा सांसदों की पसंद एनसीपीआई क्यों बनी? एनसीपीआई पार्टी का गठन कब हुआ और कौन इस पार्टी को चलाता है। कैसे जीरो से देश की पांचवी सबसे बड़ी पार्टी सांसदों के लिहाज से बन गई है?

तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अलग गुट बना कर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी से जुड़ गई इसलिए सुर्खियां एक कम ज्ञात पार्टी की ओर चली गईं, जिसने त्रिपुरा में 2023 के विधानसभा चुनावों में अपनी चुनावी शुरुआत की। दोनों सीटों पर उसने अपनी जमानत गंवा दी।संस्थापक शिउली कुंडू के नेतृत्व में, एनसीपीआई हाल के वर्षों में असम और त्रिपुरा में सक्रिय रहा है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, एनसीपीआई पंजीकृत (गैर-मान्यता प्राप्त) पार्टियों में से एक है, जिसका प्रतीक सात किरणों वाली कलम की निब है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एनसीपीआई ने असम में हाल के चुनावों में चुनाव लड़ा था या नहीं, लेकिन पार्टी के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उसने 2023 के त्रिपुरा चुनावों में चार उम्मीदवारों को ''उतारा', जिनमें से दो ने पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था।जहांगीर अली (54) और बरजेदा त्रिपुरा (65) ने क्रमशः उनाकोटी जिले के कैलाशहर निर्वाचन क्षेत्र और धलाई जिले के चावमनु निर्वाचन क्षेत्र से एनसीपीआई के टिकट पर चुनाव लड़ा था, जबकि अन्य दो उम्मीदवारों की पहचान की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा कि यह संभावना है कि दोनों पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार थे।जहां तक नतीजों की बात है, पार्टी ने उन दो सीटों पर कुल 822 वोट हासिल किए, जहां उसने अपने उम्मीदवार उतारे थे- एसटी आरक्षित चावमनु में 536 और कैलाशहर में 286।संयोग से, तृणमूल कांग्रेस 696 वोटों के साथ कैलाशहर में तीसरे स्थान पर रही, जो नोटा (537 वोट) से थोड़ा ऊपर है। चावमानु में वह 566 मतों के साथ चौथे स्थान पर रही, जो नोटा (500) से ठीक ऊपर है। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों द्वारा एनसीपीआई में जाने के अपने इरादे से अवगत कराने के साथ, यह उसी तरह की स्थिति की याद दिलाता है जो 2016 में अरुणाचल प्रदेश में सामने आई थी जब कांग्रेस ने राज्य में अपनी सरकार खो दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी को छोड़कर पार्टी की पूरी विधायक पार्टी पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गई, जो भाजपा के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का हिस्सा बन गई थी। 31 दिसंबर, 2016 को, पेमा खांडू और पीपीए के 32 अन्य विधायकों ने भाजपा में वफादारी बदल दी, जिससे भगवा पार्टी को पूर्वोत्तर में अपनी पहली पूर्ण सरकार मिली। इस कदम के बाद 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की संख्या 45 तक पहुंच गई। पीपीए की गिनती घटकर 10 रह गई जबकि कांग्रेस के पास केवल तीन सदस्य बचे थे। 2019 में अगले चुनाव में, खांडू ने 60 में से 41 सीटें जीतकर भाजपा के लिए जीत हासिल की।

दरअसल अब कुछ जानकारों के अनुसार एनसीपीआई में विलय करने का बागियों का फैसला दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों को आकर्षित करने से बचने और असली टीएमसी होने का दावा करने के लिए समय खरीदने का एक प्रयास प्रतीत होता है।दसवीं अनुसूची के पैरा 4 के तहत, विलय के मामले में दलबदल के आधार पर अयोग्यता लागू नहीं है। किसी सदन के सदस्य के मूल राजनीतिक दल का विलय यदि और केवल तभी हुआ है जब संबंधित विधायक दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य इस तरह के विलय के लिए सहमत हुए हों। उन्होंने कहा, 'हमने नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया में विलय कर दिया है। यह एक राजनीतिक दल है। यह एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी है। जब आप दो-तिहाई दल के साथ जाते हैं, तो आप पहले दिन ही उस पार्टी के नाम की मांग नहीं कर सकते। जुलाई में, जब संसद फिर से शुरू होगी, तो हम हमें तृणमूल देने की मांग करेंगे क्योंकि हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। इसके बाद अदालत फैसला करेगी (असली तृणमूल कांग्रेस कौन सी है), 20 बागियों में से एक तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने बिड़ला के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा। हालांकि, टीएमसी नेतृत्व ने महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के 2023 के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि एक राजनीतिक दल और विधायक दल अलग-अलग संस्थाएं हैं और पैराग्राफ 4 के तहत सुरक्षा के लिए मूल राजनीतिक दल को भी शामिल करने वाले वैध विलय की आवश्यकता होती है। बंगाल में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्राप्त रीताब्रत बनर्जी ने रविवार को मीडिया को बताया कि राजनीतिक दल को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया भी चल रही है।

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता के अनुसार इक्यानवेंवें संशोधन के बाद सदस्यों का एक निकाय कानूनी रूप से फिर से संगठित हो सकता है, वह है दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अर्थ के भीतर विलय, जब दो शर्तें पूरी हो जाती हैं – अर्थात जब राजनीतिक दल का विलय हो जाता है और कुल मिलाकर दो तिहाई विधायक दल बदल जाता है। अभिषेक बनर्जी ने 10 जून को बिड़ला को लिखे पत्र में लिखा था। विद्रोहियों के स्पीकर से मिलने से कुछ देर पहले बिड़ला को पत्र सौंपा गया थइस समय मीडिया में जो दावे चल रहे हैं, वे मानते हैं कि केवल एक शर्त को पूरा करना होगा, जो गलत है।

# सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं। परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है।

# फ़र्क़ है कुत्ते और आदमी में...

डॉ टी महादेव राव

सुबह-सुबह समुद्र के किनारे टहलते हुए मैं और छोटू देख रहे थे कि कुत्तों की धर पकड़ जारी थी और उन्हें कुत्तों वाली गाड़ी में डालकर ले जाया जा रहा है ठीक वैसे ही जैसे वोट डालने के लिए मतदाताओं को सैकड़ों की संख्या में धर पकड़कर ले जाते हैं। वॉकिंग ट्रैक के बाहर बीस पच्चीस कुत्ते रोज घूमा करते थे और हमें डर लगता था कि पता नहीं यह किस बिफरे नेता की तरह या गुस्से से गर्म बीवी की तरह काट न खा ले। भारत के मध्यम वर्गीय नागरिक डर डर कर ही सही, सुबह की सैर भी कर लिया करते। लेकिन आज अचानक कुत्तों के धर पकडने ने कई प्रश्न दिमाग पर टांग दिए।

छोटू पूछ बैठा भैया सुबह सुबह यह कुत्तों की धर पकड़ अचानक शुरू कैसे हो गई? कल तक तो नगरनिगम के आयुक्त को नागरिकों द्वारा कई कई आवेदन देने के बावजूद भी जहां कण पर जूँ नहीं रेंगी, वहीं श्वान सुरक्षा समिति वालों ने भी नागरिकों के आवेदनों को यह कहकर ठुकराया था कि कुत्तों को भी हमारी तरह जीने का अधिकार है। ऐसी विकट दुविधा वाली स्थिति में यह कुत्तों की धर पकड़ शहर को कुत्ता मुक्त करने का जो बीड़ा अचानक उठाया गया उसके पीछे कोई ना कोई करण होगा ही। क्या है यह बताइए भैया?

छोटू! जहां तक आज सुबह अखबार में पढ़ी एक खबर ने यादों में खलबली मचाई। कल अलस्सुबह नगरनिगम आयुक्त अपने कार्यालय के सामने वाले पार्क में जोगिंग कर रहे थे और पता नहीं कहां से झबरू कुत्ता आया और उनकी पिंडली का मांस अपने दांतों में फंसा कर खींचतान कर भाग गया। इससे पहले लोग आते और कुत्ते को पकड़ते, कुत्ता पता नहीं कहां गायब हो गया। खून से लथपथ पिंडली और ट्रैक सूट के साथ बिलखते हुए पड़े थे नगरनिगम आयुक्त। सभी ने उन्हें सांत्वना दी और कहा एंबुलेंस आता ही होगा हमने खबर कर दी है और उन्हें एंबुलेंस में डालकर अस्पताल भेज दिया गया। उनको रेबीज का इंजेक्शन दिया गया और जहां कुत्ते ने काटा है वहां बाईस टांके लगाए और घर भेज दिया। घर पहुंचने के बाद आराम करते हुए उन्होंने सोचा कि ये कुत्ते कैसे कुत्ते हैं? मैंने उनकी भलाई के लिए उनको धर पकड़ने में छूट दी तो मुझे ही काट लिया?

जब कुत्ते नगरनिगम आयुक्त को नहीं छोड़ते तो सामान्य जन की क्या बात है! वह तो और भी परेशान होंगे! उन्होंने अपने अधिकारियों को बुलाया और आदेश जारी किया कि चाहे कुछ हो जाए लेकिन हमें इस शहर को सड़क छाप कुत्तों से, आवारा श्वानों से मुक्ति दिलानी होगी, वरना अस्पताल में अलग से रेबीज सेक्शन और टांका लगाओ सेक्शन खोलना पड़ेगा। उन्होंने कहा इसी क्षण से कुत्तों को धर पकड़ कर शहर से बहुत दूर घने जंगल में छोड़कर आएं। उन्हें मारे नहीं वरना वह श्वान सुरक्षा समिति वाले जान खा लेंगे। यह उनका बयान पेपर में छापा और आज यह कुत्ता घर पकड़ कार्यक्रम शुरू हो गया। हमने देखा की प्रेस फोटोग्राफर पत्रकार यह कुत्तों के धर पकड़ का समाचार ले रहे थे। इस सामूहिक धर पकड़ के दौरान एक ग्रुप का एक झबरू कुत्ता पता नहीं कैसे उस पुराने और फटे हुए जाल से निकलकर फोटो खींच रहे एक पत्रकार पर झपटा। फलस्वरूप पत्रकार और कैमरामैन का चश्मा और कैमरा एक साथ नीचे गिरकर टूट गए। चश्मा वाले पत्रकार का पिछवाड़ा कुत्ता काट कर भाग गया। रोते बिलखते पत्रकार सह कैमरा मेन को अन्य पत्रकार और कैमरामैन शूट कर रहे थे और हल्के से हंस भी रहे थे। किसी ने एंबुलेंस बुलवाया और उसे अस्पताल पहुंचा दिया। मुझे कुत्तों और आदमियों एक फ़र्क़ जरूर नजर आया। यही कि सामने वाला आदमी घायल हो या मुश्किल में हो तो हम मदद करना तो दूं यह सोचकर मुस्कुराते हैं कि साला बहुत फुदक रहा था। अच्छा सिला मिला।

# पुण्य कमाने के लिए आषाढ़ महीना

## पूजा विधि और शुभ उपाय, सूर्य देव को अर्घ्य दें

आषाढ़ मास का नाम आते ही मानसून की पहली फुहार, मंदिरों की घंटियां और भक्ति से भरा माहौल आंखों के सामने आ जाता है। हिंदू धर्म में यह महीना सिर्फ मौसम के बदलाव का संकेत नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक साधना, पूजा-पाठ और पुण्य कमाने का भी खास समय माना जाता है। इसी महीने में कई बड़े धार्मिक पर्व मनाए जाते हैं, जिनका इंतजार श्रद्धालु पूरे साल करते हैं। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा से लेकर गुरु पूर्णिमा और देवशयनी एकादशी तक, आषाढ़ मास धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

मान्यता है कि इस दौरान किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में अगर आप भी जानना चाहते हैं कि साल 2026 में आषाढ़ मास कब से शुरू होगा, इसका धार्मिक महत्व क्या है और इस दौरान कौन-से उपाय करने चाहिए, तो यह लेख आपके लिए है।

**आषाढ़ मास 2026 कब से शुरू होगा?**

हिंदू पंचांग के मुताबिक साल 2026 में आषाढ़ मास की शुरुआत 30 जून 2026, मंगलवार से होगी। यह पावन महीना 29 जुलाई 2026, बुधवार को गुरु पूर्णिमा के दिन समाप्त होगा। पूरे महीने के दौरान कई बड़े धार्मिक आयोजन और व्रत-त्योहार मनाए जाएंगे, जिनका सनातन परंपरा में विशेष महत्व बताया गया है। आषाढ़ मास के दौरान 15 जुलाई 2026 से गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होगी, जो 23 जुलाई तक चलेगी। इसके अलावा 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की प्रसिद्ध रथ यात्रा निकलेगी। वहीं 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी का पर्व मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और अगले चार महीनों के लिए चातुर्मास का आरंभ हो जाता है। 26 जुलाई 2026 से चातुर्मास की शुरुआत मानी जाएगी।

**क्यों खास माना जाता है आषाढ़ मास?**

साधना और भक्ति का महीना आषाढ़ मास को आध्यात्मिक उन्नति का महीना कहा जाता है। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ प्रकृति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इसी वजह से ऋषि-मुनियों ने इस समय को साधना और आत्मचिंतन के लिए सबसे उपयुक्त माना। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में किया गया जप, ध्यान, व्रत और दान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। यही कारण है कि कई लोग इस दौरान विशेष पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का संकल्प लेते हैं।

**गुरु पूर्णिमा का महत्व**

आषाढ़ मास का समापन गुरु पूर्णिमा के साथ होता है। इस दिन गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ज्ञान का प्रकाश देने वाला माना गया है। इसलिए इस दिन अपने गुरु, शिक्षकों और मार्गदर्शकों का सम्मान करना शुभ माना जाता है।

**आषाढ़ मास में किन देवी-देवताओं की पूजा होती है?**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ मास मुख्य रूप से भगवान विष्णु की आराधना के लिए समर्पित माना जाता है। इसके साथ ही सूर्य देव, मां दुर्गा और गुरु की पूजा का भी विशेष महत्व बताया गया है। कई जगहों पर जल देवता की पूजा भी की जाती है। चूंकि यह महीना वर्षा ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है, इसलिए जल तत्व को जीवनदायी शक्ति मानकर उसकी आराधना की जाती है।

आषाढ़ मास में प्रतिदिन भगवान विष्णु की पूजा करने और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। सुबह और शाम भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है।

**सूर्य देव को अर्घ्य दें**

सनातन परंपरा में सूर्य देव को विष्णु का ही स्वरूप माना गया है। इसलिए आषाढ़ मास में सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना और तांबे के लोटे में जल, रोली, अक्षत और लाल पुष्प डालकर सूर्य देव को अर्घ्य देना लाभकारी माना जाता है। आज भी कई परिवारों में यह परंपरा पीढ़ियों से निभाई जा रही है। लोगों का मानना है कि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

**मंगलवार को करें मंगल देव की पूजा**

आषाढ़ मास में प्रत्येक मंगलवार को मंगल देव की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भूमिपुत्र मंगल की आराधना करने से साहस, आत्मबल और कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। इस दिन लाल वस्त्र, लाल फूल और गुड़ का दान करना भी शुभ माना जाता है।

# संत की एक मां को सीख

## बच्चा जन्म से ही आसपास के वातावरण, माता-पिता के व्यवहार से सीखना शुरू कर देता है, बच्चों को अच्छी शिक्षा दें

एक लोक कथा है- एक छोटे से गांव में एक संत के प्रवचन सुनने दूर-दूर से लोग आते थे। संत सरल शब्दों में जीवन की गहरी बातें समझाने के लिए प्रसिद्ध थे। एक दिन गांव में उनका प्रवचन चल रहा था। विषय था- "शिक्षा का महत्व"।

संत ने कहा, "मनुष्य का जीवन शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा केवल किताबों का ज्ञान नहीं देती, बल्कि सही और गलत का अंतर समझने की क्षमता भी प्रदान करती है। जिस व्यक्ति के पास शिक्षा होती है, वह हर परिस्थिति में सही निर्णय लेने में सक्षम होता है।"

प्रवचन सुन रहे लोगों पर संत की बातों का गहरा प्रभाव पड़ रहा था। तभी भीड़ में बैठी एक महिला उठी और संत के पास पहुंचकर विनम्रता से बोली, "गुरुदेव, मैं जानना चाहती हूं कि बच्चे को शिक्षा देने की सही उम्र क्या होती है?"

संत मुस्कुराए और उन्होंने पूछा, "माताजी, आपके बच्चे की उम्र कितनी है?" महिला ने उत्तर दिया, "गुरुजी, मेरा बेटा पांच वर्ष का हो गया है।" यह सुनकर संत गंभीर हो गए। उन्होंने कहा, "माताजी, आपने पांच वर्ष की देरी कर दी है। बच्चे की शिक्षा तो उसके जन्म के साथ ही शुरू हो जानी चाहिए थी।" महिला आश्चर्यचकित रह गई। उसने पूछा, "गुरुदेव, जन्म के साथ शिक्षा कैसे शुरू हो सकती है?"

संत ने समझाया, "बच्चा जन्म से ही अपने आसपास के वातावरण से सीखना शुरू कर देता है। वह माता-पिता के व्यवहार, बोलचाल और आदतों को देखकर सीखता है। इसलिए कहा जाता है कि एक सभ्य घर से बड़ा कोई विद्यालय नहीं और अच्छे माता-पिता से बड़ा कोई शिक्षक नहीं। बचपन में दिए गए संस्कार ही भविष्य में उसके व्यक्तित्व की नींव बनते हैं।" संत की बातें सुनकर महिला को अपनी भूल का एहसास हुआ। उसने समझ लिया कि शिक्षा केवल स्कूल भेजने का नाम नहीं है, बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और सही मार्गदर्शन देना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगले ही दिन से उसने अपने बच्चे के लिए घर में सकारात्मक वातावरण बनाया और उसे ज्ञान और संस्कार समझने के लिए गुरुजी के पास भेजना शुरू कर दिया। समय के साथ वह बालक एक समझदार, संस्कारी और सफल व्यक्ति बना। गांव के लोग उसकी प्रशंसा करते थे और उसकी सफलता का श्रेय उसकी प्रारंभिक शिक्षा और अच्छे संस्कारों को देते थे।

**प्रसंग की सीख**

**सीखने की कोई उम्र नहीं होती**

जीवन में नई बातें सीखने के लिए कभी देर नहीं होती। चाहे आप छात्र हों, नौकरीपेशा व्यक्ति हों या वरिष्ठ नागरिक, हर उम्र में ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

**शिक्षा का प्रारंभ घर से होता है**

बच्चे सबसे पहले अपने माता-पिता से सीखते हैं। इसलिए घर का वातावरण सकारात्मक, अनुशासित और संस्कारयुक्त होना चाहिए।

**अच्छे संस्कार सबसे बड़ी शिक्षा हैं**

किताबी ज्ञान के साथ ईमानदारी, विनम्रता, अनुशासन और जिम्मेदारी

जैसे गुण भी जरूरी हैं। यही गुण व्यक्ति को जीवन में सम्मान दिलाते हैं।

**आज का काम कल पर न टालें**

शिक्षा और आत्म-विकास के मामलों में देरी नुकसान पहुंचा सकती है। जितनी जल्दी सीखने की शुरुआत होगी, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा।

**बच्चों के लिए आदर्श बनें**

बच्चे उपदेशों से कम और उदाहरणों से अधिक सीखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं पढ़ने, सीखने और अच्छे व्यवहार का पालन करेंगे तो बच्चे भी वही अपनाएंगे।

**निरंतर सीखते रहें**

दुनिया तेजी से बदल रही है। नई तकनीक, नए विचार और नई चुनौतियां लगातार सामने आती हैं। इसलिए सीखने की आदत जीवनभर बनाए रखें। नई-नई चीजें जानने की कोशिश करें।

**सकारात्मक संगति चुनें**

जिस वातावरण और लोगों के बीच हम रहते हैं, उनका प्रभाव हमारे विचारों पर पड़ता है। अच्छी संगति ज्ञान और व्यक्तित्व दोनों का विकास करती है।

**शिक्षा को केवल डिग्री न समझें**

सच्ची शिक्षा वह है जो सोचने, समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करे। केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं है।

**हर अनुभव से सीखें**

जीवन का प्रत्येक अनुभव, सफलता हो या असफलता, एक शिक्षक की तरह होता है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति से सीखता है, वही आगे बढ़ता है।

**आत्म-विकास को प्राथमिकता दें**

प्रतिदिन कुछ समय पढ़ने, सोचने और स्वयं को बेहतर बनाने में लगाएं। छोटी-छोटी सीखें समय के साथ बड़े परिवर्तन लाती हैं। शिक्षा और संस्कार जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी हैं। सीखने की शुरुआत जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा है, लेकिन ज्ञान प्राप्त करने के लिए कोई भी समय देर नहीं होता। जो व्यक्ति जीवनभर सीखने की आदत बनाए रखता है, वह निरंतर प्रगति करता है और एक सफल, संतुलित तथा प्रेरणादायक जीवन जीता है।

# लालच बुरी बला : सोने का कंगन देख ललचाया, बुढ़े बाघ ने ली जान

लालच बुरी बला है इसलिए कोई भी काम बिना किसी लालच के करना चाहिए। इसलिए बिना सोच विचार किए कोई भी कार्य कभी भी नहीं करना चाहिए। लालच के कारण क्या क्या हो सकते हैं । जानें इस छोटी सी कथा का माध्यम से। पढ़ें लालच बुरी बला है कथा।

कहते हैं लालच बुरी बला है। क्योंकि, इस लालच के कारण कई बार लोग अपनों को अपनी रिश्तों को और तो और अपनी जान तक गंवा देते हैं। लालच के कारण क्या हो सकता है इसका उदाहर इस कथा का माध्यम से मिलता है। जहां एक कंगन के लालच कैसे किसी की जान गंवाने का कारण बना।

एक समय किसी वनमें एक बूढा बाघ स्नानकर हाथमें कुशा लेकर एक पथिकसे कहने लगा 'ओ पथिक ! इस सोने के कंगन को ले लो, ये मेरे किसी काम का नहीं।' यह देखकर वह पथिक ब्राह्मण सोचने लगा कि ऐसे अवसर भाग्य से आते हैं, परंतु इसमें जीवन मरण का संदेह है, इसलिये इसमें प्रवृत्त नहीं होना चाहिये क्योंकि अपने अहित कर से इष्ट वस्तु मिलने पर भी अच्छा परिणाम नहीं होता, जैसे जिस अमृत में विष का संसर्ग है, वह अमृत भी विष बनकर मृत्यु का कारण बन जाता है। परंतु मनुष्य बिना संशय में पडे लाभ का भागी भी नहीं होता। यह सोचकर विप्र ने बाघ से कहा 'कहां है सोने का कंगन ?'

बाघ ने हाथ पसारकर सोने का कंगन विप्र को दिखला दिया। सोने का कंगन देखकर विप्र ने बाघ से कहा 'तुम हिंसक पशु हो, तुम्हारा कैसे विश्वास करूं?' व्याघ्र बोला 'युवावस्था में मैं बहुत दुराचारी था, अनेक गौ, ब्राह्मण मनुष्यों को मारने से मेरे पुत्र और स्त्री सब मर गये। तब किसी धार्मिक ने मुझे उपदेश दिया कि आप दान-धर्म कीजिये, उन्हीं के कहने से मैं स्नान कर दान दे रहा हूं। मेरे नख-दांत सब टूट गये हैं, मेरे ऊपर विश्वास करो। जैसे मरुस्थल में वर्षा तथा भूखे को दिया हुआ भोजन सफल होता है, वैसे ही निर्धन को दिया हुआ दान सफल होता है। तुम निर्धन हो, इसलिये यह कंगन तुम्हें दान कर रहा हूं; क्योंकि रोगी के लिये औषधि लाभदायक होती है। जो लोग निरोगी हों, उन्हें औषधि की क्या आवश्यकता ? इसलिये मुझपर विश्वास कर तुम इस तालाब में स्नान करके यह सुवर्ण कंगन ग्रहण करो।' व्याघ्र की बातों पर विश्वास करके वह विप्र ज्यों ही स्नान करने के लिये तालाब में घुसा, वह कीचड़ में फंस गया और निकल न सका। उसको कीचड़ में फंसा देखकर 'अच्छा मैं निकालता हूं' यह कहकर व्याघ्र ने धीरे-धीरे विप्र के पास जाकर उसको पकड़ लिया। तब वह पथिक विचार करने लगा कि जो लोग अपने ज्ञान का उपयोग नहीं करते, उनका ज्ञान भी भार मात्र है, इसलिये मैंने अच्छा नहीं किया, जो एक हिंसक पशु का विश्वास कर लिया। वैसे भी कहा है कि नदियों का, हाथ में शस्त्र लिये शत्रु का, नख और सींग वाले जन्तुओं का तथा राजकुल का विश्वास कभी नहीं करना चाहिये। सोने के मृग का होना यद्यपि असंभव है, तथापि दशरथ नन्दन राम मृग के लोभ में पड़े। जबकि उनको पता था कि सोने का मृग नहीं हो सकता। प्रायः विपत्ति आने पर मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। मेरा भी यही हाल हुआ है, जो लोभ में आकर मुझे अपने प्राण गवां ने पड़ रहे हैं। विप्र पथिक ऐसा सोच ही रहा था कि वृद्ध व्याघ्र ने उसको मारकर खा लिया।

### अपने आप को सात्विक रूप से सक्रिय रखना आवश्यक

सभी कहते हैं धैर्य रखो, लेकिन जब अवसर आता है तो धैर्य छूट जाता है। तब कुछ क्रियाएं है, जो अगर आप नियमित करें तो अपने-आप धैर्य का जन्म हो जाएगा। उनमें से एक है- कर्मकांड। पिछले दिनों मैं कोलकाता में कथा कर रहा था तो वहां मैंने अच्छे पढ़े-लिखे हाइटेक लोगों को कर्मकांड करते देखा।

सात दिन तक वो रोज तीन घंटे कर्मकांड करते और फिर कथा सुनते। तो मैंने पूछा कि आप लोग जो तार्किक हैं, वो इतनी देर तक कर्मकांड करते हैं तो क्या मिलता है? ज्यादातर लोगों ने एक बहुत अच्छी बात बोली कि हमारे भीतर एक धैर्य का जन्म हो रहा है।

उन लोगों का कहना था कि हम एक अलग दुनिया में डूब जाते हैं। पंडित जी मंत्रोच्चार कराते हैं, क्रियाएं कराते हैं। पहले तो लगता था अंधविश्वास है पर जब किया तो लगा यह प्रकृति से जुड़ने का ढंग है। तनाव कम हो रहा है। मेडिटेशन में भी मदद मिलती है। हम अधिक रचनात्मक होते हैं। शरीर को भी अनुशासन की ड्रिल मिलती है। तो क्यों न कर्मकांड करें और अपने को सात्विक रूप से सक्रिय रखें।

# पहाड़ों पर साक्षात नजर आता है प्राकृतिक 'ॐ'

## महादेव की इस दिव्य तपोस्थली के दर्शन मात्र से मिल जाती है परम शांति

भारत प्रकृति की अपार सुंदरता और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा देश है। यहां ऐसी कई अनोखी जगहें हैं, जहां घूमने या दर्शन करने मात्र से मन तरोताजा हो जाता है और भक्ति भाव से भर उठता है। जब बात देवाधिदेव महादेव की होती है, तो देश में उनकी शक्ति और दिव्यता को दिखाने वाली अनेक पवित्र जगहें मौजूद हैं। इन्हीं में से एक अद्भुत स्थान है उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित ॐ पर्वत। धार्मिक मान्यता है कि इस पवित्र पर्वत करने मात्र से शिव के होने का अहसास होता है और मानसिक शांति भी मिलती है। अगर आप गर्मियों की छुट्टियों में जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह जगह एकदम परफेक्ट है।

**प्रकृति ने खुद रच दिया ॐ**

उत्तराखंड की देवभूमि में स्थित पिथौरागढ़ जिला ना केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां महादेव की तपोस्थली भी है। पहाड़ों के बीच स्थित एक अनोखा पर्वत, जहां प्रकृति ने खुद ही पवित्र हिंदू प्रतीक 'ॐ' का भव्य रूप रच दिया है। इसे ओम पर्वत के नाम से जाना जाता है। दूर से देखने पर यह पर्वत बिल्कुल ॐ के आकार में नजर आता है, जो श्रद्धालुओं के मन में भक्ति और आश्चर्य दोनों भर देता है। ओम पर्वत हिमालय पर्वतमाला का हिस्सा है और पिथौरागढ़ जिले में स्थित नाभीढांग (नबीधांग) क्षेत्र में 5900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह पर्वत कृत्रिम नहीं, बल्कि पूरी तरह प्राकृतिक रूप से बना हुआ है।

धार्मिक ग्रंथों में ॐ की उत्पत्ति

धार्मिक ग्रंथों में 'ॐ' की उत्पत्ति का उल्लेख मिलता है। शिव पुराण के अनुसार ॐ की उत्पत्ति ब्रह्मांड की रचना से पहले हुई थी। पौराणिक मान्यताओं में विश्व के आठ छिपे हुए प्राकृतिक ॐ प्रतीकों में से एक उत्तराखंड का ॐ पर्वत है। हिंदू और बौद्ध दोनों धर्मों में इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है और इसे भगवान शिव का निवास स्थान भी समझा जाता है।

आदि कैलाश नाम से भी है फेमस

ॐ पर्वत कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर पड़ता है। श्रद्धालु नाभीढांग शिविर से इस पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। नाभीढांग शिविर पिथौरागढ़ से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से ॐ पर्वत साफ दिखाई देता है। यह स्थान आदि कैलाश या छोटा कैलाश के नाम से भी प्रसिद्ध है। श्रद्धालु बताते हैं कि आदि कैलाश और ॐ पर्वत के दर्शन मात्र से मन को असीम शांति और परमानंद की अनुभूति होती है।

**कैसे पहुंचें ओम पर्वत**

अब सवाल है कि महादेव के इस दिव्य स्थान के दर्शन को ओम पर्वत कैसे पहुंचें? इसके लिए सबसे पहले पिथौरागढ़ पहुंचना होता है। यहां से धारचूला होते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। धारचूला में एसडीएम कार्यालय से इनर लाइन परमिट लेना अनिवार्य है। इसके बाद टैक्सी से आसानी से नाभीढांग तक पहुंचा जा सकता है। छोटा कैलाश तक पहुंचने के लिए कई रास्ते हैं। नैनी सैनी हवाई अड्डे से स्थल 175 किलोमीटर दूर है। वहीं, काठगोदाम रेलवे स्टेशन से 422 किलोमीटर व सड़क मार्ग से पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय से 178 किलोमीटर दूर है।

**टूरिस्टों के लिए भी आकर्षण का केंद्र**

श्रद्धालु कहते हैं कि यह यात्रा सिर्फ दर्शन की नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शुद्धि और जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति की यात्रा है। उत्तराखंड को देवभूमि कहे जाने का एक कारण यही पवित्र स्थल भी है। आध्यात्मिक पर्यटन के लिए हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। ओम पर्वत ना सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि प्रकृति प्रेमियों और एडवेंचर टूरिस्टों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। दूर-दूर से लोग यहां महादेव की तपोस्थली के दर्शन करने आते हैं। कई लोग मानते हैं कि यहां आकर मन की सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं और भक्ति भाव से मन भर जाता है।

# गौतम बुद्ध की ऐसी सीख जो जीने के नजरिया बदल देगा

गौतम बुद्ध एक बार अपने शिष्यों को उपदेश दे रहे थे। उनके शिष्यों में एक ऐसा शिष्य भी था जो किसी से कोई बात नहीं किया करता था। शांति बैठ जाया करता था। कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। यहां पढ़ें गौतम बुद्ध की खास सीख।

गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनके शिष्यों में से एक शिष्य ऐसा भी था जो किसी से ज्यादा बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देता था। काम पूरा होने के बाद वह एकांत में चला जाता और ध्यान में बैठ जाया करता था।

कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। जब धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी, तब बुद्ध ने सोचा कि उससे बात करनी चाहिए। एक दिन उस शिष्य से बुद्ध ने पूछा,'तुम अन्य शिष्यों से ऐसा व्यवहार क्यों करते हो? सभी शिष्य तुम्हारी शिकायत कर रहे हैं।'

शिष्य ने ध्यान से महात्मा बुद्ध की बात सुनी, फिर क्षमा प्रार्थना के स्वर में उनसे बोला, 'तथागत, मैंने यह तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा?'उस शिष्य की ये बातें सुनकर बुद्ध को भी आश्चर्य हुआ। वह उसका आशय तो तत्काल समझ गए, उसकी साधना और लगन की गहराई से प्रभावित भी हुए, लेकिन उससे कुछ और नहीं बोले। उसके जाने के बाद बुद्ध ने अन्य शिष्यों को समझाया, 'तुम सबने इस एकांतप्रिय शिष्य की गलत शिकायत की है। तुम लोगों ने उसे जाने बिना उसके बारे में अपनी गलत राय बना ली। तुमने देखा कुछ और, समझा कुछ और। हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। पहले उस व्यक्ति से मिलें, उसकी गतिविधियों को देखें। हो सके तो उससे संवाद के जरिए उसकी गतिविधियों के पीछे के भाव को समझें। उसकी बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।' बुद्ध की बातें सुनकर सभी शिष्यों को अपनी गलती पर पश्चाताप हुआ। उन सभी ने एकांतप्रिय शिष्य से माफी भी मांगी।

### पेड़-पौधे हमें शुद्ध हवा, फल, छाया देते हैं; इनके बिना नदियां, पर्वत, खेत सुरक्षित नहीं रह सकते

वर्तमान में हरियाली कम होती जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि हमने अपने ऋषि-मुनियों की शिक्षाओं को भुला दिया है। हमारे शास्त्रों में वृक्षों को पूजनीय और बहुत उपयोगी बताया गया है। पेड़-पौधे हमें शुद्ध हवा, फल, छाया देते हैं, वर्षा भी वृक्षों की वजह से ही होती है। इनके बिना नदियां, झीलें, पर्वत, खेत और जलाशय सुरक्षित नहीं रह सकते। हमें पेड़ों की कटाई रोकनी चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए।

# अगस्त तक के लिए टली सीएम विजय और संगीता के तलाक के केस की सुनवाई, अभिनेता पर लगे हैं ये आरोप

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि वह और उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम की तलाक की अर्जी पर सोमवार सुबह चेंगलपट्टू महिला अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई को 7 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है।

**20 अप्रैल को पेश नहीं हुआ कपल**

आपको बता दें कि फरवरी में संगीता ने तलाक की अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विजय का किसी और महिला के साथ अफेयर चल रहा था। यह मामला शुरू में 20 अप्रैल के लिए लिस्ट किया गया था। जब विजय और संगीता पहली सुनवाई के लिए पेश नहीं हुए, तो चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट ने उन्हें 15 जून को पेश होने का आदेश दिया था।

**विजय पर अफेयर का आरोप**

संगीता के मुताबिक उन्हें 2021 में पता चला था कि विजय का किसी दूसरी महिला के साथ अफेयर है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने विजय से इस बारे में बात की, तो उन्होंने बार-बार भरोसा दिलाया कि वे यह रिश्ता खत्म कर देंगे। अर्जी में दावा किया गया कि उन्होंने न केवल रिश्ता जारी रखा, बल्कि उस अभिनेत्री के साथ ट्रिप पर भी गए और इवेंट्स में भी शामिल हुए।

**बच्चों को होना पड़ा शर्मिंदा**

याचिका में यह भी बताया गया कि इस मामले की वजह से उनके दो बच्चों, जेसन संजय और दिव्या साशा, को अपमानित होना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि उस अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर विजय के साथ बाहर घूमने-फिरने की तस्वीरें शेयर की थीं।

**संगीता पर लगी आर्थिक पाबंदी**

संगीता ने यह भी आरोप लगाया कि विजय ने उन्हें पहले मिलने वाली सुविधाएं बंद कर दीं और उन पर आर्थिक पाबंदियां लगाईं। यहां तक कि उनके कहीं आने-जाने पर भी रोक लगा दी।

**कब हुआ थी शादी?**

अपनी अर्जी में उन्होंने फिर से कहा कि उन्हें बहुत ज्यादा मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। इन दावों के आधार पर, स्पेशल मैरिज एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत तलाक का मामला दायर किया गया।

विजय और संगीता की शादी 1999 में हुई थी और अब वे अपनी 27 साल पुरानी शादी को खत्म करना चाहते हैं।

काम की बात करें तो, विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कझगम' (टीवीके) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन', जो जनवरी में रिलीज होने वाली थी, अभी भी सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के पास अटकी हुई है।

# 'बुड्ढे नहीं, वो विंटेज मॉडल हैं'; अरबाज खान के साथ 23 साल उम्र के फासले पर पत्नी शूरा खान ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान और शूरा खान ने साल 2023 में शादी रचाई। कपल एक बिटिया के माता-पिता हैं। अरबाज खान अपनी पत्नी शूरा से करीब 23 साल बड़े हैं। उम्र के इस फासले को लेकर दोनों को अक्सर ट्रोल किया जाता है। अरबाज इसे लेकर चुप्पी तोड़ चुके हैं। हाल ही में शूरा खान ने भी इस पर रिएक्शन दिया है।

**शूरा खान ने क्या कहा?**

शूरा खान ने हाल ही में एक ऑनलाइन चैट सैशन रखा, जहां फैंस के कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए। शूरा के इस 'सवाल पूछो' सैशन के दौरान एक यूजर ने पूछा 'क्या एक बूढ़े शख्स के साथ आप खुश हैं'? शूरा ने बहुत ही सलीके से और सहज अंदाज में इसका जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'क्या सच में? वे कोई बूढ़े शख्स नहीं हैं। वे एक लिमिटेड-एडिशन विंटेज मॉडल हैं।

**किसने रखा अरबाज और शूरा की बेबी गर्ल का नाम?**

शूरा ने इसके अलावा कई और दिलचस्प सवालों के जवाब दिए। उनसे पूछा गया कि उनकी बिटिया का नाम किसने रखा है? इस पर शूरा ने बताया, 'सलीम अंकल यानी अरबाज खान के पिता ने रखा है।' बता दें कि अरबाज और शूरा की बेटी का नाम सिपारा अरबाज खान है। यह नाम बेबी गर्ल के दादू ने उन्हें दिया है।

**अरबाज के साथ पहली डेट का किया खुलासा**

शूरा से एक फैन ने पूछा, 'अरबाज के साथ अपनी पहली डेट के लिए आपने हां क्यों कहा'? इस पर शूरा ने जवाब लिखा, 'मैं उनसे एक शर्त हार गई थी, इसलिए मुझे उन्हें डिनर पर ले जाना पड़ा'। एक यूजर ने पूछा कि अब आपका प्रोफेशन क्या है? इस पर शूरा ने कहा, 'होम मेकर। पूरी तरह एक मां और पत्नी'। वहीं, जब उनसे मदरहुड के बारे में पूछा गया तो शूरा ने बताया, 'यह एक जादुई यात्रा है, जिसमें मैं एक ही समय में थक भी जाती हूं, मजा भी आता है और हर 12 सेकंड में मुझे पुकारा भी जाता है'। एक यूजर ने लिखा, 'आप थोड़े मोटे हो गए हो'। इस पर शूरा ने हंसते हुए लिखा, 'थोड़े? मेरा 20 किलो वजन बढ़ गया है'।

**कौन हैं शूरा खान?**

बता दें कि अरबाज खान की पहली शादी 1998 में एक्ट्रेस मॉडल मलाइका अरोड़ा से हुई थी। इनका एक बेटा अरहान खान है। मगर, साल 2017 में अरबाज और मलाइका का तलाक हो गया। इसके बाद अरबाज की जिंदगी में शूरा आईं और साल 2023 में दोनों ने शादी रचा ली। शूरा खान एक एक प्रोफेशनल सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं। उन्होंने लंबे समय तक मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी के साथ काम किया है।

# 'स्ट्रीट डॉग' वाले बयान पर ट्रोल हुए राघव लॉरेंस

## एक्टर ने विवाद पर दी सफाई, कहा- 'बात को गलत ढंग से पेश किया'

दरअसल, एक प्रेस बातचीत के दौरान उनके बयान को लेकर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया था और आरोप लगाया कि उन्होंने लोगों की तुलना कुत्तों से की है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब राघव लॉरेंस ने विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कझगम सरकार पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी नई सरकार को काम समझने और खुद को सेट करने में थोड़ा समय लगता है।

अपनी बात समझाने के लिए उन्होंने एक उदाहरण दिया। लॉरेंस ने कहा, 'हम जब नया घर लेते हैं, तो एक-दो बार देखकर लेते हैं। लेकिन जब उसमें रहने लगते हैं, तब धीरे-धीरे उसकी दिक्कतें समझ आती हैं। यहां तक कि इलाके का एक आवारा कुत्ता भी हमें देखकर भौंकता है। उसे अपनाने के लिए हमें कभी बिस्किट या कभी बिरयानी देनी पड़ती है। यही हाल नई जगह और नए सिस्टम का होता है। आपने उन्हें एक राज्य दिया है, थोड़ा समय दीजिए।'

**सोशल मीडिया पर हुआ बवाल**

जैसे ही इस बातचीत के छोटे-छोटे क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हुए, कई लोगों ने यह समझ लिया कि लॉरेंस लोगों की तुलना कुत्तों से कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा।

**राघव लॉरेंस की सफाई**

विवाद बढ़ने के बाद लॉरेंस ने एक्स पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने लिखा, '"मैं हमेशा कहता हूं कि मेरे फैंस और लोग मेरे लिए मां के समान हैं। कुछ लोग झूठ फैला रहे हैं कि मैंने लोगों को कुत्ता कहा, जो बिल्कुल गलत है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मतलब सिर्फ इतना था कि जब हम नई जगह जाते हैं, तो वहां के माहौल और आसपास के लोगों व चीजों को समझने में समय लगता है। मैंने कहीं भी लोगों के लिए ऐसा शब्द इस्तेमाल नहीं किया।' लॉरेंस ने लोगों से अपील की कि वे पूरा वीडियो देखें और फिर अपनी राय बनाएं। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी का अपमान करना नहीं था। राघव लॉरेंस साउथ इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कोरियोग्राफर के रूप में की थी और बाद में एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर अपनी पहचान बनाई।

# बेटे राम चरण की 'पेद्दी' को लेकर चिरंजीवी ने दिया बड़ा बयान

चिरंजीवी ने राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' को लेकर दिल से बात की है। उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें अपने बेटे पर बहुत गर्व है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी माना कि उन्हें थोड़ी सी जलन भी महसूस हुई।

**फिल्म को लेकर क्या बोले चिरंजीवी?**

चिरंजीवी ने बताया कि 'पेद्दी' वैसी ही स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जैसी फिल्म करने की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सिर्फ एक कमर्शियल एंटरटेनर नहीं है, बल्कि इसमें एक अच्छी सीख और प्रेरणा देने वाला संदेश भी है।

एक बातचीत के दौरान चिरंजीवी ने कहा, 'आजकल कुछ लोग कह रहे हैं कि राम चरण, चिरंजीवी से भी बेहतर हैं। एक पिता के तौर पर मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। लेकिन एक अभिनेता के तौर पर इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल होता है।'

**ऐसा रोल करना चाहते थे चिरंजीवी**

उन्होंने आगे बताया कि वह हमेशा से एक स्पोर्ट्स बेस्ड फिल्म करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ऐसे मौके नहीं मिल रहे थे, तब हिंदी फिल्म 'दंगल' आई। उसे देखने के बाद मैंने सोचा कि मुझे भी ऐसी ही फिल्म करनी है। लेकिन मेरे पास कभी ऐसी कहानी लेकर कोई निर्देशक नहीं आया।'

**4 जून को रिलीज हो गई है 'पेद्दी'**

राम चरण 'पेद्दी' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह एक ऐसे गांव के व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं जो एक स्पोर्ट्स स्टार होने के साथ-साथ एक कम्युनिटी लीडर भी है। इसमें जान्हवी कपूर, बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु भी अहम भूमिकाओं में हैं।

# एक मुंज्या के चलने, उसके 100 करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुले : शरवरी वाघ

हॉरर कॉमिडी फिल्म मुंज्या की अप्रत्याशित सफलता के बाद ऐक्ट्रेस शर्वरी वाघ के सितारे इन दिनों काफी बुलंद हैं। एक ओर वह अली अब्बास जफर की अहान पांडे स्टारर और आलिया भट्ट के साथ अल्फा जैसी बड़ी फिल्में कर रही हैं, वहीं जल्द ही इम्तियाज अली की पीरियड रोमांस फिल्म मैं वापस आऊंगा में भी मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि, इससे पहले शर्वरी ने अपनी बहुचर्चित डेब्यू फिल्म बंटी और बबली 2 की असफलता भी देखी। ऐसे में, सफलता और असफलता को लेकर शर्वरी का कहना है कि करियर के शुरुआती दौर में बॉक्स ऑफिस उतना मायने नहीं रखता, लेकिन एक बड़ी सफलता कई और दरवाजे जरूर खोल देती है।

**'फिल्म चलती है तो मौके बढ़ते हैं'**

बकौल शर्वरी, 'हमारा मकसद तो हर फिल्म को लेकर एक ही होता है। हम हर फिल्म उतने ही दिल से, उसी जुनून से करते हैं। मेरी कोशिश हर फिल्म में यही होती है कि हर किरदार को पूरी ईमानदारी से कर पाऊं। मेरा मानना है कि बॉक्स ऑफिस इतने शुरुआत में इतना मायने नहीं रखता है, लेकिन यह जरूर होता है कि एक मुंज्या के चलने, उसके सौ करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुल जाते हैं। वह जरूर होता है और आप उस मौके को जितनी जल्दी पकड़ सकें, अपनी कड़ी मेहनत से उसका लाभ उठा सकें और बेहतर काम कर सकें तो अच्छा है और यही मैंने किया।'

बॉक्स ऑफिस इतने शुरुआत में इतना मायने नहीं रखता है, लेकिन यह जरूर होता है कि एक मुंज्या के चलने, उसके सौ करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुल जाते हैं।

**'शिद्दत वाले प्यार का अहसास नहीं बदलता'**

शर्वरी की नई फिल्म 1947 के बंटवारे के पहले की लव स्टोरी सुनाती है। ऐसे में, तब और अब के प्यार में आए बदलावों पर शर्वरी का कहना है, 'प्यार तो प्यार ही होता है, चाहे वो उस जमाने का हो, आज का हो, या फिर आने वाले कल का है। दो लोगों के बीच जो प्यार होता है वो बहुत ही अनमोल होता है। हां, आज शायद प्यार की भाषा थोड़ी अलग है, मगर जब दो दिल मिलते हैं तो फीलिंग एक सी ही होती है, क्योंकि प्यार तो यूनिवर्सल होता है। हालांकि, मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।'

मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।

**'सौ साल पुराने घर में मिलता है सुकून'**

वहीं, वह जगह जहां शर्वरी को बार-बार लौटने का मन करता है, यह पूछने पर उन्होंने बताया, 'मेरे लिए वह जगह मेरा पैतृक घर है। हमारे गांव मोरगांव में हमारा एक घर है। वह घर 100 साल पुराना है। हम मराठी में उसे वाड़ा कहते हैं। हम अब भी हर साल गणपति में वहां जाते ही हैं। वो मेरी सबसे पसंदीदा जगह है। वहां जाकर मुझे अलग ही सुकून मिलता है। वहां मेरे दादा-परदादा सबकी फोटो लगी हैं, उनके कॉलेज की डिग्री लगी है। कई बार मेरा मन करता है कि अगर मैं पुराने वक्त में जा पाऊं तो मैं देखना चाहूंगी कि पहले वो घर कैसा था? उसे कैसे सजाते थे? क्योंकि वहां पर ऐसी कई चीजें हैं, जहां शायद झूला लग सकता था या बेड भी लग सकता था तो मेरा मन करता है कि काश मैं वो सब देख पाती।'

मेरे लिए वह जगह मेरा पैतृक घर है। हमारे गांव मोरगांव में हमारा एक घर है। वह घर 100 साल पुराना है। हम मराठी में उसे वाड़ा कहते हैं। हम अब भी हर साल गणपति में वहां जाते ही हैं। वो मेरी सबसे पसंदीदा जगह है। वहां जाकर मुझे अलग ही सुकून मिलता है।

**'खुद की नहीं, फिल्म की सोचती हैं आलिया'**

शर्वरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ वाली ऐक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में हैं। आलिया के साथ काम करने अनुभव पर शर्वरी ने कहा, 'आलिया फिल्म की एक सहयोगी, एक दोस्त की तरह काम करती हैं। यह उनकी सबसे बेहतरीन क्वॉलिटी है कि वह सबको साथ लेकर चलती हैं। वह फिल्म की बेहतरी के लिए काम करती है, न कि अपनी बेहतरी के लिए, यह उनकी सबसे बड़ी खासियत है।'

# 'कुमकुम भाग्य' फेम संचिता उगले ने पंखे से लटककर की आत्महत्या, 19 घंटे पहले शेयर किया था वीडियो

टीवी की मशहूर अभिनेत्री संचिता उगले का 30 साल की उम्र में निधन हो गया है। मुंबई के नालासोपारा में मौजूद उनके घर में फंदे से लटका उनका शव मिला है। घटना रविवार शाम करीब 6:30 से 7:30 बजे के बीच की बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार संचिता नालासोपारा पूर्व के आचोले गांव में अपने माता-पिता और 15 वर्षीय बहन के साथ रहती थीं। रविवार शाम घर में अकेली होने के दौरान उन्होंने कथित रूप से सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

**पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई लाश**

पुलिस के मुताबिक परिजन अभिनेत्री को फौरन महानगर पालिका के तुलिंज अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के सदस्यों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौत के कारणों की जांच शुरू की।मौत का सही कारण का पता लगाने के लिए बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और जांच कर रही है। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

**फिल्मों में भी नजर आईं अभिनेत्री**

संचिता उगले ने कई टीवी धारावाहिकों और फिल्मों में काम किया था। उन्होंने शो 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' में सुकून की भूमिका निभाई थी। उन्होंने फिल्म 'छावा' में ताराबाई का किरदार भी निभाया था। इसके अलावा 'कुमकुम भाग्य' और 'वागले की दुनिया' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में भी वह नजर आ चुकी थीं।

# क्या है रश्मिका मंदाना की खूबसूरती का राज?

## फैन के सवाल का अभिनेत्री ने दिया ये दिलचस्प जवाब

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच वह इंस्टाग्राम पर लाइव आईं और उन्होंने अपने फैन से बातचीत की। उन्होंने एक फैन से बताया कि उनकी ग्लोइंग स्किन का राज क्या है। आइए जानते हैं दोनों के बीच क्या बातचीत हुई है?

**क्या है रश्मिका का ब्यूटी सीक्रेट?**

इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान रश्मिका के एक फैन ने उनसे उनकी ग्लोइंग स्किन का राज पूछा। इसके जवाब में रश्मिका ने प्रोडक्ट या वेलनेस ट्रेंड्स की सलाह देने के बजाय एक दिल को छू लेने वाला जवाब दिया। जिसे सुनकर फैंस ने उनकी काफी तारीफ की।

**रश्मिका ने दी ये सलाह**

रश्मिका ने कहा 'ऐसे लोगों के साथ रहो, जो तुम्हारे भीतर के बच्चे को जिंदा रखें। जो अपने भीतर के बच्चे को भी खुश और सुरक्षित रखें। जब तुम दोनों अपने इस मासूम हिस्से की रक्षा करोगे,

तब तुम सच में खुश रहोगे।' उनका मतलब था कि खुश और पॉजिटिव रहने ने स्किन ग्लो करती है।

**किस काम से मिली सबसे ज्यादा खुशी?**

इसी सेशन के दौरान एक यूजर ने उनकी शादी और जिंदगी से जुड़ा सवाल पूछा। फैन को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि जैसे कोई सपना सच हो गया हो। एक दूसरे फैन ने उनसे पूछा कि रश्मिका ने अपने जीवन में सबसे खुशी वाला कौन सा काम किया है? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा 'मैंने अपने बेस्ट फ्रेंड से शादी की है।'

रश्मिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई। इसमें उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई है। वह जल्द ही 'कॉकटेल 2', 'मायसा', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' जैसी फिल्मों का हिस्सा होंगी।

## जामुन खाने के बाद कभी न खाएं ये चीजें, वरना शरीर को पहुंचेगा नुकसान

बरसात के मौसम में मिलने वाला जामुन स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह फल एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, आयरन और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने, ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने और इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, जामुन खाने के फायदे तभी मिलते हैं जब इसे सही तरीके से खाया जाए।

आयुर्वेद और पारंपरिक स्वास्थ्य मान्यताओं के अनुसार, जामुन खाने के तुरंत बाद कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इससे गैस, अपच, पेट दर्द या अन्य असहजता महसूस हो सकती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि जामुन खाने के बाद किन चीजों से परहेज करना चाहिए। आइए जानते हैं उन 5 खाद्य पदार्थों के बारे में जिन्हें जामुन खाने के तुरंत बाद खाने से बचना बेहतर माना जाता है।

**दूध**

जामुन खाने के तुरंत बाद दूध पीने से बचने की सलाह दी जाती है।

जामुन और दूध का संयोजन कुछ लोगों के पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

इससे गैस, पेट फूलना, अपच और भारीपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जामुन खाने के कम से कम 1 से 2 घंटे बाद ही दूध का सेवन करना बेहतर होता है।

**दही**

दही एक प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थ है, लेकिन जामुन खाने के तुरंत बाद इसका सेवन कुछ लोगों में पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ा सकता है। जामुन की तासीर और दही की प्रकृति अलग होने के कारण पेट में असहजता, गैस या एसिडिटी की शिकायत हो सकती है।

खासकर जिन लोगों का पाचन तंत्र संवेदनशील होता है, उन्हें इस संयोजन से बचने की सलाह दी जाती है।

**अचार**

अचार में नमक, तेल और मसालों की मात्रा अधिक होती है।

जामुन खाने के बाद अचार का सेवन करने से पेट में जलन, एसिडिटी और अपच की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा अचार में मौजूद तीखे मसाले जामुन के प्राकृतिक गुणों को प्रभावित कर सकते हैं।

जामुन खाने के बाद कुछ समय तक अचार और अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना बेहतर माना जाता है।

**अधिक मसालेदार भोजन**

जामुन खाने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा तीखा या मसालेदार भोजन करने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

इससे पेट में गैस, जलन, एसिडिटी और ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मसालेदार भोजन और जामुन का यह संयोजन कुछ लोगों में पेट की संवेदनशीलता को बढ़ा सकता है।

## कहीं आप भी तो नहीं हैं मच्छरों के फेवरेट?
### कुछ लोगों को ज्यादा क्यों काटते हैं मच्छर

आज वर्ल्ड डेंगू डे है, मच्छरों के कारण होने वाली डेंगू बीमारी को लेकर लोगों को जागरूक करने और इससे बचाव को लेकर सावधान करने के उद्देश्य से ये मनाया जाता है। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट में हमने बताया कि कैसे डेंगू की स्थिति कुछ लोगों में जानलेवा हो जाती है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दिनों में मच्छरजनित बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के कारण हर साल हजारों लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। मच्छरों के खतरे को कम करने के लिए पानी न जमा होने देने, पूरे कपड़े पहनने और मच्छरों से बचाव के तरीके अपनाने की सलाह दी जाती रही है।

क्या आपने भी गौर किया है कि कुछ लोगों मच्छर ज्यादा काटते हैं? एक ग्रुप में कुछ लोग मच्छरों की शिकायत ज्यादा करते हैं? आखिर इसका क्या कारण है, क्या ये केवल संयोग है या फिर इसके पीछे कोई वैज्ञानिक कारण हैं?

**क्यों ज्यादा काटते हैं मच्छर?**

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मच्छर अपने शिकार को चुनने के लिए कई संकेतों का इस्तेमाल करते हैं। शरीर की गंध, त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया, शरीर का तापमान और यहां तक कि कुछ खास तरह के ब्लड ग्रुप भी मच्छरों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं।

आइए जान लेते हैं कि किन स्थितियों में आप मच्छरों के फेवरेट शिकार बन जाते हैं?

**शरीर की गंध पहचानते हैं मच्छर**

अध्ययनों में पाया गया है कि मच्छर हमारे शरीर से निकलने वाली गंध को पहचानते हैं। हमारी त्वचा पर लाखों बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। ये बैक्टीरिया पसीने में मौजूद तत्वों को तोड़कर अलग-अलग तरह की गंध पैदा करते हैं।

रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ लोगों की त्वचा से निकलने वाले कार्बोक्सिलिक एसिड नाम का रसायन मच्छरों को अधिक आकर्षित करते हैं।

जिन लोगों के शरीर से इन रसायनों की मात्रा ज्यादा निकलती है, उन्हें मच्छर दूसरों की तुलना में अधिक काटते हैं।

**ब्लड ग्रुप ओ मच्छरों का सबसे पसंदीदा**

जापान में हुए अध्ययन में पाया गया कि मच्छर कुछ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को ज्यादा पसंद कर सकते हैं। जिन लोगों का ब्लड ग्रुप ओ होता है, उन्हें दूसरे ब्लड ग्रुप वालों की तुलना में ज्यादा मच्छर काटते हैं। मच्छर त्वचा से निकलने वाले रासायनिक संकेतों के आधार पर ब्लड ग्रुप का पता लगाते हैं।

## कम उम्र में बूढ़ा हो रहा भारतीयों का दिल, मोटापा और खराब जीवनशैली बढ़ा रहे हृदय रोग का खतरा

डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि भारत में बढ़ते मोटापे के कारण कई लोगों की कार्डियक एज यानी उनके हृदय की उम्र उनकी वास्तविक उम्र से कहीं अधिक जल्दी बढ़ रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, इसका मतलब हृदय और रक्त वाहिकाओं का तेजी से बूढ़ा होना है, जिससे कम उम्र में ही हृदय रोग, स्ट्रोक और हृदय से जुड़ी अन्य दिक्कतों का खतरा बढ़ता जा रहा है।

दरअसल, विशेषज्ञों की यह चेतावनी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के नतीजों के बाद सामने आई है। इसमें भारतीय वयस्कों में मोटापे में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। सर्वे में देखा गया कि 2023-24 में 15-49 साल की उम्र की 30.7 फीसदी महिलाएं मोटापे से ग्रस्त थीं, जबकि 2019-21 के एनएफएचएस-5 में यह आंकड़ा 24 फीसदी था। वहीं, पुरुषों में यह अनुपात 22.9 फीसदी से बढ़कर 27.3 फीसदी तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते मधुमेह और उच्च रक्तचाप के साथ यह प्रवृत्ति हृदय रोगों का बोझ और बढ़ाएगी।

**जीवनशैली में सुधार व सक्रिय दिनचर्या जरूरी**

दिल्ली एम्स में कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर डॉ नितीश नाइक के मुताबिक, कार्डियक उम्र व्यक्ति की वास्तविक उम्र नहीं बल्कि उसके हृदय-तंत्र की सेहत को बताती है। मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और निष्क्रिय जीवनशैली वाला 35 साल का इंसान भी किसी अधिक उम्र वाले व्यक्ति जितना हृदय जोखिम झेल सकता है। उन्होंने कहा कि कई भारतीय इस बात से अनजान हैं कि दिल और रक्त वाहिकाओं को नुकसान अक्सर लक्षण दिखने से कई साल पहले ही शुरू हो जाता है। ऐसे में जीवनशैली में सुधार व सक्रिय दिनचर्या बेहद जरूरी है।

**धूम्रपान छोड़, वक्त पर इलाज से हृदय को रखा जा सकता है जवां**

इस सबके बीच अच्छी खबर यह है कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और शर्करा युक्त पेयों से दूरी, 7–8 घंटे की नींद, वजन नियंत्रण, धूम्रपान छोड़ना और वक्त पर इलाज अपनाकर हृदय को जवां रखा जा सकता है। वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ एचएस इस्सर ने कहा कि पेट के आसपास की अतिरिक्त चर्बी सूजन, खराब कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह और उच्च रक्तचाप को बढ़ाती है, जिससे हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर और स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है।

## डेंगू के इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज
### समय रहते पहचानना है बेहद जरूरी

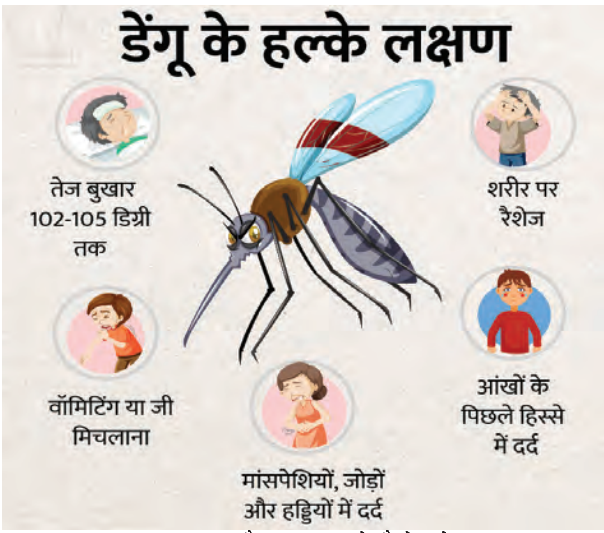


हर साल बारिश का मौसम आते ही डेंगू के मामलों में तेजी देखने को मिलती है। मच्छरों से फैलने वाली यह बीमारी कई बार गंभीर रूप ले सकती है और समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा भी साबित हो सकती है।

ऐसे में जब आज विश्व डेंगू दिवस है तो इस मौके पर लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे लग सकते हैं, लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

यदि डेंगू की पहचान शुरुआती चरण में हो जाए तो इलाज आसान हो जाता है और जटिलताओं का खतरा भी कम हो जाता है। ऐसे में हर व्यक्ति को इसके प्रमुख लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी होना जरूरी है। आइए जानते हैं डेंगू के 5 अहम लक्षण, जिन्हें देखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

**1. तेज बुखार**

डेंगू का सबसे पहला और सबसे आम लक्षण अचानक तेज बुखार आना होता है, जो 102 से 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच सकता है।

यह बुखार सामान्य वायरल फीवर से अलग होता है क्योंकि यह अचानक शुरू होता है और 2 से 7 दिनों तक बना रह सकता है।

इसके साथ ठंड लगना, कंपकंपी और अत्यधिक कमजोरी भी महसूस हो सकती है।

**2. सिर और आंखों के पीछे दर्द**

डेंगू में मरीज को तेज सिरदर्द के साथ आंखों के पीछे में असहनीय दर्द होता है।

यह दर्द खासतौर पर आंखें घुमाने या रोशनी में देखने पर और बढ़ जाता है।

यह लक्षण डेंगू को सामान्य बुखार से अलग पहचानने में मदद करता है।

**3. शरीर और जोड़ों में दर्द**

डेंगू को हड्डी तोड़ बुखार कहा जाता है क्योंकि इसमें शरीर, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द होता है। मरीज को उठने-बैठने और चलने-फिरने में भी परेशानी हो सकती है।

यह दर्द कई बार इतना ज्यादा होता है कि व्यक्ति पूरी तरह कमजोर महसूस करने लगता है।

**4. त्वचा पर लाल चकत्ते**

डेंगू के दौरान शरीर पर लाल रंग के रैशेज या चकत्ते दिखाई देते हैं।

ये अक्सर बुखार कम होने के बाद या बीमारी के मध्य चरण में नजर आते हैं।

यह त्वचा पर खुजली और जलन भी पैदा कर सकते हैं और संक्रमण की गंभीरता का संकेत हो सकते हैं।

**5. कमजोरी और थकान**

डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को लगातार थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी महसूस होती है।

यहां तक कि बुखार उतरने के बाद भी शरीर कई दिनों तक सामान्य स्थिति में नहीं आ पाता।

यह लक्षण शरीर में प्लेटलेट्स की कमी और वायरल इन्फेक्शन के कारण होता है।

**डेंगू से बचाव के उपाय**

घर के आसपास पानी जमा न होने दें।

मच्छरदानी और रिपेलेंट का इस्तेमाल करें।

पूरी बांह के कपड़े पहनें।

बुखार होने पर तुरंत जांच करवाएं।

पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ का सेवन करें।

## सर्दी खांसी का आयुर्वेदिक उपचार

**प्रश्न : मच्छरों के आतंक से कैसे बचे? यदि मच्छरों के काटने से ज्वर हो जाता है तब क्या करें?**

**- रामप्रकाश गुप्ता, सिकंदराबाद**

उत्तर : इन दिनों मच्छरों का आतंक बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। मच्छर काटने से पहले मलेरिया का ही खतरा था, पर अब देश की राजधानी दिल्ली समेत मुंबई, पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरु में भी डेंगू पैर पसारने लगा है। मच्छरों से ही ब्रेन फीवर, येलो फीवर, फाइलेरिया व विषम ज्वर जैसे रोग हो हो सकते हैं । मच्छरों के आतंक से बचने के लिए जहां मच्छर पैदा होते हैं वहां दवाओं का छिड़काव करें। कहीं भी ठहरा हुआ पानी, कूलर में रखा पानी, गड्ढों में जमा पानी आदि है तो उसे खाली कर दे। घरों में सूखा नीम या नारियल की जुट्ट जलाएं। गुड नाइट या कोई भी श्रेष्ठ मच्छरमारक दवा का छिड़काव करें।कूलर का पानी बार-बार बदलते रहे। यदि ठंड लगकर तेज ज्वर आता हो तब मलेरिया की जांच करवाएं। मलेरिया का निदान होने पर ऊंझा महासुदर्शन घन वटी, त्रिभुवन कीर्ति रस एवं ऊंझा अमृतारिष्ट दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। डेंगू की जांच और निदान होने पर संशमनी वटी औरा गुडूची घन,औरा तुलसी घनवटी और ऊंझा वसंत मालती रस लेवें।

मच्छर को पैदा ही ना होने दें। तभी आप मच्छर से बच सकते हैं। मच्छरदानी या मॉस्किटो रेपेलेंट का प्रयोग भी निरापद है। जहां जहां गंदगी और पानी होगा वही मच्छर पैदा होंगे। इसलिए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

**प्रश्न : अक्सर भोजन से अरुचि हो जाती है। ऐसे में क्या खाएं क्या ना खाएं कृपा कर बताएं।**

**- अप्पा राव ,करीमनगर**

उत्तर : भोजन में अरुचि हो जाने पर कुछ घरेलू नुस्खे दे रहा हूं, जिनका प्रयोग करने से आपको दोबारा भोजन में रूचि हो सकती है।

*अदरक को बहुत बारीक काटकर नींबू के रस में डालकर रखें, दो-तीन घंटे के बाद उसमें सेंधा नमक मिलाकर खाने से अरुचि दूर होती है।

* खजूर को नींबू के रस के साथ चटनी बना कर खाएं ।

* संतरे के रस में सेंधा नमक व कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर पिएं।

* टमाटर का सूप बनाकर पिएं।

* मूली को बीच से चीर कर उस पर सेंधा नमक और नींबू का रस डालकर खाएं।

* गाजर के रस में काली मिर्च का चूर्ण और हल्का सा सेंधा नमक मिलाकर पिएं।

* कब्ज के कारण अरुचि हो तो पपीता काट कर सेंधा नमक, काली मिर्च, नींबू का रस मिलाकर खाएं।

* आंवले और मुनक्के को 10-10 ग्राम मात्रा में लेकर पीसकर मुंह में रखें। इसका रस चूसने से अरूचि दूर हो जाती है।

* जामुन व फालसे में सेंधा नमक मिलाकर खाएं।

* प्याज, मूली, खीरा, चुकंदर का सलाद बनाकर उसमें नींबू का रस, सेंधा नमक और काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर खाएं।

* नींबू की शिकंजी बनाकर उसमें एक लौंग और पांच कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर दिन में दो बार पिएं।

शास्त्रीय योग में लवण भास्कर चूर्ण को ताजी छाछ में मिलाकर पीने से अरुचि दूर होती है। ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण को भी छाछ के साथ मिलाकर लेने से लाभ होता है। भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अरुचि दूर होती है। मानसिक व्यग्रताजन्य अरुचि में ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस एवं ऊंझा ताप्यादि लोह लेने से लाभ होता है।

**प्रश्न : मेरी आयु 37 वर्ष है। मुझे बार-बार सर्दी खांसी की शिकायत हो जाती है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।**

**- लीलाधर शर्मा, वारंगल**

उत्तर : लगता है आपकी रोगप्रतिरोधक शक्ति कमजोर है। इसे ही इम्युनिटी कहते हैं । आज के इस करोना काल में इम्यूनिटी का मजबूत होना जरूरी है। इम्यूनिटी के कमजोर होने के कारण सर्दी, खांसी, जुखाम, हल्के बुखार पाचन तंत्र का कमजोर होना, शरीर में कमजोरी का महसूस होना होता है। अतः आप हर रोज सुबह -शाम ऊंझा रजवाड़ीप्राश 5 से 10 ग्राम की मात्रा में खूब चबाकर खाएं। अनुपान में गुनगुना दूध पिएं। भोजन करने के बाद औरा गिलोय घनवटी, औरा तुलसी घनवटी एवं अश्वगंधा घनवटी का प्रयोग करें। भोजन करने के बाद ऊंझा पंचासव या औरा ग्रेप्सविन 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

ऐसा करने से आप की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने लगेगी और बार-बार सर्दी जुकाम का होना, शरीर में कमजोरी महसूस होना खत्म हो जाएगा। पथ्य में- सीधा-साधा, ताजा, संतुलित भोजन लेवें। गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसम के फल और सब्जियों का प्रयोग अवश्य करें। हर रोज कसरत जरूर करें। यदि दिन में सोने की आदत है तो उसे बंद करें।


**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

**email :**
purushottambidada@gmail.com


**आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।**

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

## क्या कहती है आपकी कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट?
### ये रीडिंग दिल की सेहत पर पड़ सकती है भारी

खान-पान की गड़बड़ी का वैसे से पूरे शरीर पर गंभीर असर होता है, पर हृदय स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक असर काफी ज्यादा देखा जा रहा है। जंक फूड्स, तली-भुनी चीजें ज्यादा खाने, नमक और चीनी की अधिकता हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने वाली मानी जाती है, जिसका दिल की सेहत पर सीधा असर पड़ता है।

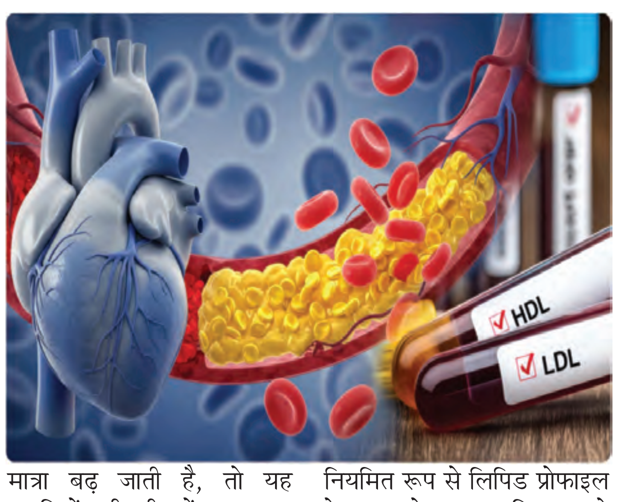


हाई कोलेस्ट्रॉल मौजूदा समय की सबसे आम, लेकिन खतरनाक स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुका है। चिंता की बात यह है कि ज्यादातर मामलों में तब तक पता ही नहीं चलता कि आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है, जब तक कोई गंभीर समस्या जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ब्लॉकेज सामने नहीं आ जाती।

कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार का होता है- बैड और गुड। गुड कोलेस्ट्रॉल हार्मोन बनाने, कोशिकाओं की मरम्मत और विटामिन डी के निर्माण में मदद करता है। लेकिन जब रक्त में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, तो यह धमनियों की दीवारों पर जमा होकर प्लाक बनाना शुरू कर देता है। इससे रक्त प्रवाह बाधित होता है और हृदय रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

**कितना होना चाहिए कोलेस्ट्रॉल लेवल?**

अब सवाल ये है कि कब हमें समझ लेना चाहिए कि कोलेस्ट्रॉल समस्याएं बढ़ाने वाला हो गया है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 30 की उम्र के बाद सभी लोगों को नियमित रूप से लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराते रहना चाहिए, इससे कोलेस्ट्रॉल की स्थिति का अंदाजा होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार टोटn कोलेस्ट्रॉल 200 mg/dL से कम होना चाहिए।

बैड कोलेस्ट्रॉल 100 mg/dL से कम होना चाहिए।

गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर 60 mg/dL से अधिक होना चाहिए।

कब बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा?

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल सामान्य से अधिक बना रहता है उनमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक की आशंका सामान्य लोगों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है।

डॉक्टरों के अनुसार ब्लड टेस्ट में टोटल कोलेस्ट्रॉल 240 mg/dL या उससे अधिक होने पर हृदय रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल अगर 160 mg/dL से ऊपर पहुंच जाए तो ये धमनियों में प्लाक जमने की प्रक्रिया को तेज कर देती है।

**कैसे जानें कोलेस्ट्रॉल हाई तो नहीं?**

डॉक्टर कहते हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल लंबे समय तक कई मामलों में कोई संकेत नहीं देता है, इसलिए टेस्ट जरूरी है। व्यक्ति पूरी तरह सामान्य महसूस कर सकता है, जबकि अंदर ही अंदर धमनियों में ब्लॉकेज बढ़ रही होती है।

कई मामलों में पहली बार हार्ट अटैक, स्ट्रोक या एंजाइना होने पर ही कोलेस्ट्रॉल की समस्या का पता चलता है। यही कारण है कि 30 वर्ष की उम्र के बाद नियमित लिपिड प्रोफाइल जांच कराने की सलाह दी जाती है।

**कोलेस्ट्रॉल कम रखने के लिए क्या करें?**

डॉक्टर कहते हैं, खान-पान में सुधार करके हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कम किया जा सकता है।

ओट्स, जौ, दालें, फल-सब्जियां, अलसी के बीज, अखरोट और बादाम जैसे खाद्य पदार्थ कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में सहायक माने जाते हैं। इनमें घुलनशील फाइबर अधिक होता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

नियमित रूप से व्यायाम भी गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। वॉकिंग, साइकिलिंग, तैराकी जैसे व्यायाम हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ये वजन, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल रखते हैं।

# भारत में बढ़ेगा विदेशी निवेश, वित्तमंत्री ने बताया कैसे पूरा होगा ये काम

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारतीय बाजार में विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी और कदम उठाए जाएंगे. हीरो माइंडमाइन समिट 2026 में यहां उन्होंने कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी निवेशकों द्वारा किए गए निवेश पर ब्याज और पूंजीगत लाभ कर से छूट जैसे उपाय विदेशी पूंजी को वापस आकर्षित करने की दिशा में पहला कदम हैं.उन्होंने कहा, यह कहानी का अंत नहीं है और भी कदम उठाए जाएंगे. हम मानते हैं कि हमें और अधिक विदेशी पूंजी की आवश्यकता है.

भारतीय रिजर्व बैंक ने पांच जून को बैंकों को तीन से पांच वर्ष की अवधि वाले विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंक) जमा के लिए अपनी मुद्रा अदला-बदली सुविधा का उपयोग करने की अनुमति दी थी, जिससे वे अमेरिकी डॉलर जमा को आरबीआई के साथ बदल सकें एवं मुद्रा जोखिम का प्रबंधन कर सकें. इसके अलावा, विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को बाहरी या विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) जुटाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा भी दी गई है, जो 30 सितंबर तक लागू रहेगी. सीतारमण ने कहा कि आरबीआई द्वारा घोषित ढांचे के तहत मुद्रा जोखिम की लागत आरबीआई वहन करेगा, जिससे बैंक बिना बाधा अपने संसाधन जुटा सकेंगे. उन्होंने साथ ही कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कच्चे माल, कच्चे तेल और उर्वरकों के आयात के कारण गंभीर दबाव का सामना कर रही है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्थिति हर सप्ताह बदल रही है और नई-नई चुनौतियां सामने आ रही हैं. इसलिए देश को हर ऐसी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना होगा.

**क्या है मौजूदा हालात**

दरअसल बढ़ते बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव, ग्लोबल इकोनॉमी की ग्रोथ को लेकर चिंता और रुपये में लगातार कमजोरी के बीच विदेशी निवेशकों ने जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार से 62,853 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की. इस ताजा निकासी के साथ ही 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.87 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है. यह पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा है. यह आंकड़े नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के डेटा से सामने आए हैं.

# एलन मस्क की स्पेसएक्स ने 24 साल में कर दिया काम

## सऊदी अरामको को लगे थे 86 साल

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई। इसके साथ ही यह कंपनी 2.106 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सातवीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी बन गई। इसके आगे अब केवल एनवीडिया, अल्फाबेट, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन और टीएसएमसी रह गई हैं। स्पेसएक्स की स्थापना 2002 में हुई थी और उसके 2 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप तक पहुंचने में 24 साल लगे जबकि सऊदी अरब की तेल कंपनी सऊदी अरामको के यह मुकाम हासिल करने में 86 साल लग गए।

2 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने में केवल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने स्पेसएक्स से कम टाइम लिया है। अल्फाबेट ने 23 साल में यह मुकाम हासिल किया था। जेफ बेजोस की कंपनी ऐमजॉन ने 30 साल में यह उपलब्धि हासिल की थी जबकि एनवीडिया को 31 साल लगे थे। 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने में ब्रॉडकॉम ने 35 साल, टीएसएमसी ने 39 साल, ऐपल ने 44 साल, माइक्रोसॉफ्ट को 46 साल लगाए थे।

**कौन है टॉप में?**

एनवीडिया 4.969 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे

वैल्यूएबल कंपनी है। अल्फाबेट 4.367 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे, ऐपल (4.275 ट्रिलियन डॉलर) तीसरे, माइक्रोसॉफ्ट (2.902 ट्रिलियन डॉलर) चौथे और ऐमजॉन (2.566 ट्रिलियन डॉलर) पांचवें नंबर पर है। चिप बनाने वाली ताइवान की कंपनी टीएसएमसी (2.198 ट्रिलियन डॉलर) इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर है। दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में अमेरिका की सबसे ज्यादा 59 कंपनियां हैं। चीन की 12 कंपनियों को इस लिस्ट में जगह मिली है। जापान की 5, फ्रांस और स्विट्जरलैंड की 3-3, साउथ कोरिया और ताइवान की 2-2 कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। लेकिन भारत की किसी भी कंपनी को इसमें जगह नहीं मिली है। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज कुछ समय पहले तक इस लिस्ट में थी। लेकिन अब वह टॉप 100 से बाहर हो चुकी है। इस साल कंपनी के शेयरों में गिरावट आई है।

# युद्ध विराम के बीच भारत के लिए आई खुशखबरी, एक्सपोर्ट में हुई रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर से अच्छी खबर आई है. सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 18% बढ़कर 45.20 अरब डॉलर पर पहुंच गया. वहीं, इंपोर्ट भी बढ़कर 73.41 अरब डॉलर हो गया, लेकिन इस बीच ट्रेड डेफिसिट में कमी आई है. मई में घाटा 28.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया. जो कि अप्रैल में 28.38 अरब डॉलर रहा था. कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने कहा कि मई उन महीनों में शामिल रहा, जिनमें सबसे ज्यादा मासिक एक्सपोर्ट ग्रोथ देखने को मिली.

उन्होंने बताया कि मिडिल ईस्ट क्राइसिस के कारण पहले प्रभावित हुए एक्सपोर्ट में अब रिकवरी दिखाई दे रही है. खासकर यूएई,सऊदी अरब, जॉर्डन और यमन को होने वाले एक्सपोर्ट में सुधार दर्ज किया गया है. यह सुधार ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की दिशा में शुरुआती समझौते की घोषणा हुई है और एनर्जी सप्लाई के लिए अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ी है. इससे ग्लोबल सप्लाई चेन और तेल व्यापार को राहत मिल सकती है.अग्रवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत का एक्सपोर्ट बेस लगभग दोगुना हो गया है, जबकि सर्विस एक्सपोर्ट में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है. सरकार को उम्मीद है कि नए फ्री ट्रेड डील लागू होने के बाद एक्सपोर्ट ग्रोथ को और गति मिलेगी. सरकार यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन जैसे साझेदारों के साथ हुए समझौतों का लाभ एक्सपोर्टर्स तक पहुंचाने के लिए राज्यों में वर्कशॉप भी आयोजित करेगी.जहां एक ओर मई में इंपोर्ट और एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी हुई है. वहीं, दूसरी ओर सोने के आयात में भी तेजी आई है. सोने का आयात अप्रैलमई के दौरान 60 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर हो गया.

# अमेरिका–ईरान डील से चमका बिटकॉइन

## कीमत 65,000 डॉलर के पार, अब निवेशकों को क्या करना चाहिए?

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। सोमवार, 15 जून को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा ने क्रिप्टोकरेंसी बाजार में एक नई जान फूंक दी है. दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन ने शानदार वापसी करते हुए शुरुआती एशियाई कारोबार में 65,400 डॉलर का आंकड़ा छू लिया. करीब 3% की इस उछाल के साथ बिटकॉइन पिछले दो हफ्तों के अपने सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है.

बिटकॉइन की इस शानदार रैली के साथ-साथ बाजार की दूसरी सबसे बड़ी डिजिटल एसेट, ईथर में भी जबरदस्त तेजी देखी गई. ईथर 3.7% की बढ़त के साथ 1,731 डॉलर तक पहुंच गया. इसके अलावा सोलाना व एक्सआरपी जैसे छोटे टोकन्स ने भी निवेशकों को बिल्कुल निराश नहीं किया, बल्कि वे कहीं ज्यादा मजबूती के साथ हरे निशान पर बंद हुए.

**शांति समझौते ने कैसे पलटा गेम?**

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि ईरान के साथ चल रही बातचीत एक अंतिम शांति समझौते तक पहुंच चुकी है. इसके साथ ही अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से अपनी नाकाबंदी हटाने का अहम फैसला लिया है, जो दुनिया का एक बेहद महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग माना जाता है. इस एक खबर ने दुनिया भर के निवेशकों के बीच जोखिम लेने की क्षमता को फिर से जगा दिया. जहां एक तरफ शेयर बाजार समेत क्रिप्टोकरेंसी में शानदार तेजी आई, वहीं दूसरी तरफ कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतों में 4% से ज्यादा की भारी गिरावट दर्ज की गई. आपको बता दें कि कुछ समय पहले तक बाजार में इतनी अनिश्चितता थी कि भारी बिकवाली के चलते बिटकॉइन 60,000 डॉलर के अहम स्तर के नीचे लुढ़क गया था. यह अक्टूबर 2024 के बाद इसका सबसे निचला स्तर था, लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है.

**बाजार में लौट आया निवेशकों का भरोसा**

मिडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक तनाव कम होने का सीधा असर जोखिम वाली संपत्तियों पर काफी सकारात्मक रूप से पड़ा है. डिजिटल एसेट प्लेटफॉर्म पाई42 के को-फाउंडर व सीईओ अविनाश शेखर का मानना है कि इतनी मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं के बावजूद बिटकॉइन का 65,000 डॉलर के आसपास कंसोलिडेट करना इसकी असली मजबूती को दर्शाता है. उनका स्पष्ट रूप से कहना है कि बड़ी कंपनियों समेत संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी ने बाजार की धारणा को काफी मजबूत कर दिया है. इसके अलावा माइनिंग की घटती मुश्किलें भी इस तेजी को सपोर्ट कर रही हैं.

# अनिल अंबानी की कंपनी में बड़ी गिरावट

## जबरदस्त मुनाफे के बाद रिलायंस इंफ्रा में लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर में सोमवार को गिरावट देखने को मिली। शेयर मार्केट में तेजी के बाद भी इस शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया।

इसी के साथ इस शेयर में पिछले कुछ से आ रही तेजी पर ब्रेक लग गए। सोमवार को यह शेयर बीएसई सेंसेक्स पर 5 फीसदी गिरकर 81.87 रुपये पर आ गया। रिलायंस इंफ्रा के शेयर में पिछले महीने मई के आखिर से तेजी बनी हुई थी। हालांकि सेबी के नियमों के चलते अनिल अंबानी की इस कंपनी में हफ्ते में एक ही दिन कारोबार हो रहा था। कंपनी दिवाला संबंधी प्रक्रिया से जूझ रही है और सेबी ने कंपनी के कारोबार पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं।

**34% उछाल के बाद गिरावट**

24 मई को रिलायंस इंफ्रा का शेयर 64.33 रुपये पर बंद हुआ था। इसके बाद इसमें तेजी आती गई। पिछले हफ्ते सोमवार को यह शेयर 86.17 रुपये पर पहुंच गया था। यानी 3 हफ्ते में यह शेयर करीब 34 फीसदी

की बढ़त बना चुका था। लेकिन आज इसकी तेजी पर ब्रेक लग गए और सीधा लोअर सर्किट पर जाकर रुका।

**एक साल में बड़ी गिरावट**

कंपनी के शेयर में पिछले हफ्ते तक बेशक तेजी रही हो, लेकिन पिछले एक साल में इसने निवेशकों को काफी निराश किया है। रिलायंस इंफ्रा का शेयर पिछले 6 महीने में 40 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। वहीं एक साल में यह शेयर करीब 78 फीसदी लुढ़क गया है। पिछले 5 साल में यह शेयर पिछले साल जून में 400 रुपये के पार चला गया था, लेकिन उसके बाद से इसमें गिरावट बनी हुई है।

# शेयर बाजार में बहार: सेंसेक्स में 736 और निफ्टी में 231 अंक की उछाल

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां)। आज सेंसेक्स में 736 और निफ्टी में 231 अंक की उछाल दर्ज की गई। आज पूरे दिन के कारोबार के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 47 पैसे मजबूत हुआ। सोमवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ बंद होने के कारणों पर विशेषज्ञों ने कहा, अमेरिका-ईरान शांति समझौते से वैश्विक स्तर पर सकारात्मक संकेत गया है। अमेरिका और ईरान के बीच 107 दिन के युद्ध को समाप्त करने की सहमति बनने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 736.38 अंक या 0.97 फीसदी बढ़कर 76,264.33 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 1,293.12 अंक उछलकर 76,821.07 तक पहुंचा था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231 अंक या 0.98 फीसदी बढ़कर 23,853.90 पर समाप्त हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को (19 जून) को स्विट्जरलैंड में शांति समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य भी खोला जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब रविवार को ईरान के साथ डील का एलान किया तो इसके बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी दबाव कम हुआ।

कच्चे तेल की कीमतें वैश्विक बाजारों में तीन महीने के निचले स्तर पर आ गईं। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 5 फीसदी गिरकर करीब 82.90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और मारुति लाभ हासिल करने वाली शीर्ष कंपनियां रहीं। एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5 फीसदी से अधिक उछला, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक भी लगभग 5 फीसदी चढ़ा।

शंघाई और हांगकांग के सूचकांक भी तेजी के साथ बंद हुए। एक्सिस डायरेक्ट के अनुसंधान प्रमुख राजेश पाल्विया ने कहा कि अमेरिका-ईरान शांति समझौता वैश्विक जोखिम वाली संपत्तियों के लिए सकारात्मक है। कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल सुधार भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक है। यह महंगाई के दबाव को कम करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता में सुधार में मदद करता है। एक्सचेंज आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,082.18 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वेदांता समूह की चार अलग हुई कंपनियों ने सोमवार को शेयर बाजार में पदार्पण किया। इनमें वेदांता एल्युमीनियम मेटल, वेदांता पावर, वेदांता ऑयल एंड गैस और वेदांता आयरन एंड स्टील शामिल हैं। वेदांता पावर को छोड़कर अन्य कंपनियों के शेयर शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ बंद हुए। इन कंपनियों का विभाजन पिछले दिसंबर में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने मंजूर किया था। इसका उद्देश्य कंपनी की संरचना को सरल बनाना है। इससे पहले आज बाजार खुलते समय भी 1000 अंकों की बढ़त देखी गई थी। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 53 पैसे मजबूत हुआ। ईरान और अमेरिका के बीच 107 दिनों से जारी जंग थमने की घोषणा के बाद भारत के अलावा एशिया के अन्य बाजारों में भी तेजी दिखी। जापान के निक्केई में 4 फीसदी से अधिक तेजी दिखी।

# 'ये दुआ है मेरी रब से...', वेदांता को लेकर अनिल अग्रवाल ने कही दिल की बात, निवेशकों को मिला खास तोहफा

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। वेदांता ग्रुप के निवेशकों के लिए सोमवार का दिन बेहद खास रहा। सोमवार को भारतीय शेयर बाजारों में वेदांता ग्रुप के चार अलग हुए व्यवसायों को लिस्ट किया गया। इस दौरान ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने निवेशकों के लिए अपने दिल की बात कही। उन्होंने कहा, 'मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वेदांता निवेशकों को हमेशा डिविडेंड देती रहे।' वेदांता चेयरमैन का यह बयान उस समय आया, जब वे डिमर्जर की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद नई कंपनियों के लिस्टिंग समारोह के अवसर पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कंपनी अपने डिविडेंड भुगतान को लेकर बेहद गंभीर है और उसका लक्ष्य भविष्य में भी एक डिविडेंड देने वाली कंपनी बने रहने के साथ-साथ निवेशकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य का निर्माण करना है।

**इन कंपनियों में हुआ डिमर्जर**

शेयर मार्केट में पहले से लिस्टेड वेदांता लिमिटेड के अलावा चार नई बनी कंपनियों वेदांता एल्युमिनियम मेटल , वेदांता ऑयल एंड गैस , वेदांता पावर और वेदांता आयरन एंड स्टील के शेयरों में सोमवार सुबह 10 बजे से भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेडिंग शुरू हो गई।

**निवेशकों को दिलाया भरोसा**

अपने संबोधन के दौरान चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा, 'हम हमेशा अपने शेयरधारकों के हितों का ख्याल रखते हैं, जो हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण और सर्वोपरि है। हमने पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को 300% का कुल रिटर्न दिया है और पांच साल का संचयी डिविडेंड यील्ड 55% रहा है।'उन्होंने कहा, 'हम एक डिविडेंड देने वाली कंपनी हैं और हमेशा बने रहना चाहिए, भगवान से मेरी यही प्रार्थना है... इसके अलावा हम वैल्यू क्रिएशन भी करते हैं। हमारे लिए सबसे छोटा शेयरधारक भी बेहद महत्वपूर्ण है। कंपनी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित डिमर्जर से शेयरधारकों के लिए बड़े पैमाने पर वैल्यू अनलॉक होने की संभावना है।अब प्रत्येक कंपनी स्वतंत्र रूप से काम करेगी और अपनी व्यावसायिक योजनाओं के अनुसार बाजार से पूंजी जुटा सकेगी। इसके साथ ही, इस कदम से निवेशकों को अपनी पसंद के अनुसार किसी एक खास सेक्टर (जैसे ऑयल, पावर या एल्युमिनियम) में सीधे निवेश करने का शानदार अवसर मिलेगा।

# चांदी 8,429 बढ़कर 2.51 लाख पर पहुंची

## इस साल कीमत 21 हजार बढ़ी, सोना आज 2,369 महंगा होकर 1.50 लाख/10gm हुआ

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में 15 जून को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 8,429 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.43 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,369 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सोना-चांदी में ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर शुरू होने से आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, महंगाई का डर कम हुआ और डॉलर कमजोर पड़ा, जिससे निवेशक सोने-चांदी की तरफ लौटे हैं।

**सोना इस साल 17 हजार और चांदी 21 हजार महंगी**

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 17 हजार रुपए और चांदी 21 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

# दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य | मिथुन | मे |
| चंद्र | मिथुन | मे |
| मंगल | मेष | मे |
| बुध | मिथुन | मे |
| गुरु | कर्क | मे |
| शुक्र | कर्क | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारभ समय | |
|---|---|
| मिथुन-- | 03-42 बजे |
| कर्क--- | 05-42 बजे |
| सिंह--- | 07-55 बजे |
| कन्या-- | 10-07 बजे |
| तुला---- | 12-14 बजे |
| वृश्चिक-- | 14-19 बजे |
| धनु---- | 16-29 बजे |
| मकर-- | 18-43 बजे |
| कुंभ--- | 20-48 बजे |
| मीन--- | 22-40 बजे |
| मेष---- | 00-17 बजे |
| वृष----- | 01-53 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-45
सूर्यास्त: 18 -47
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष मंगलवार 16 June 2026
तिथि - द्वितीया 00-52 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - आर्द्रा 16-12 रात्रि तक उप पुनर्वसु
योग. - वृद्धि 00-34 तक उप गण्ड
करण - बालव 14-39 तक उप कौलव
विशेष:

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल 15-34 से 17-12 तक**

**पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710**

| दिन का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| रोग | 05-44 - 07-22 | अशुभ |
| उत्पात | 07-22 - 09-00 | अशुभ |
| चंचल | 09-00 - 10-38 | शुभ |
| लाभ | 10-38 - 12-17 | शुभ |
| अमृत | 12-17 - 13-55 | शुभ |
| काल | 13-55 - 15-34 | अशुभ |
| शुभ | 15-34 - 17-12 | शुभ |
| रोग | 17-12 - 18-44 | अशुभ |

| रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| काल | 18-44 - 20-12 | अशुभ |
| लाभ | 20-12 - 21-34 | शुभ |
| उत्पात | 21-34 - 22-55 | अशुभ |
| शुभ | 22-55 - 00-17 | शुभ |
| अमृत | 00-17 - 01-39 | शुभ |
| चंचल | 01-39 - 03-00 | शुभ |
| रोग | 03-00 - 04-22 | अशुभ |
| काल | 04-22 - 05-44 | अशुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज का दिन आपकी जीवनशैली में कुछ अपेक्षित बदलाव करने के लिए एकदम उपयुक्त है।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

**पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710**

# पानी के संकट के लिए गहलोत जिम्मेदार : शेखावत

## पूर्व सीएम खुद षडयंत्र रचते हैं और अपने ही विधायकों को परेशान करते हैं

जोधपुर, 15 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के जोधपुर में पानी के मुद्दे पर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पलटवार किया। शेखावत ने कहा- गहलोत की गलत नीतियों की वजह से राजस्थान की जनता को प्यासा रहना पड़ा।

जोधपुर और पूरे राजस्थान में पेयजल की इस दुर्दशा के लिए अगर कोई जिम्मेदार है, तो वे केवल अशोक गहलोत हैं। जोधपुर को विकास में पीछे धकेलने का पाप अशोक गहलोत ने किया है।

शेखावत ने आगे कहा- जब मैं जलशक्ति मंत्री था, तब मैंने देश में सबसे ज्यादा संसाधन राजस्थान को दिए थे। लेकिन गहलोत सरकार ने टेंडर प्रक्रिया को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। जोधपुर की जनता वह समय भूली नहीं है, जब एक दौर ऐसा भी था कि लोगों को गड्ढे खोदकर मोटर से पानी खींचना पड़ता था।

केंद्रीय मंत्री शेखावत सोमवार को जोधपुर दौरे पर थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा- वे (गहलोत) अक्सर कहते रहते हैं कि उनकी सरकार गिराने की साजिश रची जा रही थी। वे इसका मुझे एक भी प्रमाण दे दें। उनके खुद के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा तक कह चुके हैं कि सरकार गिराने का काम यदि किसी ने किया है, तो वह खुद अशोक गहलोत ने किया है।

वे खुद षड्यंत्र रचते हैं, अपने ही विधायकों को परेशान करते हैं, उनकी वॉयस रिकॉर्डिंग (फोन टैपिंग) करवाते हैं और आरोप दूसरों पर मढ़ते हैं। उन्हें अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। जोधपुर की जनता ने उन्हें 15 साल का मौका दिया, लेकिन जोधपुर को विकास में पीछे रखने का पाप अगर किसी ने किया है, तो वह अशोक गहलोत ही हैं।

शेखावत ने कहा- गहलोत दावा करते हैं कि एलिवेटेड रोड उन्होंने बनाया है। लेकिन आज मैं खुलासा करता हूं कि जोधपुर एलिवेटेड रोड के काम को रोकने के लिए जितने षड्यंत्र रचे जा सकते थे, वे सभी अशोक गहलोत ने रचे।

मैं प्रमाण के साथ कह सकता हूं कि वे चाहते थे कि यह प्रोजेक्ट डिले (विलंबित) हो जाए या इसे रोक दिया जाए। वे यहां सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

करीब एक महीने पहले जोधपुर में पानी के संकट को लेकर गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर राज्य सरकार को घेरा था। गहलोत ने लिखा था- जोधपुर में पेयजल को लेकर हालात भयावह होते जा रहे हैं। पूरे शहर में त्राहि-त्राहि मची हुई है और स्थिति लगभग जल-आपातकाल (वाटर इमरजेंसी) जैसी बन चुकी है।

कायलाना और तख्तसागर जलाशयों में मात्र दो दिन का पानी शेष बताया जा रहा है। करीब 20 लाख की आबादी वाला यह ऐतिहासिक शहर प्यास की कगार पर खड़ा है और सरकार मौन साधे बैठी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जलदाय विभाग अब तक क्या कर रहा था?

# इंदिरा गांधी आज जिंदा होतीं, तो ऐसी पार्टियों पर बैन लगा देती

## अशोक गहलोत ने बीजेपी को क्यों लिया आड़े हाथों?

जयपुर, 15 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक बार फिर अपना सबसे बड़ा सियासी तीर छोड़ दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए अपने पोस्ट और मंच से दिए गए एक तीखे भाषण के बाद गहलोत ने इतिहास के पन्नों को पलटते हुए देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने सीधे शब्दों में साफ कर दिया है कि अब देश की सियासत में 'आर-पार' की लड़ाई का वक्त आ चुका है, जहां मुकाबला किसी भ्रम में नहीं, बल्कि सीधा 'मोदी बनाम राहुल गांधी' का होना चाहिए। गहलोत के इस आक्रामक तेवर का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे मंच से गरजते हुए बीजेपी की नीतियों पर सीधा हमला बोल रहे हैं। आखिर उन्होंने बीजेपी को इस तरह आड़े हाथों क्यों लिया और इंदिरा गांधी के दौर का जिक्र करने के पीछे उनका असली मकसद क्या है?

अशोक गहलोत ने साफ कर दिया कि धर्म के नाम पर की जा रही राजनीति देश के संविधान के खिलाफ है और इसके खिलाफ वैसी ही मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत है, जैसी कभी इंदिरा गांधी के पास हुआ करती थी।। उन्होंने कहा- हिंदूवादियों को, हिंदुत्व वालों को भड़काओ और राज करो। अरे, इंदिरा गांधी जिंदा होतीं ना, तो ऐसी पार्टी पर बैन लगा देतीं वो, बीजेपी जैसी पार्टी पर। आप सिर्फ हिंदुत्व को लेकर पार्टी चला रहे हो। आप हिंदू को लेकर राजनीति करना चाहते हो। अशोक गहलोत ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि हाल ही में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में राहुल गांधी ने पूरी स्पष्टता के साथ अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने जनता से राहुल गांधी के हालिया मीडिया पॉडकास्ट को सुनने की अपील करते हुए कहा कि राहुल ने बहुत खुलकर और सफाई से बातचीत की है। गहलोत का मानना है कि आज देश को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है। चूंकि कांग्रेस इस गठबंधन की सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए इसे एकजुट रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी कांग्रेस की ही है। गहलोत ने शिवसेना के नेता संजय राउत के उस बयान का पुरजोर समर्थन किया, जिसमें राउत ने कहा था कि जो पार्टियां अतीत में कांग्रेस से अलग होकर गई हैं, उन सभी को अब वापस घर लौट आना चाहिए। गहलोत ने खुलकर मांग की है कि इंडिया गठबंधन को अब बिना किसी देरी के राहुल गांधी को अपना आधिकारिक नेतृत्व सौंप देना चाहिए ताकि मुकाबला सीधा और साफ रहे। बीजेपी की रणनीति पर हमला बोलते हुए गहलोत ने इतिहास का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी ताकतों ने हमेशा से कांग्रेस के खिलाफ 'चक्रव्यूह' रचने का काम किया है। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के वक्त भी 'कांग्रेस बनाम अन्य सभी दल' का कृत्रिम माहौल बनाया गया था। राजीव गांधी के दौर को याद करते हुए गहलोत ने कहा- राजीव जी पर बोफोर्स का झूठा आरोप लगाया गया और भयंकर दुष्प्रचार के कारण हम चुनाव हार गए, जिसका नतीजा यह हुआ कि वी.पी. सिंह महज एक साल के लिए प्रधानमंत्री बन गए।

# हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा में कटौती से लेकर किसानों के मुद्दों तक

## आरएलपी का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

बीकानेर, 15 जून (एजेंसियां)। जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क से रैली निकाली और कलक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलक्टर के माध्यम से राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान आरएलपी नेताओं ने पार्टी संयोजक हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा में कमी, पीबीएम अस्पताल की अव्यवस्थाएं, किसानों की समस्याएं, नकली बीज के मामलों और कथित रिश्वत प्रकरण का मुद्दा उठाया।

नेताओं ने इन मामलों में जल्द कार्रवाई की मांग की। आरएलपी नेताओं ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने सरकार से समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन में आरएलपी नेता दानाराम घिंटाला, विजयपाल बेनीवाल, विवेक माचरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। आरएलपी ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में आपस में भिड़े युवक

## प्रदर्शन कर रहे अभिजीत दीपके को मारा थप्पड़, पुलिस ने युवकों को हिरासत में लिया

जयपुर, 15 जून (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ जयपुर में प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामे की घटना सामने आई है। सोमवार को शहीद स्मारक पर आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने अभिजीत दीपके को थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के दौरान हुए विवाद और थप्पड़ मारने की घटना के बाद कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, बेरोजगारी और अन्य छात्र-युवा मुद्दों को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई गई।

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि शिक्षा से जुड़े मुद्दे अब केवल परीक्षा अनियमितताओं तक सीमित नहीं हैं। छात्र, युवा और अभिभावक बेहतर और पारदर्शी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और जवाबदेही तय करने की मांग दोहराई।

अभिजीत दीपके रविवार देर रात जयपुर पहुंचे थे। प्रदर्शन को लेकर जयपुर पुलिस ने निर्धारित शर्तों के साथ अनुमति दी थी। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम में अधिकतम 800 लोगों को शामिल होने की अनुमति प्रदान की गई थी। साथ ही आयोजकों को कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं करने के निर्देश भी दिए गए थे।

प्रदर्शन में शामिल होने जयपुर पहुंचे अभिजीत दीपके ने बताया कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक सोशल मीडिया पोस्ट से हुई थी। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच' शब्द चर्चा में आया था। इसी के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखकर पार्टी बनाने की घोषणा की थी। दीपके ने दावा किया कि उस समय उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर 20 हजार से अधिक फॉलोअर थे और बड़ी संख्या में युवाओं ने उनके विचारों का समर्थन किया।

# नशीली दवाओं की तस्करी का खुलासा

## अंबाला कैंट से जुड़े तार, एक और आरोपी गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 15 जून (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब 4 लाख 68 हजार 256 अवैध नशीली गोलियां और कैप्सूल बरामदगी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस बहुचर्चित मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। पुलिस अब भी इस नेटवर्क के कथित मुख्य सरगना की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने राजविंद्र उर्फ राजू उर्फ राजवीर (25) निवासी वार्ड नंबर 18, पदमपुर को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि वह मुख्य आरोपी अश्वनी शर्मा का करीबी सहयोगी और सप्लायर था। जिला पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने बताया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में 'ऑपरेशन सीमा संकल्प' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 30 मई को सदर पुलिस ने ई-रिक्शा चालक आरोपी गोपीचंद (29) निवासी चक 3 ई छोटी को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 3 लाख 96 हजार प्रेगाबालिन कैप्सूल, 72 हजार टैपेंटाडोल टैबलेट तथा 256 ट्रामाडोल टैबलेट बरामद की गई थीं। कुल मिलाकर 4 लाख 68 हजार 256 नशीली गोलियां और कैप्सूल जब्त किए गए थे।

# एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, एक बच्ची की हालत गंभीर

बीकानेर, 15 जून (एजेंसियां)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में हरियाणा के एक ही परिवार के 6 लोगों की जान चली गई, जबकि एक दो साल की मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर हेमासर फांटे के पास सिजराल होटल के निकट दोपहर करीब दो बजे हुआ, जहां एक कार और डंपर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। सूचना मिलने पर एपीजे अब्दुल कलाम एंबुलेंस सेवा की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों व पुलिस की सहायता से घायलों तथा शवों को बाहर निकाला। मृतकों के शवों को श्रीडूंगरगढ़ उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

श्रीडूंगरगढ़ सीओ निकेत पारीक के अनुसार, हरियाणा नंबर की कार में कुल सात लोग सवार थे। सभी लोग हरियाणा के फतेहाबाद जिले के निवासी थे और एक ही परिवार से संबंध रखते थे। परिवार के सदस्य बीकानेर जिले के मुकाम स्थित बिश्नोई समाज के आराध्य गुरु जम्भेश्वर भगवान के समाधि स्थल के दर्शन कर वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

इस दुर्घटना में तीन पुरुष, एक महिला, एक बालिका और एक बच्चे की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी में पांच लोगों की मौके पर मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाए गए एक बच्चे ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल एक अन्य 2 वर्षीय मासूम बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद एपीजे अब्दुल कलाम एंबुलेंस से बीकानेर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, कार में कुल 7 लोग सवार थे। हादसे में कार चला रहे ओमप्रकाश (50) पुत्र भागीरथ बिश्नोई, उनकी पत्नी सोरमा देवी (45) और बेटी प्रमिला (3) की मौत हुई है। इसके अलावा रोनित (4) पुत्र सुरेंद्र कुमार, यशवी (10) पुत्री अमित और खुशी (8) पुत्री संदीप की मौत हुई है। हादसे में 2 साल की बच्ची तनवी पुत्री संदीप को गंभीर हालत में बीकानेर के पीबीएम अस्ताल रेफर किया गया है, जिसका ट्रॉमा सेंटर में इलाज जारी है।

दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और यातायात को सुचारू कराया। पुलिस ने डंपर और कार को अपने कब्जे में ले लिया है, साथ ही भिड़ंत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत से हरियाणा के फतेहाबाद सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

# शराब के नशे में परेशान करने से तंग आकर मां-बेटों ने की पिता की हत्या

जालोर, 15 जून (एजेंसियां)। जालोर के बिशनगढ़ थाना क्षेत्र के आलासन गांव में युवक की संदिग्ध मौत के मामले का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। 11 जून को हुई इस घटना में मृतक की पत्नी, बेटा और बेटी ही उसकी हत्या के आरोपी निकले हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी और बेटे को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो नाबालिग बच्चों को निरुद्ध किया है। थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि घटना के बाद मृतक पप्पाराम (56) के भाई किशोर वाल्मीकि ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि उसके भाई की हत्या की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गए और घटनास्थल की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी भी करवाई गई। जांच के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले। पूछताछ और सबूतों के आधार पर सामने आया कि मृतक पप्पाराम शराब का आदी था और आए दिन घर में विवाद करता था। वह नशे की हालत में परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट भी करता था, जिससे पूरा परिवार लंबे समय से परेशान था। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन भी पप्पाराम ने शराब के नशे में घर में विवाद किया और परिजनों को धमकाया। इसी से गुस्से और आक्रोश में आकर पत्नी अतियादेवी (50), पुत्र राणाराम (20), नाबालिग पुत्र और नाबालिग पुत्री ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने ईंट और लाठी से बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद परिजनों ने इसे सामान्य मौत दिखाने की कोशिश की लेकिन रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच की तो असलियत सामने आ गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बताया कि घटना वाले दिन भी पप्पाराम ने शराब के नशे में घर में विवाद किया और मारपीट की, जिसके बाद गुस्से में आकर सभी ने ईंट और लाठी से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

# वन विभाग की गाड़ियों में तोड़फोड़

## दो वनकर्मी सहित दो पुलिसकर्मी घायल

कोटा, 15 जून (एजेंसियां)। हाड़ौती अंचल के कोटा में अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम और स्थानीय ग्रामीणों के बीच का टकराव अब एक खौफनाक ड्रामे में बदल चुका है। रानपुर थाना क्षेत्र के अमरकुंआ गांव में जो विवाद खेतों और जंगलों की सीमा से शुरू हुआ था, वह देखते ही देखते पुलिस थाने की चौखट पर आकर एक हिंसक ज्वालामुखी की तरह फट पड़ा। इस पूरे बवाल में न सिर्फ सरकारी गाड़ियों के परखच्चे उड़े, बल्कि वनकर्मियों को बचाने आई खाकी भी लहूलुहान हो गई।

आमतौर पर ऐसी कार्रवाइयों में टकराव मौके पर होता है, लेकिन यहां कहानी में एक नया और हैरान करने वाला मोड़ आया। ग्रामीण अपनी फरियाद और गुस्सा लेकर थाने पहुंचे ही थे कि किस्मत से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी कर वन विभाग की टीम भी ठीक उसी वक्त थाने के बाहर आ धमकी। फिर क्या था? दोनों धुर विरोधी पक्षों का आमना-सामना होते ही रानपुर थाना परिसर एक रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुरुआत तीखी नोकझोंक और वन विभाग के खिलाफ नारेबाजी से हुई थी। लेकिन अमरकुंआ गांव के आक्रोशित लोगों का गुस्सा पल भर में बेकाबू हो गया। भीड़ ने कानून का खौफ ताक पर रखकर वन विभाग की गाड़ियों को चारों तरफ से घेर लिया। देखते ही देखते पत्थरों और लाठियों से हमला कर वन विभाग के सरकारी वाहन सहित अन्य गाड़ियों के शीशे चकनाचूर कर दिए गए। अचानक हुए इस सुनियोजित हमले से थाने के बाहर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। इस खूनी झड़प को शांत कराने और बीच-बचाव करने के लिए जब थाने के पुलिसकर्मी बाहर दौड़े, तो उग्र भीड़ ने उन्हें भी नहीं बख्शा। हमले में वन विभाग के दो कर्मचारियों को गंभीर चोटें आई हैं, वहीं भीड़ को खदेड़ने और समझाइश की कोशिश में जुटे दो पुलिस जवान भी लहूलुहान हो गए। अपने ही साथियों को घायल देख पुलिस एक्शन मोड में आ गई। तुरंत वायरलेस पर मैसेज फ्लैश किया गया और देखते ही देखते भारी पुलिस अमला और अतिरिक्त जाब्ता मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने लाठियां भांजकर उपद्रवियों को खदेड़ा और मौके से 18 उपद्रवियों को दबोचकर हिरासत में ले लिया।

फिलहाल, रानपुर और अमरकुंआ क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन हवाओं में तनाव साफ महसूस किया जा सकता है। कोटा पुलिस ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, राजकार्य में बाधा डालने और पुलिस व वनकर्मियों पर जानलेवा हमला करने के इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है।

# इंस्टाग्राम पर दिखी 'पंडित' की रील बनी मुसीबत

## तांत्रिक पूजा के नाम पर छात्र से 44 हजार की ठगी

जोधपुर, 15 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर दिखाई गई कथित तांत्रिक शक्तियों और चमत्कारों के झांसे में आकर एक छात्र 44 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गया। मामला जोधपुर शहर के महामंदिर थाना क्षेत्र का है, जहां एक युवक से पारिवारिक समस्याओं के समाधान और तांत्रिक पूजा कराने के नाम पर रकम वसूलने का आरोप लगाया गया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्र ने बताया कि वह जोधपुर में रहकर पढ़ाई के साथ नौकरी भी करता है। जनवरी 2026 में उसने इंस्टाग्राम पर एक कथित पंडित की रील देखी थी। परिवार में चल रही परेशानियों से परेशान छात्र ने रील में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। इसके बाद उसे पावटा स्थित एक कार्यालय में बुलाया गया।

छात्र का आरोप है कि कार्यालय में मौजूद व्यक्ति ने खुद को तांत्रिक और ज्योतिष विशेषज्ञ बताते हुए परिवार की समस्याओं का हवाला दिया। उसने दावा किया कि विशेष हवन और पूजा कराने से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। इसके लिए आरोपी ने 16 हजार रुपये की मांग की। भरोसा कर छात्र ने मार्च 2026 में फोनपे के जरिए यह राशि ट्रांसफर कर दी। कुछ समय बाद आरोपी ने फिर संपर्क किया और कहा कि परिवार पर किसी ने तांत्रिक क्रिया करवाई हुई है। उसने उज्जैन में विशेष पूजा कराने की बात कहते हुए 28 हजार रुपये और मांगे। साथ ही यह भी कहा कि यदि पूजा नहीं करवाई गई तो परिवार के सदस्यों की जान को खतरा हो सकता है।

# अवैध शराब फैक्ट्री के साथ 4 हजार लीटर पेट्रोल-डीजल का भारी भंडार बरामद, पुलिस-आबकारी विभाग अलर्ट

हनुमानगढ़, 15 जून (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के पल्लू तहसील क्षेत्र के बिन्झासर गांव में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने अवैध शराब बनाने के लिए छिपाई गई स्प्रिट को बरामद करने के उद्देश्य से एक घर पर छापा मारा था। लेकिन वहां स्प्रिट के साथ-साथ लगभग चार हजार लीटर अवैध पेट्रोल और डीजल भी बरामद हुआ। इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस और जिला रसद विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिला आबकारी अधिकारी संजीव कुमार पटावरी के निर्देशन में नोहर और हनुमानगढ़ जिले की आबकारी टीम ने एक संयुक्त अभियान चलाया। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर टीम ने केलनिया ग्राम पंचायत के बिन्झासर गांव में रजीराम जाट (पुत्र केसराराम जाट) के घर पर छापेमारी की।

तलाशी के दौरान टीम को रजीराम के घर से 200 लीटर स्प्रिट से भरा एक ड्रम मिला। इसके अलावा, जब पास में रखे 10 अन्य ड्रमों की जांच की गई, तो उनमें भारी मात्रा में अवैध पेट्रोल और डीजल भरा हुआ पाया गया। सिरोही के महेंद्र की दर्दभरी कहानीः 13 साल से चारदीवारी में कैद, 3 बीघा जमीन बिकी फिर भी नहीं हुआ इलाज, अब सरकार से आस

आबकारी विभाग ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पल्लू थाना प्रभारी सुरेश कुमार मील को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिन्झासर गांव पहुंची और मकान मालिक रजीराम से कड़ाई से पूछताछ की।

पूछताछ में रजीराम ने खुलासा किया कि स्प्रिट और अवैध ईंधन का यह स्टॉक उसका नहीं है। उसने बताया कि यह पूरा माल मेगा हाईवे पर केलनिया और बिसरासर गांव के बीच स्थित भैरू बाबा होटल के मालिक भीम स्वामी का है। इस खुलासे के बाद पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने भैरू बाबा होटल पर छापा मारा। वहां भी डीजल और पेट्रोल से भरे कई ड्रम बरामद हुए। दोनों जगहों से जब्त किए गए ईंधन की कुल मात्रा लगभग चार हजार लीटर आंकी जा रही है। मेगा हाईवे पर स्थित इस भैरू बाबा होटल का विवादों से पुराना नाता रहा है। लगभग दो वर्ष पहले भी रसद विभाग ने यहाँ से हजारों लीटर अवैध डीजल जब्त किया था। उस कार्रवाई के बाद से यह होटल कागजों में बंद चल रहा था।

# श्रद्धालुओं से भरा लोडिंग वाहन खाई में गिरा, 2 महिलाओं समेत 3 की मौत, 16 घायल

झालावाड़, 15 जून (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के अकलेरा एरिया से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर घाटोली थाना क्षेत्र के गुलखेड़ी गांव के समीप बड़ा सड़क हादसा हो गया। कमलेश्वर महादेव मंदिर से दर्शन कर लौट रहे तंवर समाज के श्रद्धालुओं से भरा एक लोडिंग वाहन चालक की लापरवाही के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में दो बुजुर्ग महिलाओं सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। लोडिंग वाहन में कुल 21 श्रद्धालु सवार थे। अपने गांव से रवाना हुए थे और मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस अपने गांव 'देवरी मंदिर' लौट रहे थे। सिरोही के महेंद्र की दर्दभरी कहानीः 13 साल से चारदीवारी में कैद, 3 बीघा जमीन बिकी फिर भी नहीं हुआ इलाज, अब सरकार से आस

# घर में सो रहे पति-पत्नी और बच्चे को सांप ने काटा, दंपति की मौत, मासूम अस्पताल में भर्ती

बाड़मेर, 15 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के सेड़वा उपखंड क्षेत्र के फागलिया इलाके में बीती रात सर्पदंश की दर्दनाक घटना सामने आई है। कथित तौर पर एक ही परिवार के 3 सदस्यों को जहरीले पीवणा सांप ने काट लिया। सर्पदंश से पति-पत्नी की मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्चे का अस्पताल में उपचार जारी है। दंपती की मौत की सूचना मिलने पर सेड़वा उपखंड में हड़कंप मच गया।

बाड़मेर जिले के फागलिया इलाके में घर में सो रहे दंपति और एक बच्चे को सर्पदंश के बाद तीनों को पहले सेड़वा अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया गया। उपचार के दौरान पति-पत्नी ने दम तोड़ दिया, जबकि बच्चे का इलाज जारी है।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि घटनास्थल के आसपास फिर से सांप दिखाई देने की सूचना मिली है, जिससे लोगों में दहशत बढ़ गई है। ग्रामीण रात के समय विशेष सतर्कता बरत रहे हैं और प्रशासन से क्षेत्र में सर्प पकड़ने वाली टीम भेजने की मांग कर रहे हैं। रात के समय पीवणा सर्प की गतिविधियां उपखंड में देखे जाने की शिकायतें प्रशासन को मिली हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पीवणा सांप को लेकर पहले से ही कई तरह की आशंकाएं और डर बने हुए हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में चिंता और बढ़ गई है। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को सतर्क रहने तथा किसी भी सर्पदंश की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचने की सलाह दी जा रही है।

# मुख्यमंत्री ने 99-दिवसीय "जनता शासन–प्रगति योजना" की समीक्षा की

## लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 16 मार्च से 12 जून तक संचालित "जनता शासन–प्रगति योजना" कार्यक्रम के माध्यम से सरकार जनता के और अधिक करीब पहुँची है। उन्होंने सोमवार को सचिवालय में इस 99-दिवसीय कार्यक्रम की व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागवार किए गए कार्यक्रमों और उनके परिणामों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में राज्यसभा सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी सी.वी. आनंद, सीएमओ के मुख्य सचिव शेषाद्री सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी विभागों ने जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक किए गए कार्यों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने 99-दिवसीय कार्य योजना में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले विभागों की सराहना की। उन्होंने मुख्य सचिव से लेकर जिला कलेक्टर स्तर तक के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को हर महीने अनिवार्य रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देशों की याद दिलाई और कहा कि जो अधिकारी फील्ड में नहीं गए हैं, उनकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने ऐसे अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार करने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों ने अपने कार्यों का अपेक्षित स्तर पर प्रचार-प्रसार नहीं किया है, जिसे तुरंत सुधारा जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि मीडिया और डिजिटल मीडिया के माध्यम से जनता को सरकार की उपलब्धियों की जानकारी नियमित रूप से दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रमों के दौरान जनप्रतिनिधियों और जनता से प्राप्त फीडबैक को दर्ज किया जाए तथा ग्राम स्तर की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही तीन महीनों में किए गए विकास कार्यों, शिलान्यासों और सरकारी संपत्तियों का पूर्ण रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने पंचायत राज विभाग को निर्देश दिया कि जिन गांवों में अभी तक पंचायत भवन नहीं हैं, उनकी सूची तुरंत तैयार की जाए और वहां नए भवनों के निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने सभी स्कूल भवनों पर सोलर पावर प्लांट लगाने तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभागों में फेसियल रिकग्निशन आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े सरकारी अस्पतालों (उस्मानिया एवं गांधी अस्पताल) तक सभी कर्मचारियों के लिए यही उपस्थिति प्रणाली लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर चल रहे 99-दिवसीय कार्यक्रम की तर्ज पर जिला स्तर पर भी तुरंत समीक्षा की जाए। इसके लिए प्रत्येक जिले में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को विशेष अधिकारी के रूप में नियुक्त कर भेजने का निर्णय लिया गया है। यह अधिकारी जिला कलेक्टर के साथ मिलकर सभी विभागों की गतिविधियों और योजनाओं की समीक्षा करेंगे तथा जिला स्तरीय प्रगति रिपोर्ट जारी करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि विधानसभा क्षेत्र, मंडल और ग्राम स्तर पर लाभार्थियों तथा विकास कार्यों का विस्तृत डेटा तैयार किया जाए और उसे डैशबोर्ड पर उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अपने

कार्यकाल के दौरान किए गए वादों की प्रगति रिपोर्ट भी मांगी और योजना विभाग को निर्देश दिया कि विधानसभा क्षेत्रवार वादों के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

# सुरक्षा मानकों का बिना किसी समझौते के कड़ाई से पालन किया जाए : महाप्रबंधक

## दक्षिण मध्य रेलवे में मानसून पूर्व सुरक्षा तैयारियों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए वृहद स्तर पर वर्षाकालीन तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में एक उच्च स्तरीय क्षेत्रीय सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक एवं उनकी टीमों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में महाप्रबंधक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भारी वर्षा, तेज हवाओं और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए रेलवे सुरक्षा मानकों का बिना किसी समझौते के कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से बाढ़ संभावित क्षेत्रों, मिट्टी कटाव वाले तटबंधों, पुलों, सुरंगों तथा रोड अंडर ब्रिज जैसे संवेदनशील ढांचों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए रेत, गिट्टी, सीमेंट और पत्थरों जैसी आवश्यक सामग्रियों का रणनीतिक भंडारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने फील्ड

अधिकारियों को स्वयं फुट-प्लेट निरीक्षण (इंजन केबिन से निरीक्षण) करने पर जोर दिया ताकि वास्तविक समय में स्थिति का आकलन किया जा सके। महाप्रबंधक ने कहा कि रेल परिचालन की निरंतरता और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों का तुरंत निवारण किया जाना चाहिए। उन्होंने माल परिवहन में सुरक्षा मानकों के पालन तथा ट्रैक पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ट्रैक और ओवरहेड इक्विपमेंट के आसपास बढ़ी हुई वनस्पति की नियमित कटाई-छंटाई करने के निर्देश दिए, ताकि रेल संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने फील्ड सुपरवाइजर्स को सतर्क रहते हुए त्वरित निर्णय लेने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने पर बल दिया। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मानसून पूर्व तैयारियाँ केवल एक मौसमी प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे अवसंरचना को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जिम्मेदारी, तत्परता और सटीकता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

## होटल में लगी आग

मंचेरियल, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के बेल्लमपल्ली चौराहे के पास स्थित एक होटल में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से होटल का फर्नीचर, शीतलन यंत्र, फ्रिज, पंखे समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग सुबह करीब तीन बजे लगी। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। होटल मालिक संतोष की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

## राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में तेलंगाना का शानदार प्रदर्शन, 11 पदक जीते

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तराखंड के देहरादून में 4 से 7 जून तक केआईओ (केआईओ) के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप-2026 में तेलंगाना के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक अपने नाम किए। तेलंगाना स्पोर्ट्स कराटे-डू एसोसिएशन के राज्य महासचिव मलयाला रामस्वामी ने बताया कि राज्य से चयनित सब-जूनियर, कैडेट और जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 2 स्वर्ण, 4 रजत तथा 5 कांस्य पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में तेलंगाना ने पहली बार कुल 11 पदक हासिल कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस अवसर पर तेलंगाना स्पोर्ट्स कराटे-डू एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां राज्य के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी।

## हैदराबाद में वर्षा पूर्व तैयारियों के तहत जलभराव स्थलों का संयुक्त निरीक्षण

**विशेष मानसून आपातकालीन टीमें तैनात करने के निर्देश**

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून के दौरान शहरी बाढ़ की समस्या को रोकने तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से आज राजेंद्रनगर ज़ोन एवं शमशाबाद क्षेत्र के प्रमुख जलभराव स्थलों का उच्चस्तरीय संयुक्त निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण हाइड्रा के आयुक्त ए.वी. रंगनाथ, ट्रैफिक संयुक्त पुलिस आयुक्त डी. जोएल डेविस, आईपीएस, डीसीपी ट्रैफिक-III राहुल हेगड़े, आईपीएस, डीसीपी शमशाबाद ज़ोन बी. राजेश तथा जीएचएमसी राजेंद्रनगर ज़ोन के ज़ोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी की नेतृत्व में किया गया। इस दौरान हाइड्रा, जीएचएमसी कानून-व्यवस्था एवं ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर मौजूदा समस्याओं का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान रामदेव बाबा जलभराव बिंदु, पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 265 एवं 191 सहित उन स्थानों की समीक्षा की गई, जहां भारी बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। अधिकारियों ने ड्रेनेज व्यवस्था, स्टॉर्म वॉटर निकासी क्षमता तथा जल प्रवाह मार्गों का विस्तृत निरीक्षण किया। संयुक्त टीम द्वारा मानसून के मद्देनज़र कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। जीएचएमसी एवं हाइड्रा को नालों की तत्काल सफाई, कचरा, प्लास्टिक एवं निर्माण मलबा हटाने के निर्देश दिए गए ताकि पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके। साथ ही, रामदेव बाबा क्षेत्र एवं पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के संवेदनशील पिलरों पर उच्च क्षमता वाले डी-वॉटरिंग पंप स्थायी रूप से तैनात करने का निर्णय लिया गया, जिससे भारी बारिश के दौरान तुरंत जल निकासी की जा सके। ट्रैफिक पुलिस को विशेष मानसून आपातकालीन टीमें तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर यातायात डायवर्जन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग तथा क्रेन की सहायता से जाम में फंसे वाहनों को हटाने की कार्रवाई करेंगी।

कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के जन्मदिन पर, पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल ने आज मूसा रामबाग़ के टीवी टॉवर स्थित लड़कों के सरकारी नेत्रहीन स्कूल में नेत्रहीन लोगों को छड़ियाँ बांटीं और मिठाइयाँ खिलाई। इस कार्यक्रम में महेश यादव, बालाजी सिंह, संदीप जैन, वेंकट रेड्डी, रविकांत, अमित, रोशन, साई राम, शरद और बीजेपी के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल थे।

# एक शाम माताजी के नाम' का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आई माताजी मंदिर संगारेड्डी बडेर प्रांगण में (नाईन ग्रुप) द्वारा आयोजन 'एक शाम माताजी के नाम' का भव्य जागरण संपन्न !

जारी प्रेस विज्ञप्ति में चन्दाराम परिहारिया ने बताया कि (नाईन ग्रुप) का अपने जीवन के सफलतम 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'एक शाम श्री आई माताजी के नाम' विशाल भजन संध्या एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया ! जिसमें ओमाराम कुमावत एंव महेंद्र बोयल ने राजस्थानी अंदाज़ में माताजी के भजनों के पुष्प अर्पित किए !

अवसर पर बडेर के अध्यक्षमय कार्यकारिणी एंव पधारे सभी अतिथियों एंव समाज बन्धुओं ने सभी (नाईन ग्रुप) परिवार को अपने जीवन के सफलतम 50 वर्ष पूर्ण होने की बधाई शुभकामनाएं दी एंव सभी को राजस्थानी परम्परा साफा एंव दुपट्टा से सम्मानित कर गौ माता का भव्य मोमेंटो दिया. साथ में पारसीगुट्टा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ , लाबूराम पंवार, परसराम बर्फा , कालूराम काग चिंतल , रामलाल( पूसाराम काग) , गिरधारीलाल चोयल , सोहनलाल हाम्बड़ , बाबूलाल मुलेवा , तुलसीराम सिंदड़ा अवसर पर कार्यक्रम के सफल आयोजन में चन्दाराम परिहारिया, धर्मीचंद परिहारिया, मोहनलाल सैणचा, ओमप्रकाश हाम्बड़, लिकमाराम सानुपरा, मोहनलाल चौयल, रामलाल सैणचा, चेलाराम चौयल एवं रावतराम काग ने पधारे हुए सभी समाज बन्धुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया अवसर पर बडेर के मुख्य स्तंभ मनोनीत सदस्य रुगाराम परिहारिया , अध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश काग , उपाध्यक्ष ढगलाराम गेहलोत , सचिव पिताराम चोयल , सह-सचिव प्रभुराम काग , कोषाध्यक्ष जीवाराम चोयल , कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश हाम्बड़ , संचार मंत्री रतनलाल काग , मोदी हुराराम गेहलोत नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेश परिहारिया , उपाध्यक्ष गेनाराम बर्फा , सचिव थानाराम राठौड़ , सह-सचिव गेनाराम पंवार , महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती संतोषदेवी परिहारिया , सचिव श्रीमती लीलादेवी परिहार एंव सभी समाज बन्धुगण उपस्थित !

मेडचल रोड स्थित कालाकल या देवी श्रीआईजी गौशाला में सोमवती अमावस्या के शुभ अवसर पर गौशाला के संस्थापक द्वारा सभी गौभक्तों एवं महिला मंडल कुक्कटपल्ली को मिमेंटो प्रदान किया गया । इस अवसर पर उपस्थित पुन्नाराम सीरवी , नारायणलाल, पूनम सीरवी , राजाराम चौधरी, सुरेश कुमार , प्रकाश कुमार , सोहनलाल , खांगाराम, मांगीलाल छत्राराम,मनीषा, संतोष ,गीता देवी, मंजू देवी ,ममता देवी , भावरी देवी , रेखा देवी , वसन्त देवी , सीता देवी , सुकिया देवी व अन्य

अमावस्या पर पूर्व पार्षद राकेश जयसवाल ने इमलीबुन गौशाला गौलीगुड़ा में गायों को घास खिलाई, राजेंद्र यादव, प्रेमचंद मुनोथ जे, गजानंद चौधरी, राजू यादव, के.सुरेश, नरसिंह ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

## आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण भी समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है : आईपीएस बृजेश मिश्रा

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अवध चेतना मंच सोसाइटी की जून माह की बैठक आरके पुरम, सिकंदराबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष अतिथि के रूप में पधारे सुल्तानपुर पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के प्रमुख एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा का मंच के अध्यक्ष डी. एस. तिवारी द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

सेना से सेवानिवृत अवधेश नारायण मिश्र ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हमारे मध्य एक अनुशासनप्रिय एवं संवेदनशील व्यक्तित्व उपस्थित हैं, जिन्होंने अपने प्रशासनिक कौशल, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के माध्यम से समाज में विशिष्ट पहचान बनाई है। अपने उद्बोधन में बृजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि अध्यात्म मनुष्य के जीवन को दिशा, संतुलन एवं आंतरिक शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भौतिक उपलब्धियों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण भी समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अवध चेतना मंच को अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए युवा पीढ़ी को भी अपनी गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। उन्होंने मंच के चतुर्मुखी विकास हेतु नियमित साहित्यिक गोष्ठियों, सांस्कृतिक आयोजनों, सामाजिक सरोकारों एवं आध्यात्मिक विमर्शों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। मंच के वरिष्ठ सदस्य जय प्रकाश शुक्ल ने धन्यवाद दिया। बैठक में डीएस तिवारी, एसएम पाण्डेय, जय प्रकाश शुक्ला, धर्मेंद्र शुक्ला, आरके सिँह, ओएन त्रिपाठी, बीएन मिश्रा, राकेश उपाध्याय, आरपी पाण्डेय, डीके सिंह, सोनू सिंह अजय कुमार पाण्डेय एवं अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया ।

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड स्थित गोशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

# पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल का 168वाँ नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैम्प संपन्न

हैदराबाद,, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में सेवा दीप प्रज्ज्वलन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पामिदिघंटम श्री नरसिम्हा द्वारा किया गया । इस अवसर पर न्यायाधीश श्री नरसिम्हा ने पित्ती परिवार द्वारा अग्रवाल सेवा दल के साथ मिल कर की जा रही सेवाओं की प्रशंसा करते हुए स्वर्गीय पन्नालाल पित्ती का उल्लेख भी किया ।

अजित गुप्ता के अनुसार 14 जून को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ, कोलनपाक, आलेर मंडल, यादाद्री जिला में आयोजित इस शिविर मे मेडिकवर हॉस्पिटल्स, हाईटेक सिटी के विशेषज्ञ डॉक्टर जगदीश, डॉक्टर लावण्या, डॉक्टर रोशनी, शिवलीला, डायना, श्रावणी, सहेली, ललिता आदि की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान की। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम नेत्र चिकित्सालय भगवान, वर्फान, प्रतीक्षा, नरसिंह राव एवं भास्कर आदि की टीम द्वारा रोगियों के नेत्र परीक्षण के पश्चात 10 निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं रेटिना जांच की व्यवस्था की गई। 98 जरूरतमंद रोगियों में उनकी आवश्यकता अनुसार चश्मों का निःशुल्क वितरण किया गया । श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की टीम द्वारा जरूरतमंद रोगियों में कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स के निःशुल्क वितरण की व्यवस्था की गई। उपरोक्त शिविर में रोगियों के रक्तचाप तथा शर्करा की निःशुल्क जांच के बाद उनकी आवश्यकता अनुसार जनरल फिजिशियन, फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा, अस्थि चिकित्सा, हृदय चिकित्सा की सुविधा प्रदान की गई । शिविर में ई.सी.जी., 2डी इको, बी.एम.डी., आर.बी.एस./बी.पी. आदि परीक्षण निःशुल्क किये गये तथा 245 रोगियों में उनकी आवश्यकता अनुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया । जरूरतमंद मरीजों के लिए निःशुल्क डायलिसिस सेवा की व्यवस्था भी करवाई गई । इस सेवा शिविर में डॉक्टर अखिल क्लीनिक के डॉक्टर अखिल सुगन्धि, डॉक्टर मीनल सुगंधी, बजाज फिजियो केयर की डॉक्टर मीता बजाज तथा एस एन आर डेंटल के डॉक्टर एस निखिल राज एवं डॉक्टर नवनीत राज ने भी अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की ।

शिविर में अग्रवाल सेवा दल एवं पित्ती ट्रस्ट चेयरमैन शरद जी. पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजकों अजित गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, कैलाश केडिया, उर्मिला अग्रवाल, श्री श्वेताम्बर मूर्तीपूजक तीर्थ के इंदरचंद जैन, प्रदीप जैन, वेंकटेश एवं टीम के साथ समाज सेवी गोपाल सिंह, निर्मला गुप्ता, दिशा गुप्ता, निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, योगेश अग्रवाल, सतीश गर्ग, सुनैना नर्सरिया, पद्मजा, नंदिनी, प्रयाग चीटियाल, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों तथा अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की । श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ, कोलनपाक, की ओर से इंदर चंद जैन ने पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी पित्ती तथा सेवा दल के संयोजकों का मोती माला एवं शॉल द्वारा सम्मान किया ।

## नकली कपास बीज तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

आदिलाबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने नकली कपास बीजों की तस्करी में शामिल एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के 792 पैकेट नकली बीज, अवैध कीटनाशक, पैकिंग उपकरण, लेबल छापने की मशीनें, पैकिंग सामग्री और एक कार बरामद की गई है।

मामले में चार अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में हैदराबाद निवासी सुनील कुमार, महाराष्ट्र निवासी राठौड़ पंडित, गुजरात निवासी बीज व्यापारी गिरीश पटेल तथा इछोड़ा निवासी ईश्वर शामिल हैं। वहीं संदेश बंदेवार, गणेश, कृष्णा और किरण की तलाश की जा रही है।

पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी सुनील कुमार ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर जल्दी मुनाफा कमाने के उद्देश्य से गिरोह बनाकर नकली बीजों का कारोबार शुरू किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# सुपर ओवर में भारत-ए हारा

## श्रीलंका के 16 रन के टारगेट में 10 ही बना सका

### *इंडिया और श्रीलंका ने 265-265 रन बनाए थे*

दांबुला, 15 जून (एजेंसियां)। भारत-ए और श्रीलंका-ए के बीच ट्राई सीरीज का रोमांचक मुकाबला सुपर ओवर तक पहुंचा, जहां श्रीलंका-ए ने बाजी मार ली। 50 ओवरों में दोनों टीमों ने 265-265 रन बनाए थे, जिसके बाद विजेता का फैसला सुपर ओवर से हुआ। श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए, लेकिन जवाब में भारत-ए 10 रन ही जुटा सका और 6 रन से हार गया।

**सुपर ओवर और नो बॉल का ड्रामा**

जब मैच टाई हुआ तब यह स्पष्ट नहीं था कि सुपर ओवर होगा या नहीं। अंपायर तर्क दे रहे थे कि काफी शाम हो चुकी है और आगे मुकाबला संभव नहीं होगा। इसके बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा की अंपायर से बहस हुई। फिर सुपर ओवर कराने का फैसला किया गया है।

इसके बाद अगला विवाद सुपर ओवर की आखिरी गेंद पर हुआ। अरशद खान की फुलटॉस गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज कैच आउट हुए। अंपायर ने बल्लेबाज को आउट करार दे दिया और भारतीय फील्डर्स ग्राउंड से बाहर चले गए। इसके बाद रिप्ले देखने के बाद पता चला कि यह गेंद नो बॉल थी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी। इसके बाद भारतीय फील्डर्स को दोबारा बुलाया गया और आखिरी गेंद फिर से कराया गया।

**सूर्यवंशी लगातार तीसरे मैच में फेल**

भारत के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी वनडे ट्राई सीरीज में एक बार फिर फेल रहे। वे आज के मुकाबले में महज 21 रन ही बना सके। वैभव के अलावा, अनुकूल रॉय 8 रन, निशांत सिंधु 6 रन, आयुष बडोनी 15 रन और प्रभसिमरन सिंह 11 रन बनाकर आउट हुए।

# पांच साल बाद विश्वकप में गूंजा भारत का नाम

## धीरज ने जीते दो स्वर्ण; मां ने मंगलसूत्र गिरवी रखकर कराई थी तैयारी

अंताल्या (तुर्की), 15 जून (एजेंसियां)। भारत के तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा ने तुर्किये के अंताल्या में विश्वकप स्टेज-3 में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्ष, त्याग और परिवार के भरोसे की लंबी कहानी छिपी है। एक समय ऐसा था जब उपकरण खरीदने के लिए उनकी मां को अपना मंगलसूत्र गिरवी रखना पड़ा था, जबकि पिता बेटे का सपना पूरा करने के लिए खुद तीरंदाजी के जज बन गए थे। अब धीरज ने विश्व मंच पर दो स्वर्ण जीतकर अपने माता-पिता के त्याग को सार्थक कर दिया है।

तुर्किये के अंताल्या में जब भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा पोडियम पर खड़े होकर राष्ट्रगान सुन रहे थे, तब यह सिर्फ दो स्वर्ण पदकों की कहानी नहीं थी। यह एक ऐसे परिवार की जीत थी जिसने आर्थिक तंगी, संघर्ष और अनिश्चितताओं के बीच अपने बेटे के सपने को जिंदा रखा।

24 वर्षीय धीरज ने विश्व तीरंदाजी विश्वकप स्टेज-तीन में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने पहले 17 वर्षीय कुमकुम मोहोड के साथ रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता और फिर पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग के फाइनल में दक्षिण कोरिया के स्टार तीरंदाज ली वू सियोक को हराकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया।

धीरज के पिता श्रवण कुमार खेलों के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने बेटे को बैडमिंटन, फुटबॉल, टेनिस और क्रिकेट से परिचित कराया, लेकिन धीरज का मन कहीं नहीं लगा। एक दिन उनकी नजर तीरंदाजी का अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों पर पड़ी और यहीं से सफर शुरू हुआ। धीरज की मदद करने के लिए श्रवण कुमार ने खुद तीरंदाजी को समझना शुरू किया। बाद में उन्होंने तीरंदाजी संघ की जज परीक्षा पास की और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ तीरंदाजी जजों में शामिल हो गए। श्रवण कुमार ने कहा, 'मैंने खुद तीरंदाजी सीखी ताकि हर कदम पर बेटे का मार्गदर्शन कर सकूं। यह सिर्फ उसका नहीं, हमारा साझा सफर था।'

धीरज के करियर का सबसे मुश्किल दौर 2017 में आया। बेहतर प्रशिक्षण के लिए उन्हें महंगे विदेशी उपकरणों की जरूरत थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति इसकी इजाजत नहीं देती थी। हालात ऐसे हो गए कि धीरज तीरंदाजी छोड़ने तक का मन बना चुके थे। तभी उनकी मां रेवती ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपना मंगलसूत्र गिरवी रखकर कर्ज लिया ताकि बेटे के लिए नया धनुष खरीदा जा सके। धीरज आज भी उस पल को याद करते हैं। उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं तीरंदाजी छोड़ने वाला था। मेरी मां ने अपना मंगलसूत्र गिरवी रख दिया ताकि मैं धनुष खरीद सकूं। मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है।'

दो साल पहले पेरिस ओलंपिक में धीरज पदक के बेहद करीब पहुंचकर चूक गए थे। वह भारत को तीरंदाजी में पहला ओलंपिक पदक दिलाने से बस एक कदम दूर रह गए थे। उस हार ने उन्हें तोड़ा जरूर, लेकिन रोका नहीं। अंताल्या में उन्होंने उसी दक्षिण कोरिया के तीरंदाजों को हराकर दो स्वर्ण पदक जीते, जिनके खिलाफ भारतीय तीरंदाजी टीम अक्सर दबाव महसूस करती थी।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने धीरज को इस उपलब्धि पर बधाई दी। नायडू ने कहा कि दक्षिण कोरिया के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर स्वर्ण जीतना धीरज की असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है।

### भारतीय खिलाड़ियों ने 11वीं बार पाकिस्तानियों से हाथ नहीं मिलाया

# दीप्ति दुनिया की टॉप विकेट टेकर बनीं, हरमनप्रीत वर्ल्ड कप में भारत की नंबर-1 बैटर

बर्मिंघम, 15 जून (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया। दीप्ति शर्मा ने सिर्फ 10 रन केर 5 विकेट लिए। अब वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अब टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इससे पहले हरमन ने टॉस के समय पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया।

पाकिस्तान के खिलाफ पुरुष-महिला, जूनियर और सीनियर मिलाकर लगातार 11वें क्रिकेट मैच में भारत ने नो हैंडशेक का स्टैंड बरकरार रखा। पहलगाम आतंकी हमले और दोनों देशों के बीच तनाव के बाद भारतीय टीमों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था।

सितंबर 2025 : एशिया कप से इसकी शुरुआत हुई। इस टूर्नामेंट में तीन बार भारत-पाकिस्तान मैच हुआ तीनों में हाथ नहीं मिलाया गया। अक्टूबर 2025 : विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले में भी नो हैंडशेक जारी रहा। नवंबर 2025 : मेंस राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भी भारतीय टीम हाथ न मिलाने के स्टैंड पर कायम रही।

दिसंबर 2025 : अंडर19 एशिया कप में दो भारत-पाकिस्तान मैच हुए। दोनों में नो हैंडशेक जारी रहा। फरवरी 2026 : हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया गया। फरवरी 2026 : पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप और अक्टूबर 2025 के महिला वनडे वर्ल्ड कप में भी यह परंपरा जारी रही।

भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा ने मैच की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। शेफाली ने पाकिस्तान की गेंदबाज सादिया इकबाल की फुल लेंथ बॉल को बाउंड्री लाइन के बाहर भेज दिया। हालांकि, वे इसी ओवर में स्लिप को कैच भी दे बैठीं। उन्होंने महज 6 रन बनाए।

भारत की पारी के 8वें ओवर में ओपनर स्मृति मंधाना को जीवनदान मिला। 27 रन पर उनका कैच ड्रॉप हो गया। तस्मिया रुबाब ने पांचवी गेंद फुलर लेंथ पर डाली। मंधाना ने पीछे हटकर शॉट खेला, लेकिन बॉल मिसटाइम होकर हवा में चली गई। मिड ऑफ पर मौजूद आलिया ने पीछे दौड़ते हुए कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद हाथ से छिटक गई।

पाकिस्तान की पारी के 15वें ओवर में श्रेयंका पाटिल ने बेहतरीन कैच पकड़ा। श्री चरणी ने ओवर की चौथी गेंद ऑफ-स्टंप से बाहर फ्लाइटेड डिलीवरी डाली। पाकिस्तानी बैटर रमीन शमीम ठीक से ड्राइव शॉट नहीं लगा पाईं। गेंद बैकवर्ड पॉइंट की तरफ तेजी से गई, जहां श्रेयंका ने अपनी दाईं ओर डाइव लगाकर दोनों हाथों से जबरदस्त कैच पकड़ा।

# हॉकी में नया कीर्तिमान: मनप्रीत सिंह की बड़ी उपलब्धि

## 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर दिलीप टिर्की की बराबरी की

रॉटरडैम, 15 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने भारतीय हॉकी के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 33 वर्षीय मनप्रीत ने रॉटरडैम में नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले में उतरते ही भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की के 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मनप्रीत सिंह अब 400 से अधिक सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हैं और वर्तमान में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले एकमात्र सक्रिय भारतीय खिलाड़ी हैं।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने मनप्रीत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके वर्षों के समर्पण, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। टिर्की ने कहा, 'मैं मनप्रीत को इस महत्वपूर्ण पड़ाव तक पहुंचने पर बधाई देता हूं। यह एक शानदार उपलब्धि है, जो उनके समर्पण और निरंतरता को दर्शाती है। मैं उनके आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह भारतीय हॉकी में इसी तरह योगदान देते रहेंगे।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी मनप्रीत के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय टीम के साथ उनका सफर खेल के प्रति उनके असाधारण समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा, '412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह इस बात का प्रमाण है कि मनप्रीत ने वर्षों तक देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।' उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक मंच पर भारतीय हॉकी की वापसी में मनप्रीत की भूमिका बेहद अहम रही है। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उनका नेतृत्व और दबाव की परिस्थितियों में प्रदर्शन करने की क्षमता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

मनप्रीत सिंह पिछले एक दशक से भारतीय पुरुष हॉकी टीम की सफलता के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक, हॉकी विश्व कप, एशियाई खेल और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी महत्वपूर्ण सदस्य रहे थे। उनके अनुभव, नेतृत्व और निरंतर प्रदर्शन ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब मनप्रीत के पास अगले मुकाबले में मैदान पर उतरते ही दिलीप टिर्की का रिकॉर्ड पीछे छोड़कर भारत के लिए सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बनने का अवसर होगा।

# कभी हॉकी-कबड्डी में जीते गोल्ड, अब पहले मैच में ठोकी फिफ्टी, 20 साल की बल्लेबाज हिट

लंदन, 15 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड में चल रहे आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले ही मैच से कुछ न कुछ कमाल देखने को मिल रहा है. पहले ही मैच में जहां इंग्लैंड की एक बल्लेबाज ने शतक लगाया तो वहीं अब बांग्लादेश की 20 साल की एक बल्लेबाज ने कमाल ही कर दिया. टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला ही मैच खेल रही बांग्लादेश की ओपनर जुऐरिया फिरदॉस ने नीदरलैंड के खिलाफ विस्फोटक अर्धशतक जमाया और टीम को पहली जीत दिलाई.

बर्मिंघम में जहां हर किसी की नजरें भारत-पाकिस्तान के मैच पर थीं, वहीं उससे ठीक पहले एजबेस्टन के इसी मैदान पर नीदरलैंड और बांग्लादेश की टक्कर हुई. इस मैच में नीदरलैंड ने पहले बैटिंग की और फिर 8 विकेट खोकर 139 रन बनाए. इसके जवाब में बांग्लादेश ने 19.1 ओवर में 141 रन बनाकर ये लक्ष्य हासिल कर लिया. बांग्लादेशी टीम की जीत की स्टार रहीं दाएं हाथ की बल्लेबाज जुऐरिया फिरदॉस.

इसी साल टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू करने वाली 20 साल की फिरदॉस ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाई, जिसके दम पर बांग्लादेश ने 7.5 ओवर में ही 67 रन बना दिए. इसी वक्त पर फिरदॉस आउट हुईं. उनकी पारी कितनी जबरदस्त थी, इसका अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि टीम के 67 रन के स्कोर में से 50 रन फिरदॉस के ही थे. उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक जमाया, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे. फिरदॉस के दम पर मिली शुरुआत का फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के मिडिल ऑर्डर की बल्लेबाजों ने टीम को जीत तक पहुंचा दिया. बांग्लादेश ने 6 विकेट से ये मैच जीत लिया. अपने इस प्रदर्शन से फिरदॉस ने साबित कर दिया कि वो वाकई में ही खेल के लिए ही बनी हैं, फिर चाहे वो कोई भी हो. ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने से पहले तक वो अन्य खेलों में भी अपना दम दिखा रही थीं और सफलता हासिल कर रहीं थीं. पूरी तरह क्रिकेट के लिए समर्पित होने से पहले 2023 तक वो हॉकी, कबड्डी और शॉट पुट में भी हिस्सा ले रहीं थीं, जहां उन्होंने बांग्लादेश के नेशनल गेम्स में इन तीनों ही खेल में गोल्ड मेडल जीते थे.

# नीरज चोपड़ा ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स की टीम में शामिल

## क्वालिफाइंग मार्क हासिल करने पर ही खेल पाएंगे

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम का ऐलान हो गया है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने 32 सदस्यीय टीम में स्टार थ्रोअर नीरज चोपड़ा को भी शामिल किया है। हालांकि इसके लिए उन्हें आने वाले मैचों में एएफआई के 82.61 मीटर के क्वालीफाइंग मार्क को हासिल करना होगा। नीरज कमर में चोट के बाद अब वापसी कर रहे हैं। नीरज के अलावा रोहित यादव और यशवीर सिंह भी जेवलिन टीम में शामिल हैं। वहीं गुरिंदरवीर सिंह, तेजस्विन शंकर, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह को भी जगह मिली है। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से 2 अगस्त तक खेला जाएगा।

# वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर सीरीज जीती, जोसेफ ने 5 विकेट लिए

किंग्स्टन, 15 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने तीसरे और निर्णायक टी-20 मैच में श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। सबीना पार्क, किंग्स्टन में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 169 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने शेरफेन रदरफोर्ड की नाबाद 54 रन की पारी की बदौलत 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम ने 2 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। श्रीलंका की ओर से दुनिथ वेल्लालागे ने 43 रन और कामिल मिशारा ने 28 रन बनाए। वहीं, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

तीन मैचों की सीरीज पहले दो मुकाबलों के बाद 1-1 से बराबरी पर थी। पहले टी-20 में वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरे मैच में श्रीलंका ने 37 रन से जीत हासिल कर सीरीज बराबर कर ली थी। तीसरे मुकाबले में जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान कुसल मेंडिस सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद पथुम निसांका और कामिल मिशारा ने दूसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। निसांका ने 17 गेंदों पर 26 रन बनाए, जबकि मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए।

पवन रत्नायके खाता भी नहीं खोल सके और शमर जोसेफ का शिकार बने। कामिंदु मेंडिस ने 20 रन और दासुन शनाका ने 16 रन का योगदान दिया।

एक छोर पर टिके दुनिथ वेलालागे ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचायाशमर जोसेफ ने श्रीलंका की पारी के आखिरी ओवर में सिर्फ 5 रन दिए और 3 विकेट झटके। उन्होंने वेलालागे, दुष्मंत चमीरा और महीश तीक्षणा को आउट किया। जोसेफ ने मैच में कुल 5 विकेट हासिल किए।

# सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

मेलबोर्न, 15 जून (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया।

इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ (BWF) टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

# ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को एक विकेट से हराया

## तीसरे वनडे में कोनोली ने 149 रन बनाए; शोरिफुल इस्लाम ने 6 विकेट लिए

ढाका, 15 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में बांग्लादेश को एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के टीम ने सीरीज में क्लीन स्वीप से बचाव कर लिया। इससे पहले दोनों वनडे बांग्लादेश ने जीते थे।

ढाका में खेले गए मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 274 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 49.3 ओवर में 9 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो कूपर कॉनॉली रहे। उन्होंने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाते हुए 149 रन की शानदार पारी खेली। वहीं बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 48 रन देकर 6 विकेट लिए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

275 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत तेज रही। जोश इंग्लिस ने 12 गेंदों में 21 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने एक ही ओवर में इंग्लिस और मैट रेनशॉ को आउट कर मैच में बांग्लादेश की वापसी करा दी।

इसके बाद एलेक्स कैरी भी 71 रन के स्कोर पर आउट हो गए। एक छोर पर विकेट गिरते रहे, लेकिन कोनोली टिके रहे। उन्होंने पहले मार्नस लाबुशेन (29) के साथ 64 रन और फिर कैमरन ग्रीन (27) के साथ 58 रन की साझेदारी की।

कोनोली ने 87 गेंदों में अपना पहला वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने 149 रन की पारी में लगातार स्ट्राइक रोटेट की और खराब होती स्थिति में टीम को संभाले रखा।

# फुटबॉल वर्ल्ड कप में जर्मनी की बड़ी जीत

## डेब्यू मैच खेल रही कुरासाओ को 7-1 से हराया, काई हैवर्ट्ज ने डबल गोल किए

ह्यूस्टन, 15 जून (एजेंसियां)। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने अभियान का धमाकेदार आगाज किया है। टीम ने कुरासाओ 7-1 से हरा दिया।

ग्रुप-ई के इस मुकाबले के छठे मिनट में जर्मनी ने गोल स्कोर किया। फिर पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही कुरासाओ ने गोल भी किया। यह उसका टूर्नामेंट के इतिहास में पहला गोल है। जर्मनी ने दूसरे हाफ में छह गोल दागकर मुकाबला एकतरफा कर दिया।

ह्यूस्टन स्टेडियम में जर्मनी के काई हैवर्ट्ज ने डबल गोल किए, जबकि टीम के 6 अन्य खिलाड़ियों ने भी गोल करके स्कोरशीट में अपना नाम लिखवाया। जर्मनी अब अपने अगले मुकाबले में आइवरी कोस्ट से खेलेगी, जबकि कुरासाओ की टीम इक्वाडोर के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

कुरासाओ वर्ल्ड कप खेलने वाला अब तक का सबसे छोटा देश बना है। टीम ने अपना पहला गोल भी दागा। 21वें मिनट में लिवानो कोमेनेंसिया ने यह गोल दागा।

40 साल, 79 दिन के मैनुअल नोयर किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में खेलने वाले जर्मनी के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने लोथार मथाउस का रिकॉर्ड तोड़ा।

जर्मनी ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। छठे मिनट में फ्लोरियन विट्र्ज के पास पर फेलिक्स नेमेचा ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

फिर 21वें मिनट में कुरासाओ ने मुकाबले में वापसी करते हुए अपना पहला वर्ल्ड कप गोल दागा। लिवानो कोमेनेंसिया ने बॉक्स के बीच से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

जर्मनी ने जल्द ही मैच पर फिर नियंत्रण हासिल कर लिया। 38वें मिनट में निको श्लोटरबेक ने कॉर्नर पर हेडर लगाकर टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

पहले हाफ के इंजरी टाइम में फेलिक्स नेमेचा को बॉक्स में गिराए जाने पर जर्मनी को पेनल्टी मिली। काई हैवर्ट्ज ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया।

दूसरे हाफ की शुरुआत के दो मिनट बाद ही जमाल मुसियाला ने गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। इसके बाद 68वें मिनट में नाथानियल ब्राउन और 78वें मिनट में डेनिज उंडाव ने गोल किए। 88वें मिनट में हैवर्ट्ज ने अपना दूसरा और टीम का 7वां गोल दागकर जीत का अंतर 7-1 कर दिया।

# मेट्रो फेज-2 के लिए केंद्र सरकार एनओसी जारी करे : रेवंत रेड्डी

## मुख्यमंत्री ने फिर केन्द्र पर लगाया भेदभाव का आरोप

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2 परियोजना को केंद्र सरकार की भागीदारी के बिना 100 प्रतिशत इक्विटी के आधार पर स्वयं वहन करने के लिए तैयार है, बशर्ते केंद्र सरकार आवश्यक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी करे। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से मेट्रो रेल विस्तार परियोजना को शीघ्र स्वीकृति देने और लंबे समय से लंबित कार्यों को तेज करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और अश्विनी वैष्णव से कई बार मुलाकात कर मेट्रो विस्तार को मंजूरी देने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने पहले 50:50 हिस्सेदारी के आधार पर मेट्रो परियोजना को मंजूरी देने पर सहमति जताई थी, लेकिन एलएंडटी कंपनी द्वारा परिचालन और विस्तार से पीछे हटने के बाद परियोजना की गति बाधित हो गई। उन्होंने कहा कि एलएंडटी ने पहले चरण में लगभग 30,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां निर्मित कीं, लेकिन इसके संचालन में लगभग 400 करोड़ रुपये वार्षिक घाटा होने के कारण कंपनी ने आगे विस्तार और संचालन से इनकार कर दिया।

इसके बाद राज्य सरकार ने लगभग 30,000 करोड़ रुपये की मेट्रो संपत्तियों को 15,000 करोड़ रुपये में अपने नियंत्रण में ले लिया।

रेवंत रेड्डी ने यह भी बताया कि लगभग 13,600 करोड़ रुपये के ऋण को 8.25 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंकिंग व्यवस्था के तहत चुकाने के लिए राज्य सरकार ने आईआरएफसी के माध्यम से पुनर्वित्त की व्यवस्था की तथा जापानी संस्था से 4 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्राप्त किया गया। मुख्यमंत्री ने केंद्र पर आरोप लगाया कि आरबीआई की मंजूरी और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के बावजूद ऋण हस्तांतरण की अनुमति नहीं दी गई, जिससे प्रक्रिया बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही 1,400 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से अपील की कि आईआरएफसी से संबंधित धनराशि को तुरंत जारी करने में सहयोग करें, ताकि परियोजना आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार परियोजना का पूरा खर्च वहन करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार का एनओसी आवश्यक है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है और हाल ही में अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश और विशाखापत्तनम में मेट्रो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि हैदराबाद की परियोजना लंबित रखी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी प्रकार की राजनीति करना नहीं है, बल्कि पहले चरण की मेट्रो को पूर्ण करना और दूसरे चरण का विस्तार शीघ्र शुरू करना है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर भी मेट्रो विस्तार की उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि पिछले दस वर्षों में परियोजना को अपेक्षित गति नहीं मिल पाई। उन्होंने मेट्रो रेल रैंकिंग में गिरावट पर भी चिंता जताई और केंद्र तथा राज्य नेतृत्व से सहयोग की अपील की, ताकि परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके।

# बाल श्रम मुक्त तेलंगाना के लिए जनआंदोलन खड़ा करें : मंत्री

## विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने बाल श्रम उन्मूलन को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि हर बच्चे का स्थान स्कूल में है, किसी कार्यस्थल पर नहीं। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को बागलिंगमपल्ली स्थित सुंदरैया विज्ञान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाल श्रम उन्मूलन के लक्ष्य को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि गरीबी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक बच्चे बाल श्रम की ओर धकेल दिए जाते हैं। ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः स्कूलों में दाखिला दिलाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "बचपन की सुरक्षा और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी का कर्तव्य है।"

उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के उस विचार का उल्लेख किया, जिसमें शिक्षा को सम्मानजनक जीवन का आधार बताया गया है। मंत्री ने कहा कि शिक्षा की बदौलत अनेक पूर्व बाल श्रमिक आज अच्छे पदों पर कार्यरत हैं और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन के लिए विशेष रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम जनता के संयुक्त प्रयासों से ही बाल श्रम मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर (एटीसी), कौशल विकास कार्यक्रम और विदेशों में रोजगार के लिए भाषा प्रशिक्षण जैसी पहलें युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान कर रही हैं। मंत्री ने बाल श्रमिकों को बचाकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवी संगठनों की सराहना की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से बाल श्रम मुक्त तेलंगाना के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

## 52 दिन की छुट्टियों के बाद खुले स्कूल

### छात्रों की लौटी रौनक

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 52 दिनों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के बाद सोमवार को तेलंगाना के सभी विद्यालय नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए खुल गए। इसके साथ ही छात्र एक बार फिर कक्षाओं में लौट आए। पहले विद्यालय 12 जून से खुलने वाले थे, लेकिन विभिन्न पक्षों की मांग पर शिक्षा विभाग ने इसे 15 जून तक स्थगित कर दिया था।

विद्यालय खुलने के पहले दिन छात्रों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही। इसकी एक वजह यह भी मानी जा रही है कि विद्यालय खुलने का दिन अमावस्या के साथ पड़ा, जिसे परंपरागत रूप से नई शुरुआत के लिए शुभ नहीं माना जाता है। इस बीच, राज्य सरकार ने दो शैक्षणिक वर्षों के अंतराल के बाद सरकारी और स्थानीय निकाय विद्यालयों में नाश्ता योजना को फिर से शुरू कर दिया है। इसके साथ ही चयनित विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए दूध वितरण योजना भी आरंभ की गई। नाश्ता योजना की शुरुआत के अवसर पर परिवहन एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राजभवन स्थित सरकारी उच्च विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ भोजन किया। इस दौरान छात्रों को पाठ्यपुस्तकें और कॉपियां भी वितरित की गईं।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में राज्य के 39,789 विद्यालयों में कुल 68.73 लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था। इनमें 24,219 सरकारी एवं स्थानीय निकाय विद्यालयों में 16.80 लाख से अधिक तथा 11,832 निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 43.58 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल थे।

## सभी सूचना पट्ट अनिवार्य रूप से त्रिभाषा में होने चाहिए : गोपालकृष्णन

### सिकंदराबाद मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन की तिमाही बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन की तिमाही बैठक मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आर. गोपालकृष्णन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मंडल रेल प्रबंधक ने बैठक के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन), अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा), उप महाप्रबंधक (राजभाषा) तथा अन्य सभी शाखा अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने तिमाही राजभाषा बैठक में उपस्थिति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी शाखा अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है तथा उपस्थिति हस्ताक्षर आवश्यक हैं, क्योंकि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा उपस्थिति का प्रमाण माँगा जाता है। उन्होंने हिंदी टिप्पणियों की संख्या बढ़ाने पर बल देते हुए सभी शाखा अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे ऐसी सामान्य रूप से दोहराई जाने वाली टिप्पणियों को द्विभाषिक रूप में तैयार रखें, जिससे हिंदी टिप्पणियों के प्रयोग में वृद्धि हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि कुछ विशेष टिप्पणियों को यूज़र कस्टमाइज़्ड टिप्पणी के रूप में द्विभाषिक बनाकर उनका नियमित उपयोग किया जाए। मंडल रेल प्रबंधक ने यह भी उल्लेख किया कि सिकंदराबाद मंडल का अधिकांश भाग तेलंगाना राज्य में स्थित है, जो 'ग' क्षेत्र के अंतर्गत आता है, फिर भी यहां अनेक कर्मचारी हिंदी में भी कार्य कर रहे हैं, जो राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन का संकेत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में लगाए जाने वाले सभी सूचना पट्ट अनिवार्य रूप से त्रिभाषा में होने चाहिए, ताकि सभी भाषाभाषी नागरिकों को जानकारी सुगमता से प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने सिकंदराबाद मंडल की त्रैमासिक पत्रिका "सिकंदराबाद दर्पण" का विमोचन भी किया।

## तीस गुम मोबाइल फोन बरामद कर पीड़ितों को सौंपे गए

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) एप्लीकेशन के माध्यम से गुम हुए 30 मोबाइल फोन का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें बरामद किया और संबंधित पीड़ितों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोबाइल फोन खोने वाले नागरिकों ने सीईआईआर पोर्टल तथा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कुलसुमपुरा पुलिस ने विभिन्न स्थानों से तकनीकी एवं फील्ड स्तर पर प्रयास कर मोबाइल फोनों का पता लगाया। आवश्यक सत्यापन एवं कानूनी औपचारिकताओं के बाद सभी बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस, गोलकोंडा ज़ोन, बी. कृष्णा गौड़ ने पीड़ितों को मोबाइल फोन वितरित किए। मोबाइल फोन प्राप्त कर नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा हैदराबाद सिटी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार जताया। इस अभियान में कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर डी. नागार्जुन, सब-इंस्पेक्टर जी. नवीन सहित हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिकारियों ने बताया कि सीईआईआर प्रणाली के माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोनों की ट्रैकिंग में तेजी आई है और यह तकनीक नागरिक सुरक्षा के लिए अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम में एसीपी कुलसुमपुरा डिवीजन वी. तिरुपति, एसएचओ ए. रामुलु तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। हैदराबाद सिटी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें तथा निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई कर मोबाइल फोन की बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

# पुलिस ने फंक्शन हॉल मालिकों के साथ जागरूकता बैठक की

## ध्वनि प्रदूषण नियमों के कड़ाई से पालन के निर्देश

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा डिवीजन, गोलकोंडा ज़ोन, हैदराबाद, कुलसुमपुरा डिवीजन के अंतर्गत आने वाले सभी फंक्शन हॉल मालिकों एवं प्रबंधकों के साथ पुलिस ने एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य सार्वजनिक असुविधा की रोकथाम तथा ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 सहित अन्य संबंधित कानूनों के कड़ाई से पालन को सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस, गोलकोंडा ज़ोन, हैदराबाद बी. कृष्णा गौड़ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि फंक्शन हॉल प्रबंधन को सरकार एवं पुलिस विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सभी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र से लगातार तेज़ आवाज़ में संगीत, डीजे सिस्टम का उपयोग, निर्धारित समय सीमा से अधिक लाउडस्पीकर का प्रयोग, पटाखे फोड़ना, यातायात जाम तथा अव्यवस्थित पार्किंग जैसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतिरिक्त डीसीपी ने फंक्शन हॉल मालिकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे ध्वनि प्रदूषण नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें, निर्धारित सीमा से अधिक आवाज़ में किसी भी प्रकार का संगीत या डीजे उपयोग न होने दें, आसपास के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक असुविधा उत्पन्न न हो इसका ध्यान रखें, पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखें तथा सड़क या फुटपाथ पर वाहन खड़े न होने दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कार्यक्रमों में शांति, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना अनिवार्य है तथा सभी वैध अनुमति एवं शर्तों का पालन किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के उल्लंघन या सार्वजनिक शांति भंग करने की स्थिति में संबंधित फंक्शन हॉल मालिकों/प्रबंधन के विरुद्ध बिना किसी पूर्व सूचना के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बार-बार उल्लंघन की स्थिति में संबंधितों को बाइंड ओवर करने की कार्रवाई की जाएगी तथा उनके व्यापार लाइसेंस/अनुमतियों को रद्द करने हेतु प्रस्ताव संबंधित प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।

## खेत में करंट लगने से किसान की मौत

मेदक, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के कुलचारम मंडल स्थित वरगुंथम गांव में सोमवार को खेत में काम कर रहे एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुरुमा पोचैया (51) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पोचैया धान की नर्सरी तैयार करने के लिए अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान वे टूटकर गिरे बिजली के जीवित तार की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि बिजली का तार पहले से टूटा हुआ था, लेकिन किसान को इसकी जानकारी नहीं थी।

करंट लगने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिवार में शोक का माहौल है। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

## साइबराबाद में मानसून तैयारियों पर पुलिस आयुक्त की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून के दौरान जलभराव, यातायात जाम और पेड़ों के गिरने जैसी संभावित समस्याओं से निपटने के लिए साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने सोमवार को ज़ूम के माध्यम से एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में उन्होंने साइबराबाद कमिश्नरेट के अंतर्गत ट्रैफिक एवं लॉ एंड ऑर्डर अधिकारियों के साथ विभिन्न पुलिस थानों के जलभराव (वॉटर लॉगिंग) पॉइंट्स की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के दौरान प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में पहले से ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मौसम विभाग की वर्षा चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से ही पुलिस बल को सतर्क और तैनात रखा जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जलभराव संभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ टीमों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई संभव हो सके। उन्होंने कहा कि भारी बारिश वाले दिनों में लॉ एंड ऑर्डर एसएचओ अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करें और स्थिति पर लगातार निगरानी रखें। साथ ही सीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर पानी के बहाव की दिशा का आकलन कर जल निकासी को तेज करने के उपाय किए जाएं, ताकि जलभराव की समस्या कम से कम हो।

ट्रैफिक बाधित न हो और सड़क पर वाहन न फंसे, इसके लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि चल रहे और पूर्ण हो चुके सड़क कार्यों की स्थिति की भी नियमित समीक्षा की जाए तथा जलभराव वाले स्थानों पर स्पष्ट जिम्मेदारियां तय की जाएं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि ट्रैफिक, लॉ एंड ऑर्डर, सीएमसी, एनडीआरएफ तथा अन्य संबंधित विभाग मिलकर समन्वय के साथ कार्य करें ताकि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस बैठक में शेरिलिंगमपल्ली ट्रैफिक अतिरिक्त डीसीपी हनुमंतराव, ट्रैफिक एसीपी चंद्रशेखर रेड्डी सहित ट्रैफिक एवं लॉ एंड ऑर्डर के अधिकारी उपस्थित रहे।

## किसी भी वास्तविक मतदाता का अधिकार नहीं छीना जाएगा : राव

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि ये दल चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि मतदाता सूची से फर्जी वोट हटाए जाएंगे। हैदराबाद में आयोजित एक प्रेस वार्ता में रामचंदर राव ने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ना, मृत मतदाताओं के नाम हटाना और डुप्लीकेट या अपात्र प्रविष्टियों को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी वास्तविक मतदाता का अधिकार नहीं छीना जाएगा।

उन्होंने गंभीर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि देश की सीमावर्ती राज्यों जैसे बिहार और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के पुराने शहर क्षेत्रों में रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी जैसे अवैध घुसपैठियों द्वारा स्थानीय राजनीतिक दलों के समर्थन से फर्जी आधार कार्ड और राशन कार्ड बनवाकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराए जा रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.